श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
फल्गुन्यपि कृतेंऽहसि	श्रीशुक	९१५०१५२	बद्धाञ्जलीन्संवृतसर्वकारकान्	श्रीशुक	८०६०१६४	बध्यते वा कथं विभो	उद्धव	१११००३५२
फल्गुनि तत्र महताम्	नारद	११३०४६२	बद्धाञ्जलीन् राजपुत्रान्	मैत्रेय	४२४०३२२	बध्यमानं हतारातिम्	श्रीशुक	१०५००३२१
फल्ग्व्या च कलया कृता:	गजेन्द्र	८०३०२२२	बद्धाञ्जलेर्वै भयमस्ति किञ्चित्	राजा	११७०३१२	बध्येयं यदनुग्रहात्	ब्रह्मा	२०९०२८३
फाल्गुन: परवीरहा	सूत	१०७०२९१	बद्धान्यया स्रजा काचित्	श्रीशुक	१०३००२३१	बन्द्यक्षकैतवैश्चोर्यै:	श्रीशुक	६०१०२२१
फाल्गुन: प्रमदोत्तमाम्	श्रीशुक	१०५८०१८२	बद्धान् पश्यन्त्यपस्मृति:	दत्तात्रेय	११०७०६६२	बन्ध इन्द्रियविक्षेप:	श्रीभगवान्	१११८०२२२
फाल्गुनं परिरभ्याथ	श्रीशुक	१०५८००४२	बद्धान् वियुङ्क्ष्व मगधाह्वयकर्मपाशात्	बन्दीनृप	१०७००२९२	बन्ध सह भार्यया	श्रीशुक	१०३६०२०१
फाल्गुनस्यामले पक्षे	कश्यप	८१६०२५१	बद्धो मुक्त इति व्याख्या	श्रीभगवान्	११११००११	बन्ध: कर्मण्यनात्मना:	नारद	४२९०७८२
फाल्गुनेन परंतप	श्रीशुक	१०८९०३५१	बद्धोलूखलमामन्त्र्य	श्रीशुक	१०१००४३२	बन्धनं चाप्यनागस:	राजा	८१५००२२
फाल्गुनेन भटैर्वृत:	श्रीशुक	१०७१०४६२	बद्ध्वा तान् दामभि:	श्रीशुक	१०५८०४६१	बन्धनानयनं सती	सूत	१०७०४३१
फूत्कारानीरयन्मुहु:	मैत्रेय	३१७००५१	बद्ध्वा पतितमर्भका:	श्रीशुक	१०६४००४१	बन्धमोक्षानुदर्शनम्	श्रीशुक	६०५०१८१
फेरुराजगृहोपमा:	श्रीशुक	८१६००७२	बद्ध्वा परिकरं शौरि:	श्रीशुक	१०४३००३१	बन्धश्च कर्मात्मक उच्छवसित्यत:	अक्रूर	१०३८०२०४
			बद्ध्वा पाशैरधो भुव:	अजामिल	६०२०३१२	बन्धश्चान्यप्रसङ्गत:	कपिल	३३१०३५१
ब			बद्ध्वाञ्जलिं मूर्ध्न्यपनुत्तयेंऽहस:	श्रीभगवान	१०२२०१९३	बन्धश्चान्यप्रसङ्गत:	श्रीभगवान्	१११४०३०१
बद्धश्च वारुणै: पाशै:	बलि:	८२२००७२	बद्ध्वापनीत: शाल्वेन	श्रीशुक	१०७७०२२२	बन्धाय मोक्षाय च मृत्युजन्मनो:	चित्रकेतु	६१७०२३३
बद्धसेतुभुजोर्वङ्घ्रि	श्रीशुक	१००६०१६२	बद्धं बद्धं दिने दिने	श्रीशुक	१०७०००९२	बन्धुकृत्यममर्षण:	पुरञ्जन	४२६०२२२
बद्धस्नेहा: पतन्त्यध:	चमस	११०५०१५२	बध्नन्ति घ्नन्ति लुम्पन्ति	रजक	१०४१०३६२	बन्धुज्ञातिनृपान् मित्र	ऋषि	१०७५०२३१
बद्धाञ्जलि: प्रीत्युपरुद्धकण्ठ:	श्रीशुक	११२९०३५३	बध्नन्ति नित्यदा मुक्तम्	ब्रह्मा	२०५०१९३	बन्धुज्ञात्यरिमध्यस्थ	जीव	६१६००५१
बद्धाञ्जलिं प्रश्रयनम्रकन्धरम्	मैत्रेय	४१२०२२२	बध्नन्ति रज्ज्वा तं केचित्	श्रीभगवान्	११२३०३७२	बन्धुत्यागनिमित्तं च	शौनक	२१००५०३
बद्धाञ्जलिं भगवान् भूतनाथ:	मैत्रेय	४०५००४१	बध्नाति तन्ततयामिव दामभिर्गा:	यम	६०३०१३२	बन्धुप्रियकृदर्जुन:	श्रीशुक	१०५८०५४१
बद्धाञ्जलिमवस्थितम्	नारद	७०८००५१	बध्नीतेमं दुर्विनीतम्	श्रीशुक	१०६८००३१	बन्धुभि: सौहृदोदितम्	श्रीशुक	१०४९०१६२
बद्धाञ्जलिर्बाष्पकलाकुलेक्षण:	श्रीशुक	८२३००१३	बध्नीयादनागसम्	बलि:	८२००१२१	बन्धुभिर्गान्दिनीसुत:	श्रीशुक	१०४९००३१
बद्धाञ्जलिस्तमिदमाह स विष्णुरात:	सूत	१२०६००१४	बध्नीहि सेतुमिह ते यशसो वितत्यै	श्रीशुक	९१००१५३	बन्धुभ्यो ब्रूहि मद्दशाम्	श्रीभगवान्	११३००४६२
बद्धाञ्जली विरजसाविदमूचतु: स्म	श्रीशुक	१०१००२८४	बध्यतां बध्यतामिति	श्रीभगवान्	११२३०३७२	बन्धुमान् वेगवांस्तत:	श्रीशुक	९०२०३०१
बद्धाञ्जली सस्मितमूर्जया गिरा	श्रीशुक	१०८९०५८४	बध्यतामाश्वयं वध्य:	हिरण्यकशिपु	७०५०३४२	बन्धुरूपमरिं हत्वा	दन्तवक्त्र	१०७८००६२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बन्धुर्गुरुरहं सखे	श्रीभगवान्	११११९०४३१	बभावुप पतिं शान्ता	नारद	४२८०४४२	बभूव शान्तधी राजन्	श्रीशुक	६१७०३६२
बन्धुर्वधार्हदोषोऽपि	श्रीबलराम	१०५४०३९१	बभाष ईषत्स्मितशोभया वा	श्रीशुक	८०९०१२२	बभूव सम्भ्रान्तमति:	सूत	१२०६०२२२
बन्धुषु प्रतियातेषु	श्रीशुक	१०८४०७०१	बभाष ईषत्स्मितशोभितानन:	मैत्रेय	३२५०१२२	बभूव हाहेति वचस्तदा नृणाम्	श्रीशुक	१०७७०३६४
बन्धुस्तस्याभवद् यस्य	श्रीशुक	९०२०३०२	बभाष ऋषभं पुंसाम्	श्रीशुक	१०६००३३१	बभूवतुस्तौ पशुपालसम्मतौ	श्रीशुक	१०१५००१२
बन्धूनां चावहन्मुदम्	श्रीशुक	१०२८००९२	बभाष एतत्प्रतिलब्धवागसौ	श्रीशुक	६१६०३३२	बभूवाक्रीडगह्वरम्	श्रीशुक	१०१२०३६२
बन्धूनां नष्टगोत्राणाम्	श्रीशुक	११३१०२२१	बभाषे कालचोदित:	श्रीशुक	१०६१०३४२	बभूवाचिरतो वत्स	मैत्रेय	३३३०२२२
बन्धूनां भगवान् हरि:	श्रीशुक	१०१९०१११	बभाषे गद्गदाक्षर:	सूत	१२०८०३७२	बभूविथेहाजितकीर्तिमालाम्	मैत्रेय	३०८००१२
बन्धूनां शान्तिमावह	श्रीभगवान	१०५७०३९१	बभाषे तां वरारोहाम्	श्रीशुक	९२०००९२	बभूवु: कोटिशो नृप	श्रीशुक	१०६१०१९२
बन्धूनामिच्छतां दातुम्	श्रीशुक	१०५२०२५१	बभाषे नष्टमङ्गल:	श्रीशुक	१०७४०३८१	बभूवु: पुष्पवर्षिण:	श्रीशुक	१०११०४४२
बन्धूनामैक्यकाम्यया	श्रीबलराम	१०६८०२२२	बभाषे प्राकृतो यथा	श्रीशुक	१०७७०२३२	बभूवुरतिविस्मिता:	श्रीशुक	१००६०३१२
बन्धून्हनिष्यत्यथ वा	श्रीभगवान	१०५००४८२	बभाषे रविनन्दनम्	श्रीशुक	९०१०१९२	बभूवुरिन्द्रियाणीव	श्रीशुक	१०११०४९२
बन्धून् कुशलिन: श्रुत्वा	श्रीबलराम	१०६८०२०१	बभाषे सूनृतैर्वाक्यै:	श्रीशुक	१०७००३४२	बभूवुर्जातसम्भ्रमा:	श्रीशुक	१०२३०१८२
बन्धून् परिष्वज्य यदून्	श्रीशुक	१०८४०५८१	बभाषेऽवाङ्मुखी नृप	श्रीशुक	८२२०१९२	बभूवुर्दैत्यदानवा:	श्रीशुक	८०८०२९२
बन्धून् पितरं मातरं च स:	गोपी	१०६५०१०१	बभाषेऽविक्लवं वच:	श्रीबलराम	१०६८०२०२	बभूवुर्द्वारकौकस:	श्रीशुक	११०१०२०२
बन्धून् सदारान् ससुतान्	श्रीशुक	१०८४०५५१	बभाषेदं सुयन्त्रित:	श्रीशुक	१०८४०२८२	बभूवुर्धर्मवत्सला:	श्रीशुक	९०१०४१२
बन्धून् सुदुस्त्यजान्	शौनक	२१००४८३	बभूव गरुडध्वज:	श्रीशुक	८०६०३६२	बभूवुर्भरतषर्भ	श्रीशुक	१०८९०४९२
बन्धोऽस्याविद्ययान्	श्रीभगवान्	११११००४२	बभूव तूष्णीं पुलकाकुलाकृति:	श्रीशुक	८१७००६३	बभूवुर्भृशविस्मिता:	श्रीशुक	१०५४०५९२
बबन्ध प्रददद्वसु	श्रीशुक	९२००२६१	बभूव तूष्णीं भगवान् भुवो भरम्	ऋषि	१०७५०३९५	बभूवुर्व्यथिता भृशम्	श्रीशुक	१०३९०१३१
बबन्ध प्राकृतं यथा	श्रीशुक	१००९०१४२	बभूव तेनैव स वामनो वटु:	श्रीशुक	८१८०१२३	बभूवेन्द्रो महावृष:	श्रीशुक	९०६०१४२
बबन्ध वारुणै: पाशै:	श्रीशुक	८२१०२६२	बभूव प्रमदोत्तमा	नारद	४२८०२८१	बभौ चित्तं मोदवहं मनस्विनाम्	श्रीशुक	१०६६०१८३
बबन्धामर्षताम्राक्ष:	सूत	१०७०३३२	बभूव प्रमदोत्तमा	श्रीशुक	१०४२००८२	बभौ दिश: खं पृथिवीं च रोचयन्	श्रीशुक	८११०२६३
बभञ्जैकेन हस्तेन	नन्द	१०४६०२५२	बभूव प्राकृत: शिशु:	श्रीशुक	१००३०४६२	बभौ पृथिव्यां पतितं समुज्ज्वलत्	श्रीशुक	१०५९०२२२
बभञ्जैकैकश: खड्ग्खान्	दत्तात्रेय	११०९००७२	बभूव भस्मसात्सद्य:	सूत	१२०६०१३२	बभौ प्रतिद्वार्युपक्लृप्तमङ्गलै:	श्रीशुक	१०५४०५६३
बभारास्या: कुटुम्बिन्या	यमदूत	६०१०६६२	बभूव येनाण्डकटाहमस्फुटत्	नारद	७०८०१६२	बभौ भू: पक्वसस्याढ्या	श्रीशुक	१०२००४८२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बभौ मलैरवच्छन्न:	मैत्रेय	३३३०२८२	बर्हिष्मती नाम पुरी	मैत्रेय	३२२०२९१	बलभद्रं बलवदुच्छ्रयात्	भगवान	१००२०१३२
बभौ रक्तस्रवोऽसुर:	श्रीशुक	६१२०२६१	बर्हिष्मतीं नाम विभुर्याम्	मैत्रेय	३२२०३२१	बलभद्रेण बलिना	श्रीशुक	१०४४०२४२
बभौ स्वभासा ककुभोऽवभासयन्	श्रीशुक	१०७००१८२	बर्हिष्मन्दिष्टकारिण:	नारद	४२८००११	बलभित्तनयान् रजे:	श्रीशुक	९१७०१५२
बभ्रमुस्तदविज्ञाय	श्रीशुक	१०११००२२	बर्हिष्मन्नेतदध्यात्मम्	नारद	४२८०६५१	बलभित् कुपितो भृशम्	श्रीशुक	८१००२४२
बभ्राज उत्कचकुमुद्गणवानपीच्य:	मैत्रेय	३२३०३८३	बर्हिस्तस्मात्कृतञ्जय:	श्रीशुक	९१२०१३१	बलमक्षैर्विनिर्जय	श्रीशुक	१०६१०२७२
बभ्राम पृथिवीं प्रभु:	नारद	४२५०१११	बल: प्रबल ऊर्ध्वग:	श्रीशुक	१०६१०१५१	बलमाकृष्य सुमहन्	श्रीशुक	१०५२०१४२
बभ्राम भ्राम्यमाणेन	श्रीशुक	१०४३००९२	बल: प्रविश्य बाहुभ्याम्	श्रीशुक	१०१५०२८१	बलमायुर्यश: कान्तिम्	श्रीशुक	१०४१०५२२
बभ्राम विक्षिप्य जटा जडान्धवत्	सूत	१२०९०१५४	बल: प्रहरतां वर:	श्रीशुक	१०६७०१४१	बलये दास्यतीश्वर:	श्रीशुक	८१३०१७२
बभ्राम सोऽप्यवसरं प्रसमीक्षमाण:	श्रीशुक	१०१६०२५४	बल: शतधाच्छिनत्	श्रीशुक	१०६७०२११	बलवद्भि: कृतद्वेषान्	श्रीभगवान	१०६००१२२
बभ्रामोन्मत्तवन्महीम्	श्रीशुक	९१४०३२२	बलं गजस्यन्दनवाजिपत्तिमत्	श्रीशुक	१०६६०१७२	बलवद्विग्रहाकुल:	श्रीशुक	१०५६०४०१
बभ्रु: शिष्योऽथाङ्गिरस:	सूत	१२०७००३२	बलं गदं सारणं च	श्रीशुक	९२४०४६१	बलवानिन्द्रियग्राम:	श्रीशुक	९१९०१७२
बभ्रु: श्रेष्ठो मनुष्याणाम्	श्रीशुक	९२४०१०१	बलं च कंसप्रहितम्	श्रीशुक	१०४२०२११	बलश्च परवीरहा	श्रीशुक	१०३९०१०१
बभ्रुर्देवावृधसुतस्तयो:	श्रीशुक	९२४००९१	बलं तदङ्गार्णवदुर्गभैरवम्	श्रीशुक	१०५००२९१	बलश्च बलिनां वर:	चाणूर	१०४३०३९१
बभ्रो: कृतिरजायत	श्रीशुक	९२४००२१	बलं प्रविष्टोऽजित दैत्यदानवम्	अम्बरीष	९०५००८२	बलस्य बलशालिन:	श्रीशुक	१०७९०३३१
बभ्रोर्देवावृधादपि	श्रीशुक	९२४०१११	बलं बृहद्ध्वजपटछत्रचामरै:	श्रीशुक	१०७१०१७१	बलस्य लीलयोत्सृष्ट	श्रीशुक	१०१५०३४१
बमिध्ये स्मरेद् रूपम्	श्रीभगवान्	१११४०३७२	बलं मूर्धन्यताडयत्	श्रीशुक	१०६७०१८१	बलस्यानन्तवीर्यस्य	श्रीशुक	१०६५०३१२
बर्हप्रसूननवधातुविचित्रताङ्ग:	श्रीशुक	१०१४०४७१	बलं मे पश्य मायाया:	कपिल	३३१०३८१	बलस्योपर्यमर्षित:	श्रीशुक	१०६७०२३१
बर्हापीडं नटवरवपु: कर्णयो: कर्णिकारम्	श्रीशुक	१०२१००५१	बलदर्पहाहं दुष्टानाम्	श्रीशुक	१०३६००८१	बलाकपैलजाबाल	सूत	१२०६०५८२
बर्हायिते ते नयने नराणाम्	शौनक	२०३०२२१	बलदेव जनार्दनौ	श्रीशुक	१०४३०१६१	बलाकश्चात्मजोऽजक:	श्रीशुक	९१५००३३
बर्हिणस्तबकधातुपलाशै:	गोप्य	१०३५००६१	बलदेवपरिग्रहा:	श्रीशुक	१०६७०१२२	बलाद्धंस्यबलान्बली	राजा	११७००५१
बर्हिषत्सुमहाभाग:	मैत्रेय	४२४००९१	बलदेवेन संयुत:	श्रीशुक	१०२४००११	बलाद्विलुम्पन्त्यथ तं ततोऽन्ये	ब्राह्मण	५१३०१०४
बर्हिषदं गयं शुक्लम्	मैत्रेय	४२४००८२	बलदेवो महाबल:	श्रीशुक	९०३०३३२	बलाधिकै: स हन्येत	दत्तात्रेय	११०८०१४२
बर्हिषि तस्मिन्नेव विष्णुदत्त...	श्रीशुक	५०३०२०१	बलभद्र: कुरुश्रेष्ठ	श्रीशुक	१०६५००११	बलाधिक्याद् बलं विदु:	गर्ग	१००८०१२२
बर्हिष्मत: पुरुष आह सुतान् प्रपन्नान्	मैत्रेय	४३०००७३	बलभद्रं च मोहिता:	ऋषि	११३००२२१	बलान्महेन्द्रस्त्रिदशा: प्रसादान्मन्यो:	ब्रह्मा	८०५०३९१

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद
बलाय प्राक्षिपद् रुषा	श्रीशुक	१०१५०३१२	बलिर्धूपदीपकै:	श्रीशुक	१०२२००३१	बलेन सह संयुग:	श्रीशुक	१०६३००८१
बलाय बलशालिने	श्रीशुक	९०३०३६१	बलिर्भगवतासुर:	श्रीशुक	८२२००११	बलेनाल्पीयसाऽऽवृतौ	श्रीशुक	१०५००१६१
बलायेति पुरोदितम्	श्रीशुक	१०५२०१५२	बलिर्महेन्द्रं दशभि:	श्रीशुक	८१००४११	बलेनेन्द्रियराधसा	नारद	४३१०११२
बलाहका अन्वभवन् कराला:	सूत	१२०९०११२	बलिर्मुक्त: सहसुरै:	श्रीशुक	८२३००३२	बलेनैव जितो ग्लह:	श्रीशुक	१०६१०३३१
बलि: सुतपसोऽभवत्	श्रीशुक	९२३००४२	बलिर्वैयासकिर्वयम्	यम	६०३०२०२	बलेरनुचरासुरा:	श्रीशुक	८२१०१३२
बलिं च मह्यं हरत	वेन	४१४०२८२	बलिर्वैरोचन: पुरीम्	गुरु:	८१५०३३१	बलेरासीन्महात्मन:	श्रीशुक	१०६२००२१
बलिं च शुक्लानिमिषाय तुभ्यम्	ऋषि:	३२१०१६२	बलिविन्ध्यादयस्तस्य	श्रीशुक	८०५००२२	बलेर्न: पूर्ववैरिण:	श्रीशुक	८१५०२५१
बलिं तस्मै हरन्त्यग्रे	मैत्रेय	४२३०३६२	बलिश्चोशनसा स्पृष्ट:	श्रीशुक	८११०४८१	बलेर्नु श्रूयते कीर्ति:	श्रीशुक	१०७२०२४१
बलिं भृगूणामुपकल्पिततैस्तत:	श्रीशुक	८१८०२०२	बलिहारास्तवाभिभू:	नारद	७०३००७३	बलेर्विप्रर्षिभि: सह	श्रीशुक	८२३०१८२
बलिं विपन्नमादाय	श्रीशुक	८११०४६२	बली मागधसंश्रय:	श्रीशुक	१००२००२२	बलैश्वर्यस्मृतीन्द्रियम्	श्रीशुक	१०४१०४२२
बलिं सौत्येऽहनि क्रतौ	श्रीशुक	८२१०२६२	बलीयसानात्म्यमदेन मन्युना	श्रीभगवान	४०३०१६२	बलो गणात् क्रोधवशादहीन्द्र:	विश्वरूप	६०८०१८४
बलिं हरद्भिश्चिरलोकपालै:	उद्धव	३०२०२१२	बलीयसैजद्बृहदूर्मिभूषणम्	श्रीशुक	१०८९०५३२	बल्लव्यो मे मदात्मिका:	श्रीभगवान	१०४६००६२
बलिं हरन्तोऽन्नमदन्त्यनूहा:	देवा	३०५०४८२	बले: पदत्रयं भूमे:	राजा	८१५००११	बल्वलं गगनेचरम्	श्रीशुक	१०७९००५१
बलिं हरन्त्यवनता:	श्रीभगवान	१०४५०१४२	बले: परममुद्यमम्	श्रीशुक	८१५०२४१	बल्वलेन विनिर्मितम्	श्रीशुक	१०७९००२१
बलिं हरन्त्यृषयो ये च देवा:	हिरण्याक्ष	३१८००५२	बलेन जित्वा प्रकृतिं बलिष्ठाम्	देवा	३०५०४६१	बल्वलो नाम दानव:	ऋषय	१०७८०३८१
बलिं हरिष्यन्ति सलोकपाला:	मैत्रेय	४१६०२१२	बलेन दारुण्यधिमथ्यमान:	श्रीभगवान्	१११२०१८२	बस्त एको वने कश्चित्	श्रीशुक	९१९००३१
बलिनामपि चान्येषाम्	उद्धव	१०७१००५२	बलेन परिघार्दिता:	श्रीशुक	१०६१०३८२	बस्त: कामी विचिन्तयन्	श्रीशुक	९१९००४१
बलिनो ये निरामिषा:	दत्तात्रेय	११०९००२१	बलेन बलशालिना	गोपा	१०२६०१११	बस्तश्मश्रुर्भृगुर्भवेत्	श्रीमहादेव	४०७००५२
बलिभि: सपरिच्छदम्	श्रीशुक	१००७०१२१	बलेन बलशालिना	श्रीशुक	१०१८०३०१	बस्तैरेक कृष्णसारै:	श्रीशुक	८१००११२
बलिभिर्धूपदीपकै:	सूत	१११०१५२	बलेन बुभुजे किल	श्रीशुक	१०८६००५२	बहव इह विहङ्गा भिक्षुचर्यां चरन्ति	गोप्य	१०४७०१८४
बलिभिस्त्वरितं जग्मु:	श्रीशुक	१००५०१०२	बलेन महता सार्धम्	श्रीशुक	१०५३०२११	बहवस्तद्गतिं गता:	नारद	७०१०२९२
बलिमपि बलिमत्त्यावेष्टयद्ध्वाङ्क्षवद् य:	गोप्य	१०४७०१७३	बलेन महसौजसा	मैत्रेय	४२२०६०१	बहवो बुद्ध्युपाश्रित:	दत्तात्रेय	११०७०३२१
बलिमादद् बृहद्वपु:	श्रीशुक	१०२४०३५२	बलेन सचिवैर्बुद्ध्या	बलि:	८२१०२२१	बहवो मत्पदं प्राप्ता:	श्रीभगवान्	१११२००५१
बलिरेवं गृहपति:	श्रीशुक	८२०००११	बलेन सह मुष्टिक:	चाणूर	१०४३०४०२	बहवो मृत्यवोऽभवन्	श्रीशुक	१०११०५५१

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
बहवो लेभिरे सिद्धिम्	बलि:	८२२००६२	बहुज्ञा: संशयच्छिद:	नारद	७१५०२११	बहुशाऽनुचरा हरे:	बलि:	८२१०२३१
बहवो वृष्णिनन्दना:	श्रीशुक	९२४०१८२	बहुधा कुलिशक्षुण्ण:	श्रीशुक	६१८०६५२	बहुशो निर्जितामरा:	श्रीशुक	८१००२३२
बहवो हिंसिता भ्रात:	देवकी	१००४००५१	बहुधा निर्बिभेद खम्	श्रीभगवान	३२६०५३२	बहुशो भ्रामयन्हरि:	श्रीशुक	१०४४०२२२
बहवो हिंसिता सुता:	कंस	१००४०१५२	बहुधैवं प्रकम्पित:	श्रीभगवान्	११२२०५८१	बहूनमरदानवान्	श्रीशुक	८०६०३५१
बहि: समन्तत उपक्लृप्ता:	श्रीशुक	५०१०३२१	बहुनामनिकेतेषु	देवी	१००४०१३२	बहूनामिह कर्मिणाम्	यमदूता	६०३००६१
बहि: समन्ताद् रुरुधे पृतन्यया	श्रीशुक	८१५०२३२	बहुनामा बभूव ह	देवी	१००४०१३२	बहूनि ब्रह्मवादिन:	उद्धव	१११४००११
बहि: स्थितं तदवस्थं ददर्श	मैत्रेय	४०९००२२	बहुपादमपादकम्	नारद	४२९००२२	बहूनि सन्ति नामानि	गर्ग	१००८०१५१
बहि: स्थिता पतिं साध्वी	नारद	११३०५७२	बहुपादस्तथापद:	श्रीभगवान्	११०७०२२१	बहूनि सन्ति नामानि	नन्द	१०२६०१८१
बहिरन्त: परावरम्	नारद	७१५०५७१	बहुभिद्यमानगुणयात्ममायया	योगेश्वरा	४०७०३९२	बहून्यचष्टोभयथा	श्रीशुक	१०४२०२७२
बहिरन्त: शरीरिषु	चित्रकेतु	६१४०२३२	बहुभिर्यक्षरक्षोभि:	मैत्रेय	३१९०२११	बहून् पश्यन् प्रजापति:	श्रीशुक	६०५०३४१
बहिरन्त: स्वयं तथा	श्रीभगवान्	१११५०३६२	बहुभिर्याचितां शीलरूप:	श्रीशुक	१०५६०४४२	बह्वचा: संहिता ह्येता	सूत	१२०६०६०१
बहिरन्त:पुरद्वार:	श्रीशुक	१००४००११	बहुमानपुर:सरम्	श्रीशुक	१००१०५२२	बह्वक्रातामतिक्रमम्	श्रीभगवान	३१६००२२
बहिरन्तरपावृतम्	श्रीभगवान्	११२९०१२१	बहुमानपुरस्कृतम्	श्रीशुक	९२११००९१	बह्वद्भुतं सरसराससुधादि वक्त्रे	आग्नीध्र	५०२०१२४
बहिरन्तरमेव च	श्रीभगवान	३२६०३४१	बहुमानेन चाबद्धा	श्रीशुक	८०९०२३२	बह्वन्तरायकामत्वात्	श्रीभगवान्	१११००२१२
बहिरन्तर्भिदाहेतु:	श्रीभगवान्	११२२०४१२	बहुमूर्त्येकमूर्तिकम्	अक्रूर	१०४०००७२	बह्वभद्रवहा: पुमान्	अन्तरिक्ष	११०३००७१
बहिरर्क: समुत्थित:	श्रीभगवान्	११२६०३४१	बहुरूप इवाभाति	श्रीशुक	२०९००२१	बह्वय: सपत्न्य इव गेहपतिं लुनन्ति	प्रह्लाद	७०९०४०४
बहिराब्रह्मणो दिनम्	मैत्रेय	३११०२२१	बहुरूपां स्त्रियं चापि	नारद	६०५००७२	बह्वयस्तेषां प्रकृतय:	श्रीभगवान्	१११४००६२
बहिर्जलाशयं गत्वा	श्रीभगवान्	१११८०१९१	बहुरूपैकरूपं तद्	श्रीशुक	१०७६०२११	बह्वाचार्यविभेदेन	अक्रूर	१०४०००८२
बहिर्जातविरागाय	कपिल	३३२०४२१	बहुरूपो महानिति	श्रीशुक	६०६०१८१	बह्वायासपरिश्रम:	श्रीभगवान्	११२३०१०२
बहिर्णं हासयन् क्वचित्	श्रीशुक	१०१५०११२	बहुलाश्व इति श्रुत:	श्रीशुक	१०८६०१६१	बह्वायासोऽसुरात्मजा:	प्रह्लाद	७०६०१९१
बहिर्निरस्तो न्यपतल्लयाब्धौ	सूत	१२०९०३०४	बहुलाश्वो धृतेस्तस्य	श्रीशुक	९१३०२६२	बह्वाश्चर्यं महायोगी	मैत्रेय	३२३०४३२
बहिश्च प्रतपत्यसौ	ब्रह्मा	२०६०१६१	बहुलाश्वो निकुम्भस्य	श्रीशुक	९०६०२५१	बह्वीनां रतिवर्धन:	श्रीशुक	९१९००६२
बहिस्त्रिलोक्या: पवनान्तरात्मनाम्	श्रीशुक	२०२०२३१	बहुव्यालमृगाकीर्णम्	श्रीशुक	१०५८०१४२	बह्वीभि: परिभूतिभि:	श्रीभगवान्	११२३०३३२
बहुजन्मविपक्वेन	कर्दम	३२४०२८१	बहुश: प्रार्थितो मृदु	श्रीशुक	१०८००१२१	बह्वृचप्रवरो मुनि:	श्रीशुक	९१७००३२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बह्वेवमुद्विग्नदृशोच्यमाने	मैत्रेय	४०५०१२१	बाणभौमादिभिर्युत:	श्रीशुक	१००२००२१	बाध्यमानोऽपि मद्भक्त:	श्रीभगवान्	१११४०१८१
बह्वोऽजा: कान्तकामिनी:	श्रीशुक	९१९००५२	बाणश्च तावद् विरथ:	श्रीशुक	१०६३०२१२	बाध्यमानोऽस्त्रवर्षेण	श्रीशुक	१०५५०२२१
बह्वोदो हंसनिष्क्रियौ	मैत्रेय	३१२०४३२	बाणस्तु रथमारूढ:	श्रीशुक	१०६३०३०२	बाध्ययालक्षणा यया	सूत	१२०६०२९१
बह्व्य: सन्तिपुर: सृष्टा:	श्रीभगवान्	११०७०२२२	बाणस्य तनयाभूषाम्	राजा	१०६२००११	बाध्येत पाखण्डपथैरसद्भि:	अक्रूर	१०४८०२३३
बह्व्य: सपत्न्य इव गेहपतिं लुनन्ति	दत्तात्रेय	११०९०२७४	बाणस्य पृतनां शौरि:	श्रीशुक	१०६३०१४२	बान्धवा: कृष्णदेवता:	युधिष्ठिर	११३०१११
बह्व्यो मेऽक्षौहिणीर्हता:	सूत	१०८०४८२	बाणस्य भगवान् भव:	श्रीशुक	१०६३०३३१	बान्धवा: परिचर्यायाम्	ऋषि	१०७५००३२
बह्वृच: शौनकोऽब्रवीत्	व्यास	१०४००१२	बाणस्य भुजकृन्तनम्	सूत	१२१२०३८१	बार्हद्रथाश्च भूपाला	श्रीशुक	९२२०४९२
बह्वृचाख्यामुवाच ह	सूत	१२०६०५२१	बाणस्य मन्त्री कुम्भाण्ड:	श्रीशुक	१०६२०१४१	बार्हस्पत्य स वै नात्र	श्रीभगवान्	११२३००२१
बाढमाशंसितं तथा	श्रीभगवान्	१०७३०१८२	बाणांश्चक्रायुधे नृप	श्रीशुक	१०६३०३१२	बार्हिदैरभिपूजित:	मैत्रेय	४२५००११
बाढमिति सबहुमानमुवाह	श्रीशुक	५०१०२०१	बाणार्थे भगवान् रुद्र:	श्रीशुक	१०६३००६१	बाल एवं प्रवदति	हिरण्यकशिपु	७०२०५८१
बाढमित्यनुमन्येत	ब्रह्मा	३२४०१३२	बाणाविमौ भगवत: शतपत्रपत्रौ	आग्नीध्र	५०२००८१	बाल: क्रीडनकानिव	उद्धव	३०२०३०२
बाढमित्यभिप्रेत्याथ	श्रीशुक	६१८०५५१	बाणेन सह सात्यके:	श्रीशुक	१०६३००८२	बालं च तस्या उरसि	श्रीशुक	१००६०१८१
बाढमित्यमलप्रज्ञ:	श्रीशुक	८२३०११२	बाणै: सौभं च खे भ्रमत्	श्रीशुक	१०७७०१४१	बालं प्रतिच्छन्ननिजोरुतेजसम्	श्रीशुक	१००६००७३
बाढमित्यमुमामन्त्र्य	मैत्रेय	३१२०२०२	बाणैश्च न भवादृशा:	श्रीशुक	१०६१०३५२	बालं प्रभासे वरयाम्बभूव ह	श्रीशुक	१०४५०३७४
बाढमित्याह विवश:	श्रीशुक	६१८०२९२	बाणैस्त्रिभिस्त्रिभि:	मैत्रेय	४१०००८२	बालं लालयतोऽन्वहम्	श्रीशुक	६१४०३८२
बाढमित्यूचतुर्विप्रम्	श्रीशुक	९०३०१३१	बादरायण एतत् ते	राजा	८०१०३११	बालं स्त्रियं जडम्	श्रीभगवान	१०७०३६१
बाढमुक्तं भगवतउत्तमश्लोकस्य…	श्रीशुक	५०१००५१	बादरायणवीर्यजे	मैत्रेय	३०५०१९१	बालक: पञ्चहायन:	नारद	१०६००८२
बाढमुद्वोढुकामोऽहम्	ऋषि:	३२२०१५१	बाधन्ते दस्यव: प्रजा:	शिशुपाल	१०७४०३७२	बालकस्नेहयन्त्रित:	श्रीशुक	६०१०२६१
बाण आराध्य गिरिशम्	श्रीशुक	६१८०१८१	बाधन्ते हरिसंश्रयम्	मैत्रेय	३२२०३७२	बालकस्य न ते विदु:	श्रीशुक	१००७०१०२
बाण: पञ्चशतानि वै	श्रीशुक	१०६३०१८१	बाधोपसर्गैर्विहरन् विपन्न:	ब्राह्मण	५१३०१३४	बालकस्य यदेनानि	गोपा	१०२६००२१
बाण: पुत्रशतज्येष्ठ:	श्रीशुक	१०६२००२१	बाध्यबाधकतां गत:	श्रीशुक	७०१००६२	बालकाञ्जालसंवृतान्	दत्तात्रेय	११०७०६५१
बाणं स वज्रमिव तद्धृदयं बिभेद	श्रीशुक	९१००२३२	बाध्यबाधकतामियात्	कंस	१००४०२२२	बालकाननुशोचती	पुरञ्जन	४२८०१८२
बाणज्येष्ठं पुत्रशतम्	श्रीशुक	६१८०१७१	बाध्यमाना निजा: प्रजा:	श्रीशुक	१०७६०१३१	बालकान् पुनरागतान्	श्रीशुक	९०८०१९१
बाणज्येष्ठै: शतेन च	श्रीशुक	८१००३०२	बाध्यमाना: शितायुधै:	श्रीशुक	८०५०१५१	बालको महतोर्मिणा	श्रीशुक	१०४५०३९२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बालक्रीडनकं कृतम्	श्रीशुक	१०५६०२०१	बाला वयं तुल्यबलै:	श्रीभगवान	१०४३०३८१	बालोऽप्यजडधीरयम्	हिरण्यकशिपु	७०५०४६१
बालक्रीडनकै: क्रीडन्	शौनक	२०३०१५३	बालानति कुस्तुभ्यम्	नारद	७०५००९२	बालोऽप्ययं हृदा धत्ते	मैत्रेय	४०८०२६२
बालग्रहस्तत्र विचिन्वती शिशून्	श्रीशुक	१००६००७१	बालानां नाशहेतव:	उपनन्द	१०११०२३२	बालोऽसि बत नात्मानम्	सुरुचि	४०८०१२१
बालघ्न्या बालको ह्यसौ	उपनन्द	१०११०२४१	बालानां मतिभिद्धरे:	दक्ष	६०५०३८१	बाल्यकौमारयौवनम्	श्रीभगवान्	११२२०४६१
बालघ्न्यो व्रीडितास्तत्र	श्रीशुक	६१६०१४१	बालानामनुशासनम्	आविर्होत्र	११०३०४४१	बाल्यपौगण्डकैशोरा:	श्रीभगवान	१०४५००३२
बालद्विजसुहृन्मित्र	सूत	१०८०४९१	बालानामपि हीश्वरौ	दैत्यपुत्रा	७०६०२९२	बाष्कलाय च सोऽप्याह	सूत	१२०६०५४२
बालद्विरदविक्रमौ	श्रीशुक	१०३८०२९२	बालावसदवग्रहौ	जरा	४२७०२५१	बाष्कलि: प्रतिशाखाभ्य:	सूत	१२०६०५९१
बालभाषितमित्युत	श्रीशुक	१००७०१०१	बालिश: कोऽपरस्तत:	श्रीभगवान्	१११८०१०२	बाष्कलो महिषस्तथा	श्रीशुक	६१८०१६१
बालयोरनयोर्नृणाम	नन्द	१००८००६२	बालिशस्य महीयसि	इन्द्र	६१८०७६१	बाष्पकण्ठौ विमोहितौ	श्रीशुक	१०४५०११२
बालवाक्यैर्विभिद्यते	शिशुपाल	१०७४०३१२	बालिशा बत पालका:	नारद	६०५००६२	बाष्पकण्ठ्यौ समूचतु:	श्रीशुक	१०८२०३७२
बालव्यजनछत्राग्ˎयै	श्रीशुक	८१००१८२	बालिशा बत यूयं वा	वेन	४१४०२३१	बाष्पकलां मुहु:	मैत्रेय	३२२०२५१
बालसिंहावलोकन:	उद्धव	३०२०२८२	बालिशा वृद्धमानिन:	श्रीशुक	१०२३००९२	बाष्पगद्गदया गिरा	सूत	११५००४२
बालस्य तत्त्वमुत्पत्तिम्	श्रीशुक	१०५५००६३	बालिशेषु द्विषत्सु च	हरि	११०२०४६१	बाष्पगद्गदया गिरा	मैत्रेय	४०९०४६२
बालस्य नेह शरणं पितरौ नृसिंह	प्रह्लाद	७०९०१९१	बालिशौ यातमाश्वत:	नारद	७०१०३७३	बाष्पौघैर्विजहु: शुच:	श्रीशुक	९१००४८२
बालस्य पश्यतो धाम	मैत्रेय	४०९०२६२	बाले नारायणह्वये	श्रीशुक	६०१०२७२	बाहवो लोकपालानाम्	ब्रह्मा	२०६००५३
बालस्यान्त:पुरस्थस्य	दैत्यपुत्रा	७०६०३०१	बालेन निष्कर्षयतान्वगुलूखलं तत्	श्रीशुक	१०१००२७१	बाहवो लोकपालानाम्	सूत	१११०२६२
बालस्येवास्थिरात्मन:	नारद	७०२००७२	बालेनापक्वबुद्धिना	शमीक	११८०४७१	बाहुं प्रकोष्ठेऽमालाम्	मैत्रेय	४०६०३८२
बालस्योत्पाटनं तर्वो:	श्रीशुक	१०११००५२	बालेनैकेन लज्जया	जरासन्ध	१०५००१८१	बाहुं प्रियांस उपधाय गृहीतपद्म:	गोप्य	१०३००१२१
बालहत्याव्रतं चेरु:	श्रीशुक	६१६०१४२	बालो दारुमयान् यथा	श्रीशुक	१०५८०४६२	बाहुक्षेपं च कुरुते	श्रीशुक	१०११००८२
बालहत्याहतप्रभम्	सूत	१०७०५६१	बालो दिष्ट्येति हाब्रुवन्	श्रीशुक	१०५५०३९२	बाहुना परिरम्भिताम्	यमदूत	६०१०६११
बालहत्याहतप्रभा:	श्रीशुक	६१६०१४१	बालो न वेद तत्तन्वि	पुरञ्जन	४२६०२२२	बाहुना मुनिसंसदि	श्रीशुक	६१७००५१
बाला ऊचुरनेनेति	श्रीशुक	१०११००४१	बालो नारायणो नाम्ना	श्रीशुक	६०१०२४२	बाहुप्रसारपरिरम्भकरालकोरु	श्रीशुक	१०२९०४६१
बाला एव बृहन्ति च	पृथु:	४२२०१२२	बालो निवृत्तिं गमितोऽभ्यगात् पुन:	श्रीशुक	१००७०३१२	बाहुभ्यां च परस्परम्	श्रीभगवान्	११२७०४६१
बाला न दूषितधिय:	नारद	७०५०५६२	बालोऽपि सन्नुपगत:	ब्रह्मा	२०७००८२	बाहुभ्यां तावपातयत्	गोपा	१०२६००७२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बाहुभ्यां त्रिदिवं यथा	श्रीशुक	९२००२९२	बिन्दुसरस्तथा	नारद	७१४०३१२	बिभेद न्यपतद्धस्तात्	श्रीशुक	१०७७०१५२
बाहुभ्यां परिरभ्य च	श्रीशुक	१०८२०३६१	बिभर्ति क्वचिदाजस:	श्रीशुक	१०११००८१	बिभेद य: सुरपतिनौजसेरित:	श्रीशुक	८११०३२२
बाहुभ्यां परिरम्भित:	सुदामा	१०८१०१६२	बिभर्ति भूय: क्षपयत्यविक्रिय:	श्रीरुद्र	४२४०६१२	बिभेमि नाहं निरयात् पदच्युत:	बलि:	८२२००३१
बाहुभ्यां परिषस्वजे	श्रीशुक	८१२०२८२	बिभर्ति भूरिशस्त्वेक:	राजा	२०४००९३	बिभ्यतां मृत्युसंसारात्	कुन्ती	१०४९०१२२
बाहुभ्यां मथ्यमानाभ्याम्	मैत्रेय	४१५००१२	बिभर्ति सदसि स्त्रियम्	चित्रकेतु	६१७००८२	बिभ्यतीं पातुमर्हसि	वैदर्भी	४२८०४८२
बाहुभ्यामश्विनो: पूष्ण:	श्रीमहादेव	४०७००५१	बिभर्ति साङ्ख्यंयोगं च	सूत	१२११०१२१	बिभ्रंशं चक्षुरादिशत्	बलि:	८२२००५२
बाहुभ्योऽवर्तत क्षत्रम्	ऋषि:	३०६०३११	बिभर्ति सोऽयं मम गर्भगोऽभूत्	देवकी	१००३०३१३	बिभ्रच्चतुर्भुजं रूपम्	ऋषि	११३००२८१
बाहुश्च तद्देहगतो महात्मन:	श्रीशुक	१०३७००७३	बिभर्ति स्म चर्तुमूर्ति:	सूत	१२११०२३२	बिभ्रच्छक्तिमुरुक्रम:	ऋषि:	३०६००२१
बाहुषुच्छिद्यमानेषु	श्रीशुक	१०६३०३३१	बिभर्तीदं स्वतेजसा	मैत्रेय	४२१०५२२	बिभ्रज्जगद्गुरुतरोऽपि सतां पतिर्हि	श्रीशुक	१०६९०१५२
बाहूंश्च मन्दरगिरे: परिवर्तनेन	श्रीभगवान	३२८०२७१	बिभर्त्येकस्तनौ तनू:	मैत्रेय	४१६००५१	बिभ्रता सौकरं वपु:	नारद	७०१०४०२
बाहूदरोर्वङ्घ्रिशिरोधराणि	अम्बरीष	९०५००८३	बिभर्मि तपसा विश्वम्	श्रीभगवान	२०९०२३३	बिभ्रती चीरिणं कृशम्	मैत्रेय	३३३०१४२
बाहून्दशशतं लेभे	श्रीशुक	९१५०१८१	बिभर्षि कायं पीवानम्	नारद	७१३०१६१	बिभ्रती रूपमुत्तमम्	दत्तात्रेय	११०८०२३२
बाहौ स्वसिद्धे ह्युपबर्हणे: किम्	श्रीशुक	२०२००४१	बिभर्षि जारं यदपत्रपा कुलम्	श्रीशुक	९०३०२१३	बिभ्रती सूत्रनद्धम	श्रीशुक	१००९००३१
बाह्याभ्यन्तरभेदत:	राजा	२०८०१६१	बिभर्षि मां लक्ष्म वरेण्य मायया	भद्रश्रवस	५१८०२३३	बिभ्रतीं कुण्डलश्रियम्	नारद	४२५०२२२
बाह्योपवनमास्थित:	श्रीशुक	१०६८०१६१	बिभर्षि रूपाण्यवबोध आत्मा	देव	१००२०२९१	बिभ्रतीं वनमालिनीम्	श्रीशुक	८०६००६२
बाह्लीक इति चात्मजा:	श्रीशुक	९२२०१२१	बिभर्षि शुक्लं खलु वर्णमात्मन:	वसुदेव	१००३०२०२	बिभ्रतो भगवन् सत्त्वम्	कौरव	१०६८०४७२
बाह्लीकपुत्रा भूर्याद्या	ऋषि	१०७५००६२	बिभर्षि सत्त्वं खलनिग्रहाय च	मुनय	१०८४०१८२	बिभ्रत्कुटुम्बमशुचि:	श्रीशुक	६०१०२२२
बाह्लीकात् सोमदत्तोऽभूत्	श्रीशुक	९२२०१८२	बिभर्षि सूत्रं कतमोऽवधूत:	रहूगण	५१००१६२	बिभ्रत्पृथङ्नामभि रूपभेदम्	ब्राह्मण	५११००५३
बाह्वङ्घ्रयाद्यङ्गविग्रह:	श्रीभगवान	३३१००३१	बिभृयाच्चेन्मुनिर्वास:	श्रीभगवान्	१११८०१५१	बिभ्रत्यात्मसमाधान	श्रीशिव	१२१००२४२
बाह्वोर्दधानं मधुमल्लिकाश्रिताम्	श्रीशुक	१०६२०३२३	बिभृयात् सर्वकर्माणि	श्रीशुक	६१९०१७३	बिभ्रत्युत्पुलकां तनुम्	प्रबुद्ध	११०३०३१२
बाह्वोर्निगृह्य चाणूरम्	श्रीशुक	१०४४०२२२	बिभृयादुत वा त्यजेत्	नारद	७१३००९२	बिभ्रत्युत्पुलकान्यह:	गोप्य	१०३००१३२
बाह्वोर्याभ्यां दुदोह गाम्	विदुर	४२१००९२	बिभृयादुपवीतं च	नारद	७१२००४२	बिभ्रत् कमण्डलुं दण्डम्	सूत	१२०८००८२
बिनष्टदृष्टि: प्रपतन् स्खलन् पथि	श्रीशुक	६१४०५०२	बिभृयाद्‌यद्यसौ वास:	नारद	७१३००२१	बिभ्रत् तदावर्तनमादिकच्छप:	श्रीशुक	८०७०१०३
बिन्दुमत्यामधान्नृप:	श्रीशुक	९०६०३८१	बिभेति यस्मादरणं ततो न:	देवा	६०९०२१४	बिभ्रत् त्रिभुवनेश्वर:	श्रीशुक	६०४०३९१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
बिभ्रत् पिङ्गजटाभारम्	श्रीशुक	१०७००३२२	बिभ्राणं सहसा भातम्	सूत	१२१००१३१	बुद्ध्या ब्रह्मापि हृदयम्	श्रीभगवान	३२६०६९१
बिभ्रत् स वैष्णवं तेज:	विदुर	४२१००९२	बिभ्राणश्च हरे राजन्	श्रीशुक	१०६६०२४२	बुद्ध्या युञ्जीत शनकै:	श्रीभगवान	३२८००७२
बिभ्रत् सत्त्वं स्वमूर्तिभि:	मैत्रेय	३११०२६१	बिम्बं भगवतो यत्र	नारद	७१४०२८१	बुद्ध्या वा किं निपुणया	नारद	४३१०११२
बिभ्रत् स्म सत्त्वनिधनं सततार्त्युदर्कम्	दत्तात्रेय	११०९०२५२	बिम्बाधरं विगतकुङ्कुमपङ्करागम्	पुरञ्जन	४२६०२५४	बुद्ध्यादिष्विह निद्रया	श्रीभगवान	३२७०१४१
बिभ्रत् स्मितमुखाम्भोजम्	श्रीशुक	१०६५०२२२	बिम्बाधराणि चरणेन	श्रीशुक	१०२९०२९२	बुद्ध्यानुमानगर्भिण्या	श्रीशुक	१२०५००९२
बिभ्रत् स्वकेशभारेण	श्रीशुक	८०८०४४१	बिलं चादृष्टनिर्गमम्	नारद	६०५००७१	बुद्ध्वा जीवगतिं धीर:	कपिल	३३१०४७२
बिभ्रदात्मानमात्मना	ब्रह्मा	२०९०२६३	बिलस्वर्गं गतो यथा	श्रीशुक	६०५०१३१	बुद्ध्वा प्रियायै निर्विण्ण:	श्रीशुक	९१९००१२
बिभ्रद् गोष्ठमपान्महेन्द्रमदभित्	श्रीशुक	१०२६०२५७	बिलात् कृष्णमनिर्गतम्	श्रीशुक	१०५६०३४२	बुद्धस्तु पाखण्डगणात् प्रमादात्	विश्वरूप	६०८०१९२
बिभ्रद् दण्डकमण्डलू	करभाजन	११०५०२१२	बिले बतोरुक्रमविक्रमान् ये	शौनक	२०३०२०१	बुद्धावजं देवगणानृषींश्च	श्रीशुक	८२००२९२
बिभ्रद् देहमकर्मकम्	दत्तात्रेय	११०८००४१	बिल्वै: कपित्थैर्जम्बीरै:	श्रीशुक	८०२०१४१	बुद्धि: प्राणश्च तैजसौ	ब्रह्मा	२०५०३१३
बिभ्रद् दैत्येन्द्रमूर्जितम्	सूत	१०३०१८१	बिसेषूर्णेव लक्ष्यते	श्रीभगवान्	११२१०३७२	बुद्धि: श्रीर्ह्रीर्यश: क्षमा	कपिल	३३१०३३१
बिभ्रद् बभौ सार्क इवोदयाचल:	श्रीशुक	१०७७०३५४	बीजनिर्हरणं योग:	प्रह्लाद	७०७०२८२	बुद्धिं चास्य विनिर्भिन्नाम्	ऋषि:	३०६०२३१
बिभ्रद् रुरोधभवने मृगराडिवावी:	बन्दीनृप	१०७००२९४	बीजन्यासमकुर्वत	श्रीशुक	१००६०२१२	बुद्धिं तु प्रमदां विद्यान्	नारद	४२९००५१
बिभ्रद् वपु: सकलसुन्दरसन्निवेशम्	श्रीशुक	११०१०१०१	बीजाङ्कुराविव न चान्यदरूपकस्य	प्रह्लाद	७०९०४७२	बुद्धिं बुद्ध्या बबन्धतु:	दत्तात्रेय	११०७०५४२
बिभ्रद् वलयभूषित:	श्रीशुक	८०८०३४१	बीजाङ्कुरवद् देहादे:	श्रीशुक	१२०५००३२	बुद्धिं बोध्यै: कवौ परे	नारद	७१२०२९१
बिभ्रद् वेणुं जठरपटयो:	श्रीशुक	१०१३०१११	बीजादिपञ्चतान् तासु	सूत	१२०७०२०२	बुद्धितत्त्वमभूत्सति	श्रीभगवान	३२६०२९१
बिभ्रद् व्रतमखण्डितम्	श्रीभगवान्	१११७०३०२	बीजादेव यथा बीजम्	अङ्गिरा	६१५००७२	बुद्धिभेद: परकृत	नारद	७०५०१०१
बिभ्रद्धेममयं वपु:	नारद	७०४००४१	बीजाद्बीजं चराचरम्	सूत	१२०७०१२२	बुद्धिभेदै: क्रियोद्भवै:	प्रह्लाद	७०७०२६१
बिभ्रद्रूपमनुत्तमम्	ब्रह्मा	११०६०२३१	बीजानि योनिं प्रतिपद्य यद्वत्	श्रीभगवान्	१११२०२०४	बुद्धिभ्रंशो रजोगुण:	नारद	१०१०००८१
बिभ्रद्वास: कनककपिशं वैजयन्तीं च मालाम्	श्रीशुक	१०२१००५२	बीजान्युच्चावचानि च	श्रीभगवान्	८२४०३४१	बुद्धिमांस्तत् समाचरेत्	श्रीशुक	१०३३०३२२
बिभ्रन्नमस्कृत्य ययौ पुन: पुन:	श्रीशुक	११२९०४६४	बीभत्समिव सर्वत:	युधिष्ठिर	११४०१६२	बुद्धिमेकान्तसंस्थिताम्	नारद	७०८००२१
बिभ्रन्मुहु: प्रेमविभिन्नया धिया	ऋषि	१०८५०३८२	बीभत्सुर्यमुनामगात्	श्रीशुक	१०५८०१६२	बुद्धिर्बुद्धेर्गिरां पति:	श्रीभगवान	३२६०६११
बिभ्राणं कपिलं मुने	ब्रह्मा	३२४०१६२	बुद्ध्या गम्भीरया येन	श्रीशुक	९१४०१४२	बुद्धिर्मन: खानि शरीरसर्गा:	गजेन्द्र	८०३०२३४
बिभ्राणं कौस्तुभमणिम्	श्रीशुक	१०६६०१३२	बुद्ध्या पराभिध्यायिन्या	नन्दीश्वर	४०२०२३१	बुद्धिर्मेधा तितिक्षा	मैत्रेय	४०१०४९२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
बुद्धिर्विज्ञानरूपिणी	श्रीशुक	२१००३२३	बुधोऽसतीं न बिभृयात्	रुक्मिणी	१०६००४८२	बृहत्या पूजयार्चित:	श्रीशुक	१०८४०५९१
बुद्धिश्च पुंसो वयसाऽऽर्यसेवया	गुरुपुत्र	७०५०५०३	बुध्यते स्वेन भेदेन	दत्तात्रेय	११०७०५११	बृहत्यां सम्भविष्यति	श्रीशुक	८१३०३२२
बुद्धीन्द्रियप्राणमनोवचोभि:	देवा	११०६००७२	बुबुधे चेष्टितं धिया	श्रीशुक	९०४०४२२	बृहत्सेनोऽथ कर्मजित्	श्रीशुक	९२२०४७१
बुद्धीन्द्रियमन:प्राणान्	विश्वरूप	६०८०३०२	बुभुक्षितश्च सुतराम्	श्रीशुक	९०४०४३२	बृहदश्वस्तु श्रावस्ति:	श्रीशुक	९०६०२१२
बुद्धीन्द्रियमन:प्राणान्	श्रीशुक	१०८७००२१	बुभुक्षितस्य तस्यान्नम्	गोपा	१०२३०१७२	बृहदश्वो भरद्वाज:	सूत	१०९००६२
बुद्धीन्द्रियार्थरूपेण	श्रीशुक	१२०४०२२३	बुभुजु: कृतभाजना:	श्रीशुक	१०१३००९२	बृहदश्वोऽथ भानुमान्	श्रीशुक	९१२०१११
बुद्धे परमुपेयुषाम्	श्रीभगवान्	११२००३६२	बुभुजे गुर्वनुज्ञात:	सूत	१२०८०१०२	बृहदुपलब्धमेतदवयन्त्यवशेषतया	श्रुतय	१०८७०१५१
बुद्धेर्जागरणं स्वप्न:	प्रह्लाद	७०७०२५१	बुभुजे च यथाकालम्	श्रीशुक	९११०३६१	बृहदुर: श्रियो वीक्ष्य धाम ते	गोप्य	१०३१०१७३
बुद्धेर्जागरणं स्वप्न:	श्रीशुक	१२०४०२४१	बुभुजे च श्रियं स्वृद्धाम्	गुरु:	८१५०३६१	बृहद् व्रतधर: शान्त:	सूत	१२०८००८१
बुद्धेर्विज्ञानशक्तिता	श्रीभगवान	३२६०३१२	बुभुजे नातिलम्पट:	सुदामा	१०८१०३८२	बृहद्गलो नीलमहाम्बुदोपम:	श्रीशुक	१०३७००२२
बुद्धौ नाम्नाञ्जसुत:	सूत	१०३०२४२	बुभुजे मेदिनीं युवा	श्रीशुक	९१७००७२	बृहद्बलं मनो विद्यात्	नारद	४२९००७१
बुद्ध्या वा पुरुषर्षभ	श्रीभगवान्	११२५०३१२	बुभुजे विषयान् ग्राम्यान्	श्रीशुक	१०८९०६४२	बृहद्बलस्य भविता पुत्र:	श्रीशुक	९१२००९२
बुद्ध्या समृद्ध्या च यदात्मने	श्रीभगवान्	११२१०१११	बुभुजेऽक्षय्यषड्वसु	श्रीशुक	९२३०२६२	बृहद्भानुश्च तत्सुता:	श्रीशुक	९२३०१११
बुद्ध्या सारथिना धीर:	श्रीभगवान्	१११४०४२२	बुभुजेऽन्याविरोधत:	मैत्रेय	३२२०३३१	बृहद्भानुस्तदा हरि:	श्रीशुक	८१३०३५१
बुद्ध्याऽऽत्मना वानुसृतस्वभावात्	कवि	११०२०३६२	बुभूषु: पुरुष: क्वचित्	सूत	११७०४११	बृहद्भुजं कुण्डलकुन्तलत्विषा	श्रीशुक	१०६२०३१३
बुद्ध्येऽनुशासित:	नारद	२०५००८३	बृंहयिन्यन्त्यनेकधा	ब्रह्मा	३२४०१४२	बृहद्रथसुतो यत:	श्रीशुक	१०७२०१६२
बुद्ध्वाऽऽयुर्भयवेपथु:	श्रीभगवान्	११२००१६१	बृस्यां ब्रह्म सनातनम्	मैत्रेय	४०६०३७१	बृहद्रथात् कुशाग्रोऽभूत्	श्रीशुक	९२२००६२
बुद्ध्वाथवालिनि हते प्लवगेन्द्र सैन्यै:	श्रीशुक	९१००१२३	बृहच्छ्रोणिपयोधरा	श्रीशुक	१०४२००८१	बृहद्रथो बृहत्कर्मा	श्रीशुक	९२३०१११
बुध इत्यभिधां नृप	श्रीशुक	९१४०१४१	बृहती पङ्क्तिरेव च	श्रीभगवान्	११२१०४११	बृहद्राजस्तु तस्यापि	श्रीशुक	९१२०१३१
बुध: स्यान्नरकेऽपि यत्	इन्द्र	६१८०७५२	बृहत्कटितटश्रोणि–	श्रीशुक	१०३९०४९१	बृहद्वनं तदधुना	वसुदेव	१००५०२६२
बुधमनोज्ञया पुष्करेक्षण	गोप्य	१०३१००८२	बृहत्कपाटायसकीलशृङ्खलै:	श्रीशुक	१००३०४८४	बृहन्नितम्बस्तनकृच्छ्रमध्यमाम्	श्रीशुक	१००६००५२
बुधास्त्वखिलात्मन:	वसुदेव	१०८५०१५१	बृहत्कायस्ततस्तस्य	श्रीशुक	९२१०२२२	बृहस्पतिर्ब्रह्मसूत्रम्	श्रीशुक	८१८०१४२
बुधो निरुन्ध्यादभयं तत: स्यात्	कवि	११०२०३८४	बृहत्क्षत्रस्य पुत्रोऽभूत्	श्रीशुक	९२१०२०२	बृहस्पतिर्ब्रह्मवादे	मैत्रेय	४२२०६२१
बुधो बालकवत्क्रीडेत्	श्रीभगवान्	१११८०२९१	बृहत्क्षत्रो जयस्तत:	श्रीशुक	९२१००११	बृहस्पतिश्चोशनसा	श्रीशुक	८१००३३२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद
बृहस्पतिसवं नाम	मैत्रेय	४०३००३२	ब्रह्म धारयमाणस्य	मैत्रेय	४०८०७८२	ब्रह्मघ्नविहतश्रियम्	श्रीशुक	९१६०१७१
बृहस्पते: प्राक्तनयं प्रतीतम्	श्रीशुक	३०१०२५१	ब्रह्म निर्वाणमृच्छति	मनु	४११०१४२	ब्रह्मघ्नो निरपत्रप:	अजामिल	६०२०३४१
बोधयन्तीव वन्दिन:	श्रीशुक	१०७०००२१	ब्रह्म नीत्वोत्सृजेत्तनुम्	श्रीभगवान्	१११५०२४२	ब्रह्मचर्य तप: शौचम्	श्रीभगवान्	१११८०४३१
बोधयन्तौ सदुक्तिभि:	श्रीशुक	६१५००१२	ब्रह्म प्रधानमुपयान्त्यगताभिमाना:	कपिल	३३२०१०४	ब्रह्मचर्यं तप: शौचम्	श्रीभगवान	३२८००४२
बोधयन्त्यनुजीविन:	सनन्दन	१०८७०१३२	ब्रह्म प्राप परं मुनि:	श्रीशुक	९०२०१४२	ब्रह्मचर्यं हृदो मम	श्रीभगवान्	१११७०१४१
बोधयेत्त्वामचेतन:	देवता	१०५१०२२१	ब्रह्म मां परमं प्रापु:	श्रीभगवान्	१११२०१३२	ब्रह्मचर्यमखण्डितम्	सूत	१०३००६२
बोधायोन्मत्तलिङ्गिन:	राजा	६१५०११२	ब्रह्म वेद गुहाशयम्	सूत	१२११०२६२	ब्रह्मचर्यमध:स्वप्नम्	कश्यप	८१६०४८२
बोधितस्यापि देव्या मे	पुरूरवा	११२६०१६१	ब्रह्म सम्पद्यते पुन:	श्रीशुक	१२०५००५२	ब्रह्मचर्यमहिंसां च	प्रबुद्ध	११०३०२४२
बोधेनांशेन बोद्धव्य	ऋषि:	३०६०२३२	ब्रह्म स्वयंज्योतिरतो विभाति	श्रीभगवान्	११२८०२२३	ब्रह्मचर्येण मौनेन	श्रीभगवान	३२७००७२
बोध्यमानोऽपि दारुण:	श्रीशुक	१००१०४६१	ब्रह्मंस्तथापि पृच्छाम:	वसुदेव	११०२००७१	ब्रह्मचारिणमागतम्	श्रीशुक	९०४००१२
बोध्यमास्य ऋषिभि:	श्रीशुक	२१००२२१	ब्रह्मंस्तद् गच्छ भद्रं ते	श्रीभगवान्	९०४०७११	ब्रह्मचारी गुरुकुले	नारद	७१२००११
ब्रवतो हरिकीर्तनम्	श्रीशुक	६०१०३०१	ब्रह्मंस्तेऽनुग्रहार्थाय	श्रीभगवान्	१०८६०५११	ब्रह्मचार्यथ तद्रात्र्याम्	कश्यप	८१६०४४२
ब्रवीतु भगवान् यथा	राजा	२०४०१०१	ब्रह्मकल्प उपागते	सूत	२०८०२८३	ब्रह्मज्ञ्छ्रेय: परिश्राम: पुंस:	श्रीभगवान	२०९०२०३
ब्रहती प्राणतोऽभवत्	मैत्रेय	३१२०४६१	ब्रह्मकोपोत्थिताद्यस्तु	सूत	११८००२१	ब्रह्मण: परमात्मन:	श्रीभगवान	३२९०३६१
ब्रहद्रथमुखास्तत:	श्रीशुक	९२२००५२	ब्रह्मक्षत्रपुरोगमा:	श्रीशुक	१०४२०३४१	ब्रह्मण: परमात्मन:	निमि	११०३०३४१
ब्रहस्पतिर्गतोऽदृष्टाम्	श्रीशुक	६०७०१६२	ब्रह्मक्षत्रसभामध्ये	श्रीशुक	१०७४०५१२	ब्रह्मण: परमात्मन:	युधिष्ठिर	१०७४००४१
ब्रह्म कैवल्यमश्नुते	श्रीभगवान	४२००१०२	ब्रह्मक्षत्रस्य वै योनि:	श्रीशुक	९२२०४४२	ब्रह्मण: परमात्मन:	सूत	१२०६०३९२
ब्रह्म क्षत्रं च रक्षत:	मनु:	३२२००४१	ब्रह्मक्षत्रियविट्शूद्रा	ऋषि	१०७५०२५२	ब्रह्मण: परमेष्ठिन:	श्रीशुक	१२०४००५१
ब्रह्म च ब्राह्मणांश्चैव	भृगु	४०२०३०१	ब्रह्मघोषेण च मुहु:	श्रीशुक	९१००३७१	ब्रह्मण: परमेष्ठिन:	सूत	१२०६०३७१
ब्रह्म ज्योति: सनातनम्	मैत्रेय	३१४०३१२	ब्रह्मघोषेण चर्त्विजाम्	मैत्रेय	४२१००५१	ब्रह्मण: संश्लोकयामास	श्रीशुक	५२५००८१
ब्रह्म ज्योति: सनातनम्	श्रीशुक	१०२८०१५१	ब्रह्मघोषेण चादृता:	सूत	१११०१८१	ब्रह्मण: सगुणस्य ह	श्रीभगवान	३२६०१५१
ब्रह्म ज्योतिर्निर्गुणं निर्विकारम्	देवकी	१००३०२४२	ब्रह्मघोषेण भूयसा	ऋषि	१०७५०१३१	ब्रह्मण: सह सूनुभि:	मैत्रेय	३१३०२३१
ब्रह्म तत्त्रितयं त्वहम्	श्रीभगवान्	११२४०१९२	ब्रह्मघोषेण भूयसा	श्रीशुक	१०७१०२४१	ब्रह्मणस्तमुवाच ह	श्रीशुक	१००८०४८२
ब्रह्म ते हृदयं शुक्लम्	मुनय	१०८४०१९१	ब्रह्मघोषेण वेणुभि:	मैत्रेय	४०९०४०१	ब्रह्मणा कल्पित: पति:	श्रीशुक	९१४००३२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद
ब्रह्मणा चानुमन्त्रित:	मैत्रेय	४०७०१६१	ब्रह्मणे परमात्मने	बलि	१०८५०३९२	ब्रह्मण्यनुभवात्मनि	श्रीशुक	६०२०४१२
ब्रह्मणा चानुमोदित:	श्रीशुक	८२३०२४२	ब्रह्मणे परमात्मने	वरुण	१०२८००६१	ब्रह्मण्यवस्थितमति:	मैत्रेय	३३३०२६१
ब्रह्मणा चोदित: प्रादात्	श्रीशुक	१०५२०१५२	ब्रह्मणे भगवत्प्रोक्तम्	सूत	२०८०२८३	ब्रह्मण्यश्च शरण्यश्च	ब्राह्मणी	१०८०००९२
ब्रह्मणा चोदिता वयम्	सुरभि	१०२७०२११	ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये	अक्रूर	१०४००२९२	ब्रह्मण्यस्य दयावत:	श्रीशुक	८२१०१२२
ब्रह्मणा चोदितो ब्रह्मन्	राजा	२०८००११	ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये	गजेन्द्र	८०३००९१	ब्रह्मण्यस्य परं दैवम्	ऋषय	३१६०१७१
ब्रह्मणा चोपकल्पिता	श्रीशुक	६०६०४२२	ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये	नागपत्यन्य	१०१६०४०१	ब्रह्मण्यस्य महात्मन:	विदुर	४१३०२११
ब्रह्मणा देवदेवन	मैत्रेय	३१४००६२	ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये	नृग	१०६४०२९१	ब्रह्मण्यस्य वदान्यस्य	नृग	१०६४०२५१
ब्रह्मणा नोदित: सृष्टौ	मैत्रेय	४०१०१७१	ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये	भूमि	१०५९०२८१	ब्रह्मण्या धर्मवत्सला:	श्रीशुक	९०२०१६२
ब्रह्मणा परमेष्ठिना	मैत्रेय	४०३००२१	ब्रह्मणेऽभ्यात्थ माधव	उद्धव	१११७००३२	ब्रह्मण्यात्मानमव्यये	सूत	११५०४२२
ब्रह्मणा प्रेषितो देवान्	श्रीशुक	८११०४३१	ब्रह्मणो गुणवैषम्यात्	श्रीशुक	२१०००३३	ब्रह्मण्यात्मानमाधारे	नारद	११३०५४२
ब्रह्मणा भगवत्प्रिया:	राजा	६१५०१११	ब्रह्मणो दिनमुच्यते	श्रीशुक	१२०४००२१	ब्रह्मण्यानां बलिरहम्	श्रीभगवान्	१११६०३५१
ब्रह्मणा यदसंसृति	राजा	६०१००१२	ब्रह्मणो मधुसूदन:	मैत्रेय	३०९०२७१	ब्रह्मण्यानां वदान्यानाम्	राजा	११०१००८१
ब्रह्मणा या विशाम्पते	धरोवाच	४१८००६१	ब्रह्मणो मे शिवस्य च	श्रीभगवान्	८०४०१८१	ब्रह्मण्याय प्रियाय च	श्रीभगवान्	११२९०३११
ब्रह्मणा वा तपस्यता	दैतेया	१००४०३६३	ब्रह्मणोऽपि भयं मत्त:	श्रीभगवान्	१११००३०२	ब्रह्मण्युपशमाश्रयम्	प्रबुद्ध	११०३०२१२
ब्रह्मणा विगतज्वरा:	श्रीशुक	६०७०२६१	ब्रह्मण्य: शीलसम्पन्न:	नारद	७०४०३११	ब्रह्मण्ये धर्मवर्मणि	ऋषय	१०१०२३१
ब्रह्मणानन्तशक्तिना	श्रीभगवान्	११२१०३७१	ब्रह्मण्य: सत्यसङ्गर:	श्रीशुक	१०५१०१४२	ब्रह्मण्ये राजकुले कुलाग्र्यान्	धर्म	११६०२१४
ब्रह्मणि भावितम्	नारद	१०५०३२२	ब्रह्मण्य: सत्यसन्धश्च	ब्राह्मणा	११२०१९२	ब्रह्मण्येऽर्के स्फुलिङ्गके	श्रीभगवान्	११२९०१४१
ब्रह्मणीदं तथा विश्वम्	श्रीशुक	१२०४०२५२	ब्रह्मण्यं दीनवत्सलम्	मैत्रेय	४१२०१२१	ब्रह्मण्येन सुमेधसा	श्रीभगवान्	११०७०३११
ब्रह्मणे दक्षिणां दिशम्	श्रीशुक	९१६०२११	ब्रह्मण्यं समयाचेरन्	श्रीशुक	१०७२०१७२	ब्रह्मण्यो ब्राह्मणं कृष्ण:	श्रीशुक	१०८१००२१
ब्रह्मणे दक्षिणां प्रभु:	श्रीशुक	९११००२१	ब्रह्मण्यता प्रसादश्च	नारद	७११०२२२	ब्रह्मण्यो भक्तवत्सल:	युधिष्ठिर	११४०३४१
ब्रह्मणे दर्शयन् रूपम्	श्रीशुक	२०९००४३	ब्रह्मण्यदेव इति यद्गुणनाम युक्तम्	श्रीशुक	१०६९०१५३	ब्रह्मण्यो भगवद्भक्त:	अङ्गिरा	६१५०१९२
ब्रह्मणे नाभिपङ्कजे	सूत	१२१३०१०१	ब्रह्मण्यदेवस्य कथां व्यनक्ति	मैत्रेय	४२१०४९४	ब्रह्मण्यो वृद्धसेवक:	मैत्रेय	४१६०१६१
ब्रह्मणे परमात्मने	कुन्ती	१०४९०१३१	ब्रह्मण्यदेवो धर्मात्मा	श्रीशुक	१०६४०३१२	ब्रह्मण्योऽन्य: कुतो नाभे:	श्रीशुक	५०४००७१
ब्रह्मणे परमात्मने	प्रह्लाद	७१००१०२	ब्रह्मण्यध्याय मानसम्	श्रीशुक	९१९०१९१	ब्रह्मण्योऽभ्यर्थितो विप्रै:	उद्धव	१०७१००६२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
ब्रह्मतेज: समर्थोऽपि	ब्रह्मा	३१६०२९२	ब्रह्मन् कालान्तरकृतम्	राजा	१०१२०४११	ब्रह्मपुत्रोपमान् नव	नारद	११०२०२७१
ब्रह्मतेजोऽप्यकारणम्	श्रीशुक	८११०३६२	ब्रह्मन् कृष्णकथा: पुण्या	राजा	१०५२०२०१	ब्रह्मप्रकृतयस्त्विमा:	श्रीभगवान्	१११७०१६२
ब्रह्मतेजोविनिर्मुक्तै:	सूत	१०८०१७१	ब्रह्मन् दुहितरि स्म ते	ययाति:	९१८०३७१	ब्रह्मबन्धुमिमं जहि	श्रीभगवान	१०७०३५१
ब्रह्मतेजोविवर्धनम्	सूत	१२०७०२५२	ब्रह्मन् धर्मस्य वक्ताहम्	श्रीभगवान	१०६९०४०१	ब्रह्मबन्धुरिति स्माहम्	सुदामा	१०८१०१६२
ब्रह्मदण्डं दुरत्ययम्	मैत्रेय	४०२०२७२	ब्रह्मन् नु हार्थो यत एव भोग:	नारद	७१३०१७२	ब्रह्मबन्धुर्न हन्तव्य	श्रीभगवान	१०७०५३१
ब्रह्मदण्डमयूयुजन्	विदुर	४१३०२२१	ब्रह्मन् परोद्भवे कृष्णे	राजा	१०१४०४९१	ब्रह्मबन्धो किमेतत्ते	प्रह्लाद	७०५०२६१
ब्रह्मदण्डहत: पाप:	मैत्रेय	४२१०४६२	ब्रह्मन् ब्रह्मण्यनिर्देश्ये	परीक्षित	१०८७००११	ब्रह्मबन्धोर्नृपार्थिवात्	श्रीभगवान्	११२३०११२
ब्रह्मदण्डहता अपि	भगीरथ	९०९०१२१	ब्रह्मन् ब्रह्मविदुत्तमात्	विदुर	४१७००५१	ब्रह्मबीजमविस्मरन्	श्रीशुक	२०१०१७३
ब्रह्मदण्डाद्विमुक्तोऽहम्	सर्प	१०३४०१७१	ब्रह्मन् भगवतस्तस्य	राजा	१०१६००३१	ब्रह्मभावेन चासकृत्	भगवान	१००३०४५१
ब्रह्मदण्डो दुरत्यय:	राजा	९०४०१४२	ब्रह्मन् मच्छ्रद्धयार्चय	श्रीभगवान्	१०८६०५७१	ब्रह्मभूतमविक्रियम्	सूत	११८०२६२
ब्रह्मदत्तमजीजनत्	श्रीशुक	९२१०२५१	ब्रह्मन् मे भवता गृहात्	श्रीभगवान्	१०८१००३१	ब्रह्मभूतस्य राजर्षे:	सूत	१२०६०१३१
ब्रह्मदायापहारिण:	भगवान	१०६४०३८२	ब्रह्मन् यमनुगृह्णामि	श्रीभगवान्	८२२०२४१	ब्रह्मभूतो दृढं काले	मैत्रेय	४२३०१३२
ब्रह्मदृष्टं समं भवेत्	श्रीशुक	८२३०१४२	ब्रह्मन् वचस्तेऽमृतमौषधं मे	रहूगण	५१२००२४	ब्रह्मभूतो महायोगी	सूत	१२०६०१०२
ब्रह्मद्विष: शठधिय:	ब्राह्मण	१०८९०२४१	ब्रह्मन् वदार्थवत्	विदुर	४२४०१६२	ब्रह्मभूयं गतं क्षितौ	श्रीशुक	९०२०१७१
ब्रह्मध्रुगुज्झितपथं नरकार्तिलिप्सु	ब्रह्मा	२०७०२२२	ब्रह्मन् वायुरभून्महान्	सूत	१२०९०१०२	ब्रह्मभूयाय कल्पते	श्रीशुक	११०५०५२२
ब्रह्मनद्यां सरस्वत्याम्	सूत	१०७००२१	ब्रह्मन् वृत्रस्य पाप्मन:	परीक्षित्	६१४००११	ब्रह्मरातादयोऽमला:	सूत	१०९००८१
ब्रह्मनिष्ठां समाहित:	श्रीभगवान्	११२३०६२१	ब्रह्मन् वेदितुमिच्छाम:	राजा	१०८६००११	ब्रह्मरातो भृशं प्रीत:	सूत	२०८०२७३
ब्रह्मन्कथं भगवतश्चिन्	विदुर	३०७००२१	ब्रह्मन् संतनु शिष्यस्य	श्रीशुक	८२३०१४१	ब्रह्मरात्र उपावृत्ते	श्रीशुक	१०३३०३९१
ब्रह्मन्दुहितृभिस्तुभ्यम्	देवहूति:	३२३०५२१	ब्रह्मन् स्मरसि नौयत:	श्रीभगवान्	१०८००३११	ब्रह्मरुद्रपुर:सरा:	नारद	७०९००११
ब्रह्मन्ननशनादमी	राजा	२०८०२६१	ब्रह्मपुत्रानृते भीता	मैत्रेय	३१७०१५२	ब्रह्मरुद्राङ्गिरोमुख्या:	श्रीशुक	८०८०२७१
ब्रह्मन्नरूपमुखरां शृणवाम तुभ्यम्	आग्नीध्र	५०२०१०२	ब्रह्मपुत्राववन्दत	श्रीशुक	६१६०१६२	ब्रह्मरुद्रादयस्ते तु	श्रीशुक	११३१०१०१
ब्रह्मन्नात्मनि चिन्तितम्	चित्रकेतु	६१४०२४१	ब्रह्मपुत्राश्च येऽपरे	सूत	१२०८०१२१	ब्रह्मन्किंकरवाम ते	बलि:	८१८०२९१
ब्रह्मन्निदं समाख्यातम्	सूत	१२०७०२५१	ब्रह्मपुत्रास्तथाङ्गिरा:	श्रीशुक	१०८४००५१	ब्रह्मर्षिगणसञ्जुष्टाम्	श्रीशुक	८१८०१८२
ब्रह्मन्यदेव: पुरुष: पुरातन:	राजा	४२१०३८१	ब्रह्मपुत्रैररिन्दम्	श्रीशुक	८१००३२२	ब्रह्मर्षिभिर्निरूपितम्	सूत	१२०७००८१

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद
ब्रह्मर्षिराजर्षिदेवर्षिसङ्घैः	सूत	११९०३०२	ब्रह्मविट्क्षत्रशूद्राणाम्	श्रीशुक	१२०२००८१	ब्रह्मा जगद्गुरुर्देवैः	मैत्रेय	४१५००९१
ब्रह्मर्षिर्भगवान् काव्यः	राजा	९१८००५१	ब्रह्मविष्णुशिवादयः	श्रीशुक	१०८८०१२१	ब्रह्मा तदुपधार्याथ	श्रीशुक	१००१०१९१
ब्रह्मर्षिर्मोक्षमप्युत	श्रीशिव	१२१०००६१	ब्रह्मविष्णुशिवाभिधाम्	प्रजापति	८०७०२३२	ब्रह्मा तां रह आहूय	श्रीशुक	९१४०१३१
ब्रह्मर्षिसेवितान् देशान्	शिशुपाल	१०७४०३७१	ब्रह्मवृत्तिं हरेच्च यः	भगवान	१०६४०३९१	ब्रह्मा नरहरिं हरिम्	नारद	७१००२५१
ब्रह्मर्षीणां तपःसाक्षात्	बलिः	८१८०२९२	ब्रह्मवेषधरो गत्वा	उद्धव	१०७१००७१	ब्रह्मा बिभेत्यलमतो द्विपरार्धधिष्ण्यः	मार्कण्डेय	१२०८०४३३
ब्रह्मर्षीणां भृगुरहम्	श्रीभगवान्	१११६०१४१	ब्रह्मव्रतधरः स्वयम्	श्रीभगवान्	१११७०२५१	ब्रह्मा ब्रह्ममयं वर्म	मैत्रेय	४१५०१६१
ब्रह्मर्षीन् ब्रह्मकोविदान्	सूत	१२०६०४५१	ब्रह्मशापमुपेयुषः	नारद	७०४०२०२	ब्रह्मा भवश्च तत्रैत्य	श्रीशुक	१००२०२५१
ब्रह्मलिङ्गं जनोऽर्चयेत्	श्रीशुक	५२००३३१	ब्रह्मशापापदेशेन	श्रीशुक	३०४०२९१	ब्रह्मा भवो भवन्तश्च	श्रीभगवान्	६०४०४५१
ब्रह्मलिङ्गधरास्त्रयः	श्रीशुक	१०७२०१६१	ब्रह्मशापोपसंसृष्टे	राजा	११३०००२१	ब्रह्मा भवो लोकपालाः	श्रीभगवान्	११०७००१२
ब्रह्मलिङ्गानि विभ्रति	श्रीशुक	१०७२०२३१	ब्रह्मशापोपसृष्टानाम्	ऋषि	११३००२४१	ब्रह्मा भवोऽहमपि यस्य कलाः कलायाः	श्रीबलराम	१०६८०३७३
ब्रह्मलोकः सनातनः	ब्रह्मा	२०५०३९३	ब्रह्मशीर्ष्णोरुतेजसा	शौनक	११२००११	ब्रह्मा भृगुर्भवो दक्षः	सूत	१२०८०१२१
ब्रह्मलोकं ययुः सुराः	नारद	७०३००६१	ब्रह्मसदने निपतति	श्रीशुक	५१७००४१	ब्रह्मा विश्वसृजां पतिः	सूत	१०३००२२
ब्रह्मलोकमपावृतम्	श्रीशुक	९०३०३०१	ब्रह्मसूत्रं त्रिवृत्स्वरम्	सूत	१२११०११२	ब्रह्मा शर्वः कुमारश्च	श्रीशुक	८२३०२६१
ब्रह्मलोकान्महीं गतम्	नारद	४२७०२११	ब्रह्मसूत्रकमण्डलून्	श्रीभगवान्	१११७०२३१	ब्रह्माऽऽत्मतत्त्वमवितुं प्रथमं त्वमस्राक्	दक्ष	४०७०१४२
ब्रह्मवंश्याश्च जज्ञिरे	श्रीशुक	९२०००१२	ब्रह्मस्वं दुरनुज्ञातम्	भगवान	१०६४०३५१	ब्रह्माऽऽविरासीद् यत एष लोकः	अक्रूर	१०४०००१४
ब्रह्मवर्चउपव्ययम्	विश्वरूप	६०७०३५१	ब्रह्मस्वं साधु बालिशाः	भगवान	१०६४०३६२	ब्रह्मांशकस्यात्मन आत्मबन्धनः	श्रीशुक	१२०४०३१४
ब्रह्मवर्चसकामस्तु	श्रीशुक	२०३००२१	ब्रह्मस्वं हि विषं प्रोक्तम्	भगवान	१०६४०३३२	ब्रह्माख्यं धाम ते यान्ति	उद्धव	११०६०४७२
ब्रह्मवर्चस्य सत्तमः	सूत	१०४०३०२	ब्रह्मस्वारणिपावकः	भगवान	१०६४०३४२	ब्रह्माख्यमस्योद्भवनाशहेतुभिः	श्रीशुक	१०७०००५३
ब्रह्मवर्चस्विनः सुतान्	श्रीशुक	९०६००२२	ब्रह्महत्या प्रदृश्यते	श्रीशुक	६०९००८२	ब्रह्माणं नारदमृषिम्	श्रीभगवान्	८०४०२०२
ब्रह्मवर्चस्विनो भूयात्	श्रीशिव	१२१००३७२	ब्रह्महत्या हते तस्मिन्	श्रीशुक	६१३०१०२	ब्रह्माणं शरणं जग्मुः	श्रीशुक	६०७०१९२
ब्रह्मवर्चस्व्यकल्मषः	श्रीभगवान्	१११७०३२२	ब्रह्महत्यामञ्जलिना	श्रीशुक	६०९००६१	ब्रह्माणं शरणं ययौ	श्रीशुक	१००१०१७२
ब्रह्मवादः सुसंवृत्तः	श्रीभगवान्	१०८७०१०२	ब्रह्महा गुरुतल्पगः	विष्णुदूता	६०२००९१	ब्रह्माणं सभवं ततः	श्रीशुक	८२३००३१
ब्रह्मवादस्य संग्रहः	श्रीभगवान्	११२९०२३१	ब्रह्महा पितृहा गोघ्नः	ऋषय	६१३००८१	ब्रह्माणं हर्षयामास	मैत्रेय	३१३०२४१
ब्रह्मवादिसभापतिः	चित्रकेतु	६१७००७१	ब्रह्महिंसां हितं मेने	श्रीशुक	१००४०४३२	ब्रह्माणमग्रतः कृत्वा	श्रीभगवान्	१११३०२०२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
ब्रह्माण्डं द्वादशैव तु	सूत	१२१३००८२	ब्रह्मादिभिर्हृदि विचिन्त्यमगाधबोधै:	नारद	१०६९०१८२	ब्रह्मास्त्रस्य च ब्रह्मास्त्रम्	श्रीशुक	१०६३०१३१
ब्रह्माण्डविवरान्तरम्	श्रीशुक	१२०४०१३२	ब्रह्मादीनां परंतप	श्रीशुक	१२०४०३४१	ब्रह्माहं परमं पदम्	श्रीशुक	१२०५०१११
ब्रह्माण्डाख्यमिति त्रिषट्	सूत	१२०७०२४२	ब्रह्माद्या: प्रतिपूजित:	नारद	७१००३४२	ब्रह्मिष्ठ: सम्बभूव ह	श्रीशुक	९०३००११
ब्रह्मात्मभावेन समन्वयेन	दत्तात्रेय	११०७०४२२	ब्रह्माद्वयं परमनन्तमगाधबोधम्	श्रीशुक	१०१३०६१२	ब्रह्मिष्ठं ब्राह्मणं गुरुम्	देवा	६०७०३२१
ब्रह्मात्मैकत्वलक्षणम्	सूत	१२१३०१२१	ब्रह्माधीत्य सविस्तरम्	उद्धव	३०३००२१	ब्रह्मिष्ठं ब्राह्मणं दान्तम्	ब्रह्मा	६०७०२१२
ब्रह्मादय: किमुत संस्तवने वयं तु	प्रजापति	८०७०३४३	ब्रह्माधीयीत चाहुत:	श्रीभगवान्	१११७०२२२	ब्रह्मिष्ठश्च बृहस्पति:	मैत्रेय	४०१०३५२
ब्रह्मादय: शरणदाश्नुवते विभूती:	प्रह्लाद	८२३००६२	ब्रह्माननं क्षत्रभुजो महात्मा	श्रीशुक	२०१०३७१	ब्रह्मिष्ठा लोकपावना:	भगीरथ	९०९००६१
ब्रह्मादय: सुरगणा मुनयोऽथ सिद्धा:	प्रह्लाद	७०९००८१	ब्रह्मानन्दं गतो यथा	श्रीशुक	१०८००१७२	ब्रह्मिष्ठानभिभूय च	मैत्रेय	४०३००३१
ब्रह्मादय: सुराधीशा	श्रीशुक	१०६३००९१	ब्रह्मानूचुर्नाम गृणन्ति ये ते	देवहूति:	३३३००७२	ब्रह्मिष्ठानां बृहस्पति:	श्रीभगवान्	१११६०२२१
ब्रह्मादयस्तनुभृतस्तमसि स्वपन्त:	भृगु	४०७०३०२	ब्रह्मान्तस्थावरादिषु	प्रह्लाद	७०६०२०१	ब्रह्मेति परमात्मेति	सूत	१०२०११२
ब्रह्मादयस्तनुभृतो मिथुरर्द्यमाना:	देवा	११०६०१४२	ब्रह्मापेतोऽथ सतजित्	सूत	१२११०४३२	ब्रह्मेति यद्विदुरजस्रसुखं विशोकम्	ब्रह्मा	२०७०४८२
ब्रह्मादयस्तमवकीर्य जटा: श्मशाने	देवी	४०४०१६१	ब्रह्मायुषापि कृतमृद्धमुद: स्मरन्त:	उद्धव	११२९००६२	ब्रह्मेन्द्रगिरिशादय:	नारद	७०८०३७१
ब्रह्मादयस्तुभृतो बहिरर्थभावा:	उद्धव	११०७०१७४	ब्रह्मावधार्यात्मगुणानुवादम्	मैत्रेय	३१३०२६१	ब्रह्मेन्द्रत्र्यक्षूनायका:	मैत्रेय	४०७०२२२
ब्रह्मादयाऽपि न विदु: पदवीं यदीयाम्	श्रीशुक	१०६१००५२	ब्रह्मावभाति वितत:	मैत्रेय	३१२०४८२	ब्रह्मेन्द्राद्या देवगणा रुद्रपुरोगमा:	गन्धर्वा	४०७०४३२
ब्रह्मादयो बहुतिथं यदपाङ्गमोक्ष	धरणी	११६०३२१	ब्रह्मावर्तं कुरुक्षेत्रम्	सूत	११००३४२	ब्रह्मेन्द्रियार्थात्मविकारचित्रम्	श्रीभगवान्	११२८०२२४
ब्रह्मादयो यत्कृतसेतुपाला	कश्यप	३१४०२८१	ब्रह्मावर्तं योऽधिवसन्	श्रीभगवान	३२१०२५२	ब्रह्मेव सगुणं बभौ	श्रीशुक	१०२०००४२
ब्रह्मादयो ये वयमुद्विजन्त:	देवा	६०९०२१२	ब्रह्मावर्तात्प्रजा: पतिम्	मैत्रेय	३२२०२८१	ब्रह्मेशाद्या विभूतय:	श्रीशुक	१०४४०४२१
ब्रह्मादयो येन वशं प्रणीता:	प्रह्लाद	७०८००८४	ब्रह्मावर्तात्प्रवव्राज	श्रीशुक	५०५०२८१	ब्रह्मेशाद्यैर्लोकपालै:	सूत	१२०६०४८२
ब्रह्मादयो लोकनाथा:	श्रीशुक	८२१००५१	ब्रह्मावर्ते मनो: क्षेत्रे	मैत्रेय	४१९००१२	ब्रह्मेशानपुरोगमा:	श्रीशुक	८०४००११
ब्रह्मादयो विविधलिङ्गभिदाभिमाना:	श्रीशुक	८०३०३०२	ब्रह्मावर्ते यत्र यजन्ति यज्ञै:	राजा	११७०३३३	ब्रह्मेशानौ पुराधाय	श्रीशुक	१००२०४२२
ब्रह्मादयो ह्येष भिनत्ति मे मतिम्	प्रह्लाद	७०५०१३४	ब्रह्मावलोकधिषणं मुदपाप देव:	दत्तात्रेय	११०९०२८४	ब्रह्मेशेन्द्रादयस्तत:	श्रीशुक	६१३००२२
ब्रह्मादयोऽपि न विदु: पदवीं यदीयाम्	श्रीशुक	१०५९०४४२	ब्रह्मावस्थितमन्तिके	नारद	७०९००३१	ब्रह्मैतदद्वितीयं वै	दत्तात्रेय	११०९०३१२
ब्रह्मादयोवयमिवेश न चोद्विजन्त:	प्रह्लाद	७०९०१३२	ब्रह्मासृजत्स्वमुखत:	मनु:	३२२००२१	ब्रह्मैतद्ब्रह्मवादिभि:	श्रीभगवान	४३००२०१
ब्रह्मादिभि: स्तूयमान:	नारद	७१००७०२	ब्रह्मास्त्रतेजसा	श्रीशुक	९२२०३४१	ब्रह्मैव भाति सदसच्च तयो: परं यत्	पिप्लायन	११०३०३७४

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
ब्राह्मं दश सहस्राणि	सूत	१२१३००४१	ब्राह्मणांस्तु महाभागान्	ऋषि	११३०००८१	ब्राह्मणै: ससुमङ्गलै:	सूत	१११०१७२
ब्राह्मं पाद्मं वैष्णवं च	सूत	१२०७०२३१	ब्राह्मणातिक्रमे दोष:	श्रीशुक	९०४०३९१	ब्राह्मणैर्ब्रह्मवादिभि:	मैत्रेय	४१५०१११
ब्राह्मं ब्राह्मास्त्रं सन्दधे	सूत	१०७०२९२	ब्राह्मणाननुमन्त्र्य च	श्रीशुक	६१९००३१	ब्राह्मणैर्ब्रह्मवादिभि:	श्रीभगवान	१०२४०२७१
ब्राह्मण आत्मवान्	नारद	४२८०५११	ब्राह्मणान् ब्रह्मवादिन:	दैतेया	१००४०४०१	ब्राह्मणैर्यन्निरूपितम्	श्रीशुक	६१६०१४२
ब्राह्मण: परमेष्ठिना	श्रीशुक	१०५२०३६१	ब्राह्मणान् ब्रह्मवादिन:	श्रीशुक	१०७४००६२	ब्राह्मणो जन्मना श्रेयान्	श्रीभगवान्	१०८६०५३१
ब्राह्मण: समदृक्षान्त:	मैत्रेय	४१४०४११	ब्राह्मणार्थो ह्यपहृत:	भगवान	१०६४०४३१	ब्राह्मणो नितरां गुरु:	द्रोपदी	१०७०४३२
ब्राह्मणं प्रत्यभूद्ब्रह्मन्	सूत	११८०२९२	ब्राह्मणाश्चारविन्दाक्षम्	श्रीशुक	१०७१०३०२	ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चस्वी	मैत्रेय	४२३०३२१
ब्राह्मणं समभाषत	ब्राह्मण	१०८९०२७२	ब्राह्मणास्त्विष्टदेवता:	श्रीशुक	१०८९०१८१	ब्राह्मणो ब्रह्मवित्तम:	श्रीशुक	१०८०००६१
ब्राह्मणप्रमुखान्वर्णान्	मैत्रेय	४१७००२१	ब्राह्मणी वीक्ष्य दिधिषुम्	श्रीशुक	९०९०३४१	ब्राह्मणो येन केनचित्	श्रीभगवान	१०५२०३११
ब्राह्मणस्तां तु रजनीम्	श्रीशुक	१०८१०१२१	ब्राह्मणे पुल्कसे स्तेने	श्रीभगवान्	११२९०१४१	ब्राह्मणोऽग्निरिव ज्वलन्	श्रीभगवान्	१११७०३६१
ब्राह्मणस्य महात्मन:	श्रीशुक	१२०२०१८१	ब्राह्मणेभ्यो ददु: सर्वे	श्रीशुक	१०३४००३२	ब्राह्मणोऽग्निश्च वै विष्णो:	श्रीशुक	८१६००९२
ब्राह्मणस्य स्वधामत:	नारद	१०३७०१९२	ब्राह्मणेभ्यो ददुर्धेनूर्वास:	श्रीशुक	१०८२०१०१	ब्राह्मणोऽर्हति नि:स्पृह:	श्रीशुक	९११००३२
ब्राह्मणस्य हि देहोऽयम्	श्रीभगवान्	१११७०४२१	ब्राह्मणेभ्यो दुरत्यय:	श्रीभगवान्	११०६०३४२	ब्राह्ममस्त्रं प्रदर्शितम्	श्रीभगवान	१०७०२७१
ब्राह्मणस्यैव याजनम्	श्रीभगवान्	१११७०४०२	ब्राह्मणेभ्यो नमस्कृत्य	श्रीशुक	१०७१०२८२	ब्राह्मस्त्रैलोक्यवर्तन:	मैत्रेय	३११०२५१
ब्राह्मणा गा विभेजिरे	श्रीशुक	९२००२७१	ब्राह्मणेभ्यो नमस्कृत्य	सूत	१२१२००१२	ब्राह्मी रात्रिरुदाहृता	श्रीशुक	१२०४००३१
ब्राह्मणा ब्रह्मवादिन:	श्रीभगवान	१०२३००३१	ब्राह्मणेभ्यो नमस्याम:	श्रीशिव	१२१००२४१	ब्राह्मी सौरी यथा प्रभा	श्रीशुक	९१५०४०१
ब्राह्मणा: किल ते प्रभो	ऋषय	३१६०१७१	ब्राह्मणेभ्यो हलायुध:	श्रीशुक	१०७९०१६१	ब्राह्मे मुहूर्त उत्थाय	श्रीशुक	१०७०००४१
ब्राह्मणा: क्षत्रिया वैश्या:	श्रीशुक	१०७४०१११	ब्राह्मणेष्वपि वेदज्ञ:	श्रीभगवान	३२९०३१२	ब्राह्मो नाम महानभूत्	मैत्रेय	३११०३४१
ब्राह्मणा: प्रभवो दैवम्	श्रीशुक	१०८१०३९२	ब्राह्मणै: कुलवृद्धैश्च	मैत्रेय	४०९०३९२	ब्राह्मो नैमित्तिको लय:	श्रीशुक	८२४००७१
ब्राह्मणा: सत्र आसते	अर्जुन	१०८९०२८२	ब्राह्मणै: कुलवृद्धैश्च	श्रीशुक	१०६८०१५२	ब्राह्मं चाथ बृहत्तथा	मैत्रेय	३१२०४२१
ब्राह्मणा: साधव: शान्ता	श्रीशिव	१२१००२०१	ब्राह्मणै: क्षत्रबन्धुर्हि	श्रृंगी	११८०३४१	ब्रुवाणे बह्वशोभनम्	श्रीशुक	६१७०१०१
ब्राह्मणा: स्वर्णलाङ्गलै:	श्रीशुक	१०७४०१२१	ब्राह्मणै: क्षत्रियैर्वैश्यै:	श्रीशुक	१०७२००१२	ब्रूत धर्मस्य नस्तत्त्वम्	विष्णुदूता	६०१०३८२
ब्राह्मणांश्च महाभागान्	श्रीशुक	९०४०३२२	ब्राह्मणै: पूर्वजै: शूरै:	श्रीभगवान्	८१९०१५२	ब्रूत प्रसीदत महानिह विस्मयो मे	अत्रि	४०१०२८४
ब्राह्मणांश्चापि भोजयेत्	कश्यप	८१६०४६२	ब्राह्मणै: सममृत्विजम्	श्रीरुद्र	१०६६०३०१	ब्रूतागमनकारणम्	श्रीभगवान	१०२९०१८२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
ब्रूताहं करवाण्यथ	श्रीबलराम	१०७८०३७१	वह्निंयथा दारुणि पाञ्चदश्यम्	प्रजापति	६०४०२७३	भक्ताय प्रयतात्मने	श्रीशुक	६१६०१७१
ब्रूयु: स्निग्धस्य शिष्यस्य	श्रीशुक	१०१३००३२				भक्ताय मेऽनुरक्ताय	विदुर	४१७००७१
ब्रूयु: स्निग्धस्य शिष्यस्य	ऋषय	१०१००८३	**भ**			भक्ताया विप्रभार्याया:	श्रीशुक	१०२३००२२
ब्रूहि कारणमेतस्य	श्रीशुक	८१५०२७१	भक्तं ते भक्तवत्सल	अक्रूर	१०४१०११२	भक्तायैतां प्रपन्नाय	श्रीशुक	६१६०२६१
ब्रूहि कारणयोरस्य	देवहूति:	३२६००९२	भक्तं ते भक्तवत्सल	श्रीरुद्र	७०८०४१२	भक्ति: परेशानुभवो विरक्ति:	कवि	११०२०४२१
ब्रूहि न: श्रद्दधानानाम्	ऋषय	१०१०११५	भक्तप्रियादृतगिर: सुहृद: कृतज्ञात्	अक्रूर	१०४८०२६२	भक्ति: पुनाति मन्निष्ठा	श्रीभगवान्	१११४०२१२
ब्रूहि न: श्रद्दधानानाम्	ऋषय	१०१०१७३	भक्तमेकान्तिनं क्वचित्	श्रीशुक	१०४६००२१	भक्ति: प्रवर्तिता दिष्टया	उद्धव	१०४७०२५२
ब्रूहि न: श्रद्दधानानाम्	शौनक	११२००३२	भक्तया परमयान्वित:	कश्यप	८१६०२५२	भक्ति: प्रवृत्ताऽऽत्मरजस्तमोऽपहा	नारद	१०५०२८४
ब्रूहि न: श्रद्दधानानाम्	शौनक	१२११०२८२	भक्तयुद्गलोगद्गदया गिराब्रवीत्	श्रीशुक	८२३००१४	भक्ति: सिद्धेर्गरीयसी	श्रीभगवान	३२५०३३१
ब्रूहि नस्तदिदं सौम्य	शौनक	२१००५०१	भक्तयुद्रेकं व्रजौकसाम्	श्रीशुक	१०४७०६९१	भक्ति: स्यात्परमा लोके	श्रीशुक	१००८०४९२
ब्रूहि मे भगवन्येन	युधिष्ठिर	७०१०४७२	भक्तस्य च चिकीर्षितम्	नारद	१०७००४०२	भक्तिं करोति नृपतिश्चरणारविन्दे	सूत	११६०१६४
ब्रूहि मे विमलं ज्ञानम्	राजा	४२५००५२	भक्तस्य च यथालब्धै:	श्रीभगवान्	११२७०१५२	भक्तिं कुरुत दानवा:	प्रह्लाद	७०७०५३१
ब्रूहि मे श्रद्दधानाय	विदुर	३१३००३२	भक्तस्य परम: सखा	श्रीशुक	१०५६००३१	भक्तिं कुर्वन्ति ये दृढाम्	श्रीभगवान	३२५०२२१
ब्रूहि मेऽज्ञस्य मित्रत्वात्	विदुर	३०७०४०२	भक्ता भजस्व दुरवग्रह मा त्यजास्मान्	गोप्य	१०२९०३१३	भक्तिं जन: परमहंगतौ लभेत्	प्रह्लाद	७०९०५०४
ब्रूहि यद्वा विपर्ययम्	परीक्षित्	११९०३८२	भक्ता हरे स वृजिनोऽवसादित:	किन्नरा	७०८०५५३	भक्तिं परमया मुदा	सूत	१०२०२२१
ब्रूहि योगेश्वरे कृष्णे	ऋषय	१०१०२३१	भक्ता ह्येकान्तिनो मम	श्रीभगवान्	११२००३४१	भक्तिं परां परमहंसगतौ लभेत	श्रीशुक	११३१०२८४
ब्रूहि विश्वेश्वरेश्वर	उद्धव	११२७००५२	भक्तानां न: प्रपन्नानाम्	सत्यव्रत	८२४०२८२	भक्तिं परां भगवति	श्रीशिव	१२१०००६२
ब्रूहि विस्तरश: प्रभो	देवहूति:	३२९००२२	भक्तानां मानवर्धन:	कर्दम	३२४०३०२	भक्तिं परां भगवति प्रतिलभ्य कामम्	श्रीशुक	१०३३०४११
ब्रूहि स्पर्शविहीनस्य	यदु	११०७०३०२	भक्तानां शमभीप्सत:	नारद	१०६०१०१	भक्तिं परामुगत एवम्	श्रीशुक	१०३८००२२
ब्रूह्यस्मत्पितृभिर्ब्रह्मन्	ध्रुव	४०८०३७२	भक्तानामभयङ्कर:	श्रीशुक	१००२०१६१	भक्तिं मुहु: प्रवहतां त्वयि मे प्रसङ्ग:	ध्रुव	४०९०१११
ब्रूह्येतद्भुततमम्	युधिष्ठिर	७०१०२०२	भक्तानामभयङ्कर	अर्जुन	१०७०२२१	भक्तिं लब्ध्वत: साधो:	श्रीभगवान्	११२६०३०१
ब्रह्मरुद्रौ च भूतानि	श्रीभगवान	४०७०५२२	भक्तानुकम्प्युपव्रज्य	श्रीशुक	१०६३०३३२	भक्तिं विधाय परमां शनकैरविद्या-	मनु	४११०३०३
ब्रह्मलोकमहैतुकम्	श्रीशुक	९०५०२२२	भक्ताय चानुरक्ताय	उद्धव	११२७००५२	भक्तिं विन्दन्ति ते मयि	श्रीभगवान्	११२६०२९२
ब्रह्महेव मृत: श्वसन्	कंस	१००४०१६२	भक्ताय चित्रा भगवान् हि सम्पद:	सुदामा	१०८१०३७१	भक्तिं हरौ भगवति प्रवहन्नजस्रम्	मैत्रेय	४१२०१८१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भक्तिज्ञानक्रियात्मकान्	श्रीभगवान्	११२१००११	भक्तियोगसमन्वितम्	नारद	१०५०३५२	भक्तिर्भवेद् भगवति ह्यपवर्गमार्गे	श्रीशुक	१०६९०४५४
भक्तिप्रयोगेण समेत्यधोक्षजम्	प्रह्लाद	७०७०३६४	भक्तियोगस्य तत् सर्वम्	नारद	७१०००११	भक्तिर्मय्यनपायिनी	श्रीभगवान	१०५१०६२२
भक्तिप्रवणया धिया	श्रीशुक	१०५९०२४२	भक्तियोगस्य मद्गति:	श्रीभगवान्	११२४०१४२	भक्तिर्मुकुन्दचरणे	परीक्षित्	६१४००२२
भक्तिप्रवाहयोगेन	मैत्रेय	३३३०२४१	भक्तियोगस्य मे मार्गम्	देवहूति:	३२९००२२	भक्तिर्यथाशुभम्	श्रीशुक	१०२००३४२
भक्तिप्रह्वेण चेतसा	श्रीशुक	६१९०१६१	भक्तियोगेन चैव हि	कपिल	३३२०३५१	भक्तिर्विरक्तिर्भगवत्प्रबोध:	कवि	११०२०४३२
भक्तिप्रह्वेण चेतसा	श्रीशुक	६१९०१०१	भक्तियोगेन तीव्रेण	श्रीभगवान	३२७००५२	भक्तिवैँराग्यमेव वा	विदुर	३०७०३९२
भक्तिप्रियो यदसि कल्पतरुस्वभाव:	प्रह्लाद	८२३००८४	भक्तियोगेन भूयसा	नारद	४०८०६११	भक्तिर्हरौ तत्पुरुषे च सख्यम्	राजा	१००७००२३
भक्तिमत्परिचर्यया	नारद	४०८०५९२	भक्तियोगेन मनसि	सूत	१०७००४१	भक्तिश्चेन्नवलक्षणा	प्रह्लाद	७०५०२४१
भक्तिमलौकिकीम्	श्रीशुक	१०२३०३८१	भक्तियोगेन मन्निष्ठ:	श्रीभगवान्	११२५०३२३	भक्तिश्चैव यया मयि	श्रीभगवान्	६०९०४७२
भक्तिमांस्त्वमधोक्षजे	श्रीशिव	१२१००३६१	भक्तियोगेन योगिन:	श्रीभगवान	३२५०४३१	भक्तिस्त्वय्युपयुज्येत	उद्धव	१११२०२६२
भक्तिमात्मप्रिये यथा	श्रीभगवान	१०२३०२६२	भक्तियोगेन विन्दति	श्रीभगवान्	११२७०५३१	भक्तेच्छोपात्तरूपाय	भूमि	१०५९०२५२
भक्तिमान् भगवत्याशु	श्रीशुक	६०२०२५१	भक्तियोगो बहुविध:	श्रीभगवान	३२९००७१	भक्तेन भगवान् हरि:	श्रीशुक	१०४८०२८१
भक्तिमुद्वहतां नृणाम्	श्रीरुद्र	६१७०३११	भक्तियोगो भगवति	यम	६०३०२२२	भक्तेन मम वार्यपि	श्रीभगवान्	११२७०१७२
भक्तियुक्त: समाहित:	श्रीभगवान	३०९०३११	भक्तियोगो यतो भवेत्	श्रीशुक	२०२०३३३	भक्तेष्वलं भावितभूतभावनम्	श्रीभगवान्	५१७०१८३
भक्तियुक्तेन चात्मना	श्रीभगवान	३२५०१८१	भक्तियोगोऽनपेक्षित:	उद्धव	१११४००२१	भक्तैर्भक्तजनप्रिय:	श्रीभगवान्	९०४०६३२
भक्तियोग: पुरैवोक्त:	श्रीभगवान्	१११९०१९१	भक्तियोगोऽस्य सिद्धिद:	श्रीभगवान्	११२०००८२	भक्तो भगवतो भवेत्	श्रीशुक	९०५०२७२
भक्तियोग: प्रयोजित:	कपिल	३३२०२३१	भक्तिरनयोरपि समनुवर्तते	ऋषि	५०६०१६१	भक्तो मां समियात्परम्	श्रीभगवान्	१११८०४८२
भक्तियोग: प्रयोजित:	सूत	१०२००७१	भक्तिरनुदिनमेधमानरयाजायत	श्रीशुक	५०७००७१	भक्तोऽतीव जनार्दने	सुदामा	१०८१०३८१
भक्तियोग: समाख्यात:	सूत	१२१२००५१	भक्तिरुत्पद्यते पुंस:	सूत	१०७००७३	भक्त्या केचन कामत:	बलि	१०८५०४३१
भक्तियोग: समाहित:	नारद	४२९०३७१	भक्तिर्ज्ञानं विरक्तिश्च	नारद	७१००४३२	भक्त्या केवलयाज्ञानम्	ब्राह्मण	७१३०२१२
भक्तियोगं स लभते	श्रीभगवान्	११२७०५३२	भक्तिर्दृढा न चास्माकम्	ब्राह्मण	१०२३०४३२	भक्त्या गृहीतचरण: परया च तेषाम्	ब्रह्मा	३०९००५३
भक्तियोगमधोक्षजे	सूत	१०७००६१	भक्तिर्भगवति ब्रह्मण्य्	मैत्रेय	४२३०१०२	भक्त्या गोगुरुविप्रेषु	मैत्रेय	४२२०६२२
भक्तियोगविधानार्थम्	कुन्ती	१०८०२०२	भक्तिर्भवति देहिनाम्	श्रीशुक	१२०३०२८१	भक्त्या च हृदि भावित:	भगवान	१००३०३७२
भक्तियोगश्च योगश्च	श्रीभगवान	३२९०३५१	भक्तिर्भवति नैष्ठिकी	सूत	१०२०१८२	भक्त्या तुतोष भगवान् गजयूथपाय	प्रह्लाद	७०९००९४

श्लोक	उवाच	स्‌.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्‌.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्‌.अ.०.श.पाद
भक्त्या त्वां परमर्षय:	उद्धव	१११६००३१	भक्त्यार्द्रयार्पितमना न पृथग्दिदृक्षेत्	श्रीभगवान	३२८०३३४	भगवच्छिक्षितमहम्	ब्रह्मा	२०९०२८१
भक्त्या दधीतोज्झितदुष्कलेवर:	श्रीशुक	५१९०१३४	भक्त्यावेश्य मनो यस्मिन्	भीष्म	१०९०२३१	भगवञ्छ्रोतुमिच्छामि	युधिष्ठिर	७११००२१
भक्त्या देवमिवादृतौ	श्रीशुक	१०४५०३२२	भक्त्याहमेकया ग्राह्य:	श्रीभगवान्	१११४०२११	भगवञ्छ्रोतुमिच्छामि	राजा	१०५२०१९१
भक्त्या द्रवद्धृदय उत्पुलक: प्रमोदात्	श्रीभगवान	३२८०३४२	भक्त्युच्छ्रयं भक्तजनानुवर्णनम्	श्रीशुक	६१३०२२३	भगवञ्छ्रोतुमिच्छामि	राजा	८२४००११
भक्त्या निर्मथिताशेष	सूत	११५०२९२	भक्त्युत्कण्ठोऽश्रुलोचन्	श्रीशुक	१०८९०१३२	भगवञ्जीवलोकोऽयम्	अक्रूर	१०४००२३१
भक्त्या पक्वगुणाशया:	श्रीभगवान	४३००१८१	भक्त्यैकयेशं गुरुदेवतात्मा	कवि	११०२०३७४	भगवत उपलब्धिमात्रधाम्ने	सूत	१२१२०६७३
भक्त्या परमया गुरौ	नारद	४२९०३६२	भक्त्यैकयेशं भजतात्मलब्धये	प्रह्लाद	७०७०४०४	भगवत उरुविक्रमाङ्घ्रिशाखा	हरि	११०२०५४१
भक्त्या परमया न्यमीलयत्	श्रीशुक	११३१००४२	भक्त्योद्धवानपायिन्या	श्रीभगवान्	१११८०४५१	भगवतर्षभेण परिरक्ष्यमाण...	श्रीशुक	५०४०१८१
भक्त्या परमया युत:	श्रीशुक	१०३९०५६१	भक्षिताङ्गं पिपीलिकै:	नारद	७०३०२२१	भगवति कृतचित्तो याति तत्क्षेमधाम	सूत	१०८५०५९४
भक्त्या परमया राजन्	श्रीशुक	६१८०२८१	भक्ष्यमाणा: क्षुधार्दिता:	श्रीशुक	१२०४००७२	भगवति कृतधी: सुपर्णकेतौ	मैत्रेय	३३३०३७२
भक्त्या परमया सती	प्रह्लाद	७०७०१४१	भग: स्मू र्जोऽरिष्टनेमि:	सूत	१२११०४२१	भगवति भवसिन्धुपोतपादे	मैत्रेय	४२३०३९३
भक्त्या परमया हरिम्	मुनय	१०८४०४११	भगं च स्वं जहाति स:	राजा	४२१०२४२	भगवति रतिरस्तु मे मुमूर्षो:	भीष्म	१०९०३९३
भक्त्या परमयाभिदा	नारद	७१००४०१	भगं नन्दीश्वरोऽग्रहीत्	मैत्रेय	४०५०१७२	भगवति सात्वतपुङ्गवे विभूम्नि	भीष्म	१०९०३२२
भक्त्या पुमान्जातविराग ऐन्द्रियात्	श्रीभगवान	३२५०२६१	भगणांश्चापि दीपिता:	मैत्रेय	३१७०१४१	भगवतो गुणमये स्थूलरूप...	राजा	५१६००३१
भक्त्या भक्तेन निर्गुण:	नारद	७०९०५११	भगणौ भाति यद्भ्रयात्	श्रीभगवान	३२९०४०२	भगवतो परते खलु स्वपितरि	श्रीशुक	५२४०२५१
भक्त्या यासां मतिर्जाता	ब्राह्मण	१०२३०४९२	भगवंस्तक्षकादिभ्य:	राजा	१२०६००५१	भगवत्कर्मचोदित:	मैत्रेय	३१०००८१
भक्त्या वयं विभो	नारद	७०१०३०२	भगवंस्तन्ममाख्याहि	राजा	६०८००२१	भगवत्तत्त्वविज्ञानम्	सूत	१०२०२०२
भक्त्या विरक्त्या ज्ञानेन	श्रीभगवान	३२६०७२२	भगवंस्तव दर्शनात्	अंशुमान्	९०८०२७२	भगवत्तेजसश्चक्रापदेशात्	श्रीशुक	५२४०१४१
भक्त्या विष्णो: प्रसादत:	श्रीशुक	९०५०२७४	भगवंस्ते वचोऽस्माभि:	प्राचीनबर्हि	४२९००११	भगवत्तेजसा स्पृष्टम्	नारद	७०१०४२२
भक्त्या श्रुतगृहीतया	सूत	१०२०१२२	भगवच्छक्तिचोदिता:	ब्रह्मा	२०५०३३१	भगवत्तेजसान्वित:	श्रीशुक	६१००१३२
भक्त्या सञ्जातया भक्त्या	प्रबुद्ध	११०३०३१२	भगवच्छक्तियुक्तस्य	मैत्रेय	३१२०२१२	भगवत्त्वाय कलपते	प्रह्लाद	७१०००९२
भक्त्या सम्पूजयेन्नित्यम्	श्रीशुक	६१९००९२	भगवच्छब्दलक्षण:	कपिल	३३२०३२२	भगवत्परितोषणम्	नारद	१०५०३५१
भक्त्या ह्यसङ्ग: सदसत्यनात्मनि	सनत्कुमार	४२२०२५३	भगवच्छब्दशब्दिते	श्रीभगवान्	१११५०१६१	भगवत्पार्श्ववर्तिनि	नारद	४२९०६९१
भक्त्यागृणत संस्तवै:	श्रीभगवान्	१११३०४१२	भगवच्छिक्षयासकृत्	नारद	१०५०३६१	भगवत्पार्श्ववर्तिनाम्	श्रीशुक	६०२०४३२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भगवत्पुरुषै राजन्	श्रीशुक	६०३००३१	भगवत् सङ्गिसङ्गस्य	ऋषय	११८०१३२	भगवन्क्व गतावित:	युधिष्ठिर	११३०३८१
भगवत्यकरोद् द्वेषम्	नारद	७०४००४२	भगवदनुग्रह उपजिगमिषतीति	श्रीशुक	५२४०२६१	भगवन्छ्रोतुमिच्छामि	राजा	९०४०१४१
भगवत्यखिलात्मनि	श्रीभगवान	३२५०१९१	भगवद् गुणानुकथन	नारद	४२९०३९२	भगवन्तं जनार्दनम्	श्रीशुक	८१६०२०१
भगवत्यखिलात्मनि	नारद	७०५०४११	भगवद् दृष्टिगोचर:	मैत्रेय	३०५०२८१	भगवन्तं परं गुरुम्	नारद	४२९०२६१
भगवत्यखिलात्मनि	श्रीशुक	८१७००३१	भगवद्गात्र निष्पातै:	श्रीशुक	१०४४०२०१	भगवन्तं परं ब्रह्म	मैत्रेय	३२४०१०१
भगवत्यचलो भाव:	श्रीशुक	२०३०११३	भगवद्दर्शनाह्लादबाष्पपर्याकुलेक्षण:	श्रीशुक	१०३८०३५१	भगवन्तं परिक्रम्य	ब्रह्मा	३१६०२८१
भगवत्यच्युतां भक्तिम्	मार्कण्डेय	१२१००३४२	भगवद्ध्यानपूतेन	मैत्रेय	३१२००३२	भगवन्तं भयातुरा:	श्रीशुक	१०६६०३६१
भगवत्यपि चात्मनि	मैत्रेय	३२४०४६२	भगवद्धर्मिण: साधो:	मैत्रेय	४२३०१०१	भगवन्तं यथाश्रुतम्	श्रीशुक	१०२३०३४१
भगवत्यप्रतिद्रुहि	नन्दीश्वर	४०२०२११	भगवद्भक्तियुक्तेन	मैत्रेय	३२४०४७२	भगवन्तं वासुदेवम्	श्रीरुद्र	४२४०२८२
भगवत्यम्बुजेक्षणे	श्रीशुक	१०३८००२१	भगवद्भक्तियोगत:	सूत	१०२०२०१	भगवन्तं वासुदेवम्	श्रीशुक	१०४४०२१२
भगवत्यर्पिताध्यात्म:	शौनक	३२०००७२	भगवद्भक्तियोगेन	मैत्रेय	३०७०१२२	भगवन्तं विभावसुम्	श्रीभगवान्	११२६०३११
भगवत्यर्पिताशय:	सूत	११८००२२	भगवद्भक्तिवर्धनम्	श्रीशुक	७०१००४२	भगवन्तं सनातनम्	श्रीशुक	८१७०२४१
भगवत्यर्पिताशया:	श्रीरुद्र	४२४०६९२	भगवद्भावमात्मन:	हरि	११०२०४५१	भगवन्तं हरिं प्राय:	निमि	११०५००११
भगवत्यात्मसंश्रये	मैत्रेय	३३३०२६१	भगवद्भिर्घृणालुभि:	राजा	४२२०४३१	भगवन्तमतकोविदा:	उद्धव	३०३०२४२
भगवत्युत्तमश्लोके	श्रीशुक	१०२३०२०२	भगवद्यशसा समम्	कश्यप	३१४०४४२	भगवन्तमधोक्षजम्	ब्रह्मा	३१२०१९१
भगवत्युत्तमश्लोके	सूत	१०२०१८२	भगवद्रचिता राजन्	मैत्रेय	३२१०५४२	भगवन्तमधोक्षजम्	धनद	४१२००५१
भगवत्युत्तमश्लोके	मैत्रेय	४३१००८२	भगवद्राताय कारुण्यत:	सूत	१२१३०१९३	भगवन्तमधोक्षजम्	पुरूरवा	११२६०१५२
भगवत्युत्तमश्लोके	उद्धव	१०४७०२५१	भगवद्रूपमखिलं नान्यत्	श्रीशुक	१०१४०५६२	भगवन्तमधोक्षजम्	श्रीशुक	६०४०२२१
भगवत्युत्तमश्लोके	श्रीशुक	९१६०११२	भगवद्विरहातुरा:	श्रीशुक	११३१०१९१	भगवन्तमधोक्षजम्	श्रीशुक	१०२३०१११
भगवत्युदिते सूर्ये	श्रीशुक	१०४६०४७१	भगवद्वीक्षितं नभ:	मैत्रेय	३०५०३२१	भगवन्तमधोक्षजम्	श्रीशुक	९१४०४७१
भगवत्युरुमानाच्च	कश्यप	३१४०४३२	भगवद्वीर्यचोदितात्	श्रीभगवान	३२६०३२१	भगवन्तमधोक्षजम्	सूत	१०२०२५१
भगवत्सङ्गिसङ्गस्य	प्रचेतस	४३००३४२	भगवद्वीर्यदर्शने	ब्रह्मा	२०५००९३	भगवन्तमवस्थितम्	मैत्रेय	३२४०४६१
भगवत्सङ्गिसङ्गस्य	श्रीरुद्र	४२४०५७२	भगवद्वीर्यसम्भवात्	श्रीभगवान	३२६०२३१	भगवन्तमवाप ह	मैत्रेय	३३३०३०२
भगवत्सपर्यां न सस्मार	श्रीशुक	५०७०१२१	भगवन्किमिदं जातम्	श्रीशुक	९०१०१७१	भगवन्तमितोऽस्म्यहम्	गजेन्द्र	८०३०२९२

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भगवन्तावभिष्टुतौ	मैत्रेय	४०१०५८१	भगवांस्तत्र कौरव	श्रीशुक	१०१०००५१	भगवानपि गोविन्दः	श्रीशुक	१०२३०३५१
भगवन्तो ब्रुवन्तु नः	निमि	११०३००१२	भगवांस्तत्र निवसन्	श्रीशुक	१०५८०२५१	भगवानपि गोविन्दः	युधिष्ठिर	११४०३४१
भगवन्नाभिमाश्रिताः	ऋषिः	३०६०२९१	भगवांस्तत्र बन्धूनाम्	सूत	१११०२११	भगवानपि गोविन्दः	श्रीशुक	१०३७०२६१
भगवन्नाम मङ्गलम्	अजामिल	६०२०३४२	भगवांस्तत् करोति हि	ब्रह्मा	८०५०४६२	भगवानपि तं शैलम्	श्रीशुक	१०२५०२८१
भगवन्निन्दनं श्रुत्वा	श्रीशुक	१०७४०३९१	भगवांस्तदभिज्ञाय	सूत	१२१००१०१	भगवानपि तच्छ्रुत्वा	श्रीशुक	६१७००९१
भगवन्निन्दया तमः	मैत्रेय	४२१०४७१	भगवांस्तदभिप्रेत्य	श्रीशुक	१०८६०२६१	भगवानपि तत्राङ्ग	ऋषि	१०७५०२९१
भगवन्निन्दया वेनः	युधिष्ठिर	७०१०१६२	भगवांस्तदभिप्रेत्य	श्रीशुक	१०२२००८१	भगवानपि तत्रैव	श्रीशुक	१०२४००११
भगवन्नुद्यमो भूयात्	श्रीशुक	८१५०२५१	भगवांस्तदुपश्रुत्य	श्रीशुक	१०५६०१७१	भगवानपि तत्स्तनम्	श्रीशुक	१००६०३७२
भगवन्भवतो यात्रा	वसुदेव	११०२००४१	भगवांस्तद्विधित्सति	ब्रह्मा	३१६०३६२	भगवानपि तद् वीक्ष्य	श्रीशुक	१०३६००६२
भगवन्सर्वभूतानामध्यक्षः	ब्रह्मा	२०९०२४१	भगवांस्तमभिप्रेय	श्रीशुक	१०३८०३६१	भगवानपि ता रात्रीः	श्रीशुक	१०२९००११
भगवन् किं न विदितम्	चित्रकेतु	६१४०२३१	भगवांस्तास्तथाभूता	श्रीशुक	१०८२०४११	भगवानपि भारत तदुपनीत...	श्रीशुक	५०१०१०१
भगवन् भुवनेश्वर	श्रीशुक	९११००६१	भगवांस्तु गदावेगम्	मैत्रेय	३१८०१५१	भगवानपि मनुना यथावद्...	श्रीशुक	५०१०२११
भगवन् मामजानतीम्	यमुना	१०६५०२७१	भगवांस्ते प्रजाभर्तुः	ब्रह्मा	३१३०१२२	भगवानपि राजर्षे:	मैत्रेय	४२००३७१
भगवन् यानि चान्यानि	राजा	१०८०००११	भगवांस्तेऽक्षरो गर्भम्	ऋषिः	३२४००२२	भगवानपि विप्रर्षे	सूत	१०९००३१
भगवन् यूयमागताः	राजा	४२२०४२२	भगवाञ्जगदीश्वरः	श्रीशुक	१०६००५८१	भगवानपि विश्वात्मा	उद्धव	३०३०१९१
भगवन् समुपासते	अक्रूर	१०४०००८२	भगवाञ्जगदीश्वरः	श्रीशुक	१०७८०१६१	भगवानपि विश्वात्मा	श्रीशुक	१००२०१६१
भगवल्लक्षणैर्जग्मुः	श्रीशुक	१०१६०१७२	भगवाञ्ज्ञातसर्वार्थ	श्रीशुक	११०१०२४१	भगवानपि विश्वात्मा	श्रीशुक	१००२००६१
भगवाँल्लोकभावनः	श्रीशुक	१०४४०४९१	भगवानखिलेश्वरः	श्रीशुक	३०१००२१	भगवानपि विश्वात्मा	श्रीशुक	९१८०१३२
भगवांल्लोकपावनः	श्रीशुक	१०८००२११	भगवानग्निमुल्बणम्	श्रीशुक	१०१९०१२१	भगवानपि वैकुण्ठः	मैत्रेय	४२०००११
भगवांल्लोकभावनः	बहुलाश्व	१०८६०३७१	भगवानच्युतो वृतः	श्रीशुक	१०३२०१०१	भगवानपि सम्प्राप्तः	श्रीशुक	१०३९०३८१
भगवांल्लोकभावनः	श्रीशुक	८०९०२७१	भगवानथ विश्वात्मा	मैत्रेय	४२००१९१	भगवानब्जसम्भवः	मैत्रेय	४०६००३१
भगवांल्लोकभावनः	सूत	१२०६०४८१	भगवाननुगावाह यातम्	ब्रह्मा	३१६०२९१	भगवानम्बुजेक्षणः	सूत	१०७०३४२
भगवांस्तच्चतुष्टयम्	सूत	१२११०२३१	भगवाननुवर्ण्यते	राजा	१२०६००४२	भगवानवतरिष्यति	श्रीशुक	१२०२०१६२
भगवांस्ततुपश्रुत्य	श्रीशुक	१०२८००३२	भगवानपि गोविन्द	श्रीशुक	१०५२०१६१	भगवानहरद्धरम्	सूत	१०३०२३२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भगवानात्मतन्द्रिणा	मैत्रेय	३२००४०१	भगवानीश्वरो हरि:	श्रीशुक	२०१००५१	भगवान्पुष्करेक्षण:	श्रीशुक	८१७०१११
भगवानात्मदैवतम्	ऋषय	३१६०१७२	भगवानीश्वरो हरि:	नारद	११०५०४६२	भगवान्बादरायण:	श्रीशुक	८१३०१५२
भगवानात्मनात्मानम्	श्रीशुक	९११००११	भगवानीश्वरोऽव्यय:	देवता	१०५१०१९१	भगवान्बादरायणि:	सूत	११९०४०२
भगवानात्मभावन:	पृथु:	४२२०१६१	भगवानीश्वरोऽव्यय:	प्रह्लाद	७०६०२१२	भगवान्भूतभावन:	कश्यप	३१४०२३१
भगवानात्मभावित:	नारद	४२९०४६१	भगवानुत्ससर्ज गाम्	सूत	११८००६१	भगवान्भूतभावन:	नारद	११३०४८१
भगवानात्मभूरज:	श्रीशुक	६०७०२०१	भगवानुत्सिसृक्षति	युधिष्ठिर	११४००८२	भगवान्भृत्यकामकृत्	श्रीशुक	८०८०३७२
भगवानात्मभूर्नृप	नारद	७०३०१४१	भगवानुर्वनुग्रह:	दिति:	३१४०३५१	भगवान्मधुसूदन:	मैत्रेय	३२४००६१
भगवानात्ममायया	राजा	२०४००६१	भगवानुशना सुत:	मैत्रेय	४०१०४५२	भगवान्मे प्रसीदताम्	कश्यप	८१६०३७२
भगवानात्ममायया	शौनक	३२५००११	भगवानृषभसंज्ञ आत्मतन्त्र:	श्रीशुक	५०४०१४१	भगवान्यज्ञपुरुष:	मैत्रेय	३१३०२३२
भगवानात्ममायया	श्रीभगवान	३२६०१८२	भगवानेक आसेदमग्र	मैत्रेय	३०५०२३१	भगवान्विशते हृदि	राजा	२०८००४३
भगवानात्ममायया	चित्रकेतु	६१७०२११	भगवानेक ईयते	कपिल	३३२०२६२	भगवान्विश्वभावन:	ब्रह्मा	२०७०५०१
भगवानात्ममायया	श्रीशुक	१००३०४६१	भगवानेक एवैष	विदुर	३०७००६१	भगवान्विश्वभावन:	नारद	४२८०६५२
भगवानात्ममायया	सूत	१०२०३०१	भगवान्गीयते हरि:	राजा	८०१०३२२	भगवान्विश्वभावन:	राजा	८०१००३१
भगवानादिपूरुष:	श्रीशुक	८२४०५४१	भगवान्देवकीपुत्रो ये	सूत	१०७०५०२	भगवान्विश्वभावन:	श्रीशुक	८१००५३२
भगवानादिपूरुष:	श्रीशुक	८१७००४१	भगवान्धर्मवत्सल:	मैत्रेय	४२४०२६१	भगवान्विष्णुरव्यय:	शुक्र	८१९०३०१
भगवानादिसूकर:	मैत्रेय	३१९०१६१	भगवान्नारद: प्रीत:	श्रीशुक	६१६०१७२	भगवान्वेद कालस्य	विदुर	३११०१७१
भगवानास्त ईश्वर:	प्रह्लाद	७०७०३२१	भगवान्नारदस्तदा	मैत्रेय	४०८०३९१	भगवान्सर्वभूतेषु	श्रीशुक	२०२०३५१
भगवानाह ताञ्छिव:	मैत्रेय	४२४०३२१	भगवान्नारदो मुनि:	मैत्रेय	४३१००८१	भगवान्साधु सत्कृत:	मैत्रेय	४०२००७१
भगवानाह न मणिम्	श्रीशुक	१०५६०४५१	भगवान्नीललोहित:	मैत्रेय	३१२०१५१	भगवान् कपिल: किल	मैत्रेय	३२५००५२
भगवानाह वामन:	श्रीशुक	८२१०२८१	भगवान्परितुष्टस्ते	कश्यप	८१६०६२२	भगवान् कपिलो नृप	भीष्म	१०९०१९२
भगवानाहता वीक्ष्य	श्रीशुक	१०२२०१८१	भगवान्पाकशासन:	श्रीशुक	८११००२१	भगवान् कपिलो मुनि:	श्रीशुक	९०८०२८१
भगवानिति शब्द्यते	सूत	१०२०११२	भगवान्पुत्रतां गत:	ऋषि:	८०१००५२	भगवान् कश्यप: स्त्रिया	श्रीशुक	६१८०३११
भगवानिदमब्रवीत्	श्रीशुक	१०१३००४२	भगवान्पुरुषोत्तम:	श्रीशुक	८०१०२५१	भगवान् कार्यमानुष:	श्रीशुक	१०१६०६०१
भगवानीश्वरेश्वर:	श्रीशुक	१०२८००९१	भगवान्पुरुषोत्तम:	श्रीशुक	८०६०२६१	भगवान् कालरूपधृक्	सूत	१२११०३२१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भगवान् कृष्णमब्रवीत्	श्रीशुक	१०५४०३६३	भगवान् परमेश्वर:	श्रीशुक	१२०३०५०१	भगवान् बादरायण:	सूत	१०९००६१
भगवान् गिरिशो मनु:	नारद	४२९०४२१	भगवान् परिपालयन्	मैत्रेय	३१२००९१	भगवान् बादरायणि:	सूत	६१४००८१
भगवान् गोकुलेश्वर:	श्रीशुक	१०१००३९१	भगवान् परिभाव्यते	सूत	१२११०२२२	भगवान् बादरायणि:	सूत	१०८०००५१
भगवान् तत्र कारणम्	युधिष्ठिर	७०१०२०२	भगवान् पारदर्शक:	युधिष्ठिर	११३०३९१	भगवान् बादरायणि:	सूत	१०७०१११
भगवान् देवकीपुत्र:	श्रीशुक	१००६०३९२	भगवान् पितामहं वीक्ष्य	श्रीशुक	११३१००५१	भगवान् बादरायणि:	सूत	८२४००४१
भगवान् देवकीसुत:	ऋषि	११३००२७१	भगवान् पितुराश्रमात्	मैत्रेय	३३३०३३१	भगवान् बादरायणि:	सूत	१२०६००८१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	११०६०५०१	भगवान् पुनराव्रज्य	श्रीशुक	१०५२००५१	भगवान् बालचेष्टितै:	श्रीशुक	१०११००९२
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०४५०१२१	भगवान् पुरहा नृप	नारद	७१००७०१	भगवान् बालवत् क्वचित्	श्रीशुक	१०११००७१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०५८०५५२	भगवान् पुरुष: पर:	ब्रह्मा	१००१०२३१	भगवान् ब्रह्म कात्स्न्र्येन	श्रीशुक	२०२०३४१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०४५०२०१	भगवान् पुरुषोत्तम:	श्रीशुक	१०८८०३८१	भगवान् ब्रह्मरूपधृक्	श्रीशुक	२१००३६१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०५६०२९२	भगवान् पुरुषोत्तम:	श्रीशुक	१२०३०४५२	भगवान् ब्रह्मसंज्ञित:	श्रीभगवान	३२८०४१२
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०६४०३११	भगवान् पूजयां चक्रे	श्रीशुक	१०२००३१२	भगवान् भक्तभक्तिमान्	श्रीशुक	१०८६०५९१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०२२०२११	भगवान् प्रकृते: पर:	श्रीशुक	७०१००६१	भगवान् भक्तवत्सल:	श्रीशुक	६०४०३५२
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०२२०२९१	भगवान् प्रणतार्तिहा	मैत्रेय	४०९०५२१	भगवान् भक्तवत्सल:	सूत	१०८०१११
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०२३००२१	भगवान् प्रणतार्तिहा	श्रीशुक	१०८६०५०१	भगवान् भक्तिनम्रया	श्रीशुक	१०५९०३२१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०३९००३१	भगवान् प्रत्यगक्षज:	मैत्रेय	३२१०३३१	भगवान् भगवत्तम:	श्रीशुक	२१००४४१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०३३००७१	भगवान् प्रपितामह:	श्रीशुक	९०१०१९१	भगवान् भगवत्प्रिय:	श्रीशुक	१०१७००५१
भगवान् देवकीसुत:	श्रीशुक	१०७१०१२१	भगवान् प्रहसन् प्रियम्	श्रीशुक	१०८१००२१	भगवान् भगशब्दार्थम्	सूत	१२११०१८१
भगवान् धर्मगुप्तनु:	श्रीशुक	१०८४००८१	भगवान् प्राकृतो यथा	सूत	१११०३५२	भगवान् भरतर्षभ	श्रीशुक	१०४४०१७२
भगवान् धर्मगुब् विभु:	सूत	११२०११२	भगवान् प्रीणयन् गिरा	श्रीभगवान्	१०७१०१९१	भगवान् भीष्मकसुताम्	राजा	१०५२०१८१
भगवान् धर्मरूपधृक्	श्रीशुक	२१००४२१	भगवान् बलसंयुत:	श्रीशुक	१०१८००८१	भगवान् भीष्मकसुताम्	श्रीशुक	१०५४०५३१
भगवान् धारणाश्रय:	श्रीशुक	२०१०२५३	भगवान् बादरायण:	ऋषय	१०१००७१	भगवान् भुवनेश्वर:	श्रीशुक	१०७३०२४१
भगवान् नृप सानुग:	श्रीशुक	८०४०१११	भगवान् बादरायण:	श्रीशुक	१२०४०४११	भगवान् भूतभावन:	मुनय:	४१४०१९१
भगवान् न्यासिनां गति:	प्रचेतस	४३००३६१	भगवान् बादरायण:	श्रीशुक	९२२०२२२	भगवान् भूतभावन:	राजा	१००१००३१

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद
भगवान् भूतभावन:	राजा	११३०००१२	भगवान् विश्वभावन:	श्रीशुक	१०६४००५१	भगवान् सात्वतर्षभ:	ब्राह्मणी	१०८०००९२
भगवान् भूतभावन:	श्रीशुक	१०५१०३६१	भगवान् विश्वभावन:	श्रीशुक	६१०००११	भगवान् सात्वतर्षभ:	श्रीशुक	१०८५०२११
भगवान् भूतभावन:	श्रीशुक	९०३०३४२	भगवान् विश्वसृक्पति:	श्रीरुद्र	४२४०७२१	भगवान् सात्वतर्षभ:	श्रीशुक	१०६८०५२१
भगवान् भूतभावन:	श्रीशुक	१०७२०४८१	भगवान् विष्णुरव्यय:	देवता	१०५१०२०२	भगवान् सात्वतर्षभ:	श्रीशुक	१०५१०२३१
भगवान् भूतराडिव	मैत्रेय	४२२०६०२	भगवान् वृजिनार्दन:	श्रीशुक	१०८८०२७१	भगवान् सात्वतां पति:	ऋषय	१०१०१२१
भगवान् मधुसूदन:	श्रीशुक	९२४०६०२	भगवान् व्यतरद् विभु:	श्रीशुक	१०७९०३११	भगवान् सात्वतां पति:	उद्धव	१०४६०३४२
भगवान् मधुसूदन:	श्रीशुक	१०४४००११	भगवान् व्रजन्	मैत्रेय	३०५०२१२	भगवान् सात्वतां पति:	श्रीशुक	१०५८०३४१
भगवान् मधुसूदन:	श्रीशुक	१०४३०१३१	भगवान् व्रजयोषित:	श्रीशुक	१०२९०१७१	भगवान् सात्वतां पति:	श्रीशुक	१०३४००८२
भगवान् मधुसूदन:	श्रीशुक	११३१०२४१	भगवान् शब्दगोचर:	ब्रह्मा	३१५०१५१	भगवान् सात्वतां पति:	सहदेव	१०७४०१९१
भगवान् महदादिभि:	सूत	१०३००११	भगवान् शब्दगोचर:	मैत्रेय	३१५०१११	भगवान् सात्वतां पति:	सूत	१२१२००३२
भगवान् माधवो बल:	श्रीशुक	१०१६०१६१	भगवान् शास्त्रवर्त्मभि:	कपिल	३३२०३३२	भगवान् सात्वतां प्रभु:	युधिष्ठिर	११४०२९२
भगवान् यज्ञपूरुष:	मुनय:	४१४०१८१	भगवान् शूलपाणिना	श्रीशुक	८१२०१४१	भगवान् स्वात्ममायाया	उद्धव	३०४००३१
भगवान् यज्ञपुरुष:	विदुर	४१३००४१	भगवान् श्रैष्ठ्यमास्थित:	श्रीशुक	१०८९०६५२	भगवान् स्वाश्रय: पर:	श्रीशुक	६०५०१२१
भगवान् यज्ञसूकर:	मैत्रेय	३१९००९१	भगवान् स महायशा:	श्रीशुक	९०१०२११	भगवान् स्वेन भागेन	मैत्रेय	४०७०४९१
भगवान् यत्समादिशत्	मैत्रेय	३२१०३७१	भगवान् स सतां गति:	सूत	१२१०००८१	भगवान् हरिरव्यय:	चन्द्रमा	६०४००८१
भगवान् यदभाषत	राजा	४२९०५६१	भगवान् सत्यवत्सल:	श्रीशुक	९०४०११२	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	८०६००११
भगवान् युगवर्तिभि:	करभाजन	११०५०३५१	भगवान् समभिष्टुत:	श्रीशुक	१०१६०५४१	भगवान् हरिरीश्वर:	मैत्रेय	४१९००३१
भगवान् येन गम्यते	नारद	७१००४५१	भगवान् समवस्थित:	मैत्रेय	३१९०१११	भगवान् हरिरीश्वर:	राजा	१००७००११
भगवान् रथमास्थित:	श्रीशुक	१०६५००११	भगवान् सम्प्रसीदति	मनु	४११०१३२	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	९०१०२२१
भगवान् वा विभावसु:	मुचुकुन्द	१०५१०२९१	भगवान् सर्वतो भवेत्	देवहूति:	३२९००३१	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	१०४८०३६१
भगवान् वाञ्छते यदि	धरोवाच	४१८०१०२	भगवान् सर्वदर्शन:	श्रीशुक	१०१८०१८१	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	९१६०२७१
भगवान् वासुदेवस्तम्	नारद	४०८०४०२	भगवान् सर्वभूतेश:	श्रीशुक	१०६२००५१	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	१०३००२८१
भगवान् वासुदेवेति यम्	श्रीशुक	९०९०४९२	भगवान् सर्वयज्ञभुक्	नारद	७१४०१७१	भगवान् हरिरीश्वर:	श्रीशुक	८२४००९२
भगवान् विश्वभावन:	श्रीशुक	६०४०५४१	भगवान् सात्त्वतां पति:	सूत	१०२०१४१	भगवान् हरिरीश्वर:	सूत	१२१११०५०१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भगवान् हरिरीश्वर:	सूत	१२११०२३२	भजन्तीं मे दयां कुरु	जरा	४२७०२६१	भद्रा चोत्तरतो मेरुशिरस:...	श्रीशुक	५१७००८१
भगवान् हृद्गत: सदा	ब्राह्मण	७१३०२११	भजन्तो न विदु: परम्	नारद	४२९०४५२	भद्राश्वं केतुमालं च	सूत	११६०१२१
भगवाल्लोकभावन:	कश्यप	३१४०४०१	भजन्त्यथ त्वामत एव साधव:	पृथु	४२००२९१	भद्राश्वयो: सीमानं विदधाते	ऋषि	५१६०१०१
भगवान् बादरायण:	शौनक	१०७००११	भजन्त्यनन्यया भक्त्या	श्रीभगवान	३२५०४०२	भद्रेलोकेऽधुनाऽऽगतम्	श्रीशुक	८१६००४१
भगस्य कृत्स्नस्य परं परायणम्	श्रीभगवान्	५१७०१८२	भजन्नपक्वोऽथ पतेत्ततो यदि	नारद	१०५०१७२	भयं चातितरिष्यति	श्रीभगवान	३२४०४०२
भगस्य नेत्रे भगवान्	मैत्रेय	४०५०२०१	भजन् मुकुन्दचरणम्	प्रह्लाद	७०७०५०२	भयं तत्त्वावमर्शनात्	नारद	७१५०२२२
भग्नदन्तोऽभवत् पुरा	श्रीशुक	६०६०४३१	भजस्व परमेष्ठिनम्	कपिल	३३२०२२१	भयं तीव्रं निवर्तते	श्रीभगवान	३२५०४१२
भग्नबाहूरुकन्धरान्	श्रीशुक	८०६०३६१	भजस्व भजनीयाङ्घ्रिम्	धनद	४१२००६१	भयं प्रमत्तस्य वनेष्वपि स्यात्	श्रीभगवान	५०१०१७१
भग्नमानेऽतिविह्वल:	उद्धव	३०२०३३१	भजे भजन्यारणपादपङ्कजम्	श्रीभगवान्	५१७०१८१	भयं मृत्युं च सत्तम	मैत्रेय	४०८००४१
भग्नायां भव्ययाच्ञायाम्	मैत्रेय	४१४०३०२	भजेच्छ्रीरिव तत्परा	नारद	७११०२९१	भयनामाभ्यपद्यत	नारद	४२८०२२२
भग्नोरुदण्डे धृतराष्ट्रपुत्रे	सूत	१०७०१३४	भजेत गृहमेध्यपि	नारद	७१४०१०१	भयनाम्नोऽग्रजो भ्राता	नारद	४२८०१११
भग्नोरुमूर्व्या न नन्दन पश्यन्	उद्धव	३०३०१३२	भजेत तत्पादसरोजगन्धम्	सूत	१०३०३८४	भयम् नो बुद्धिमोहनम्	युधिष्ठिर	११४०१०२
भङ्गस्तु योगिनाम्	राजा	२०८०२०१	भजेत रामं मनुजाकृतिं हरिम्	श्रीशुक	५१९००८३	भयात्सहसैवोच्चक्राम	श्रीशुक	५०८००४१
भङ्गुरो यात्युपैति च	प्रह्लाद	७०७०४३२	भजेत वर्णं निजमेष सोऽव्यय:	राजा	८२४०४८३	भयादलब्धनिद्राणाम्	ब्राह्मण	७१३०३१२
भज तं प्रवणात्मना	नारद	४०८०४०२	भजेताद्धा विमुक्तये	नारद	४०८०६१२	भयाद्गरीयसि गुण: प्रसव: सतीनाम्	देवहूति:	३२३०१०४
भज सर्वात्मना हरिम्	नारद	४२९०७९१	भजेम तत्ते भगवन् पदाब्जम्	देवा	३०५०४३२	भयावहा दिवि भूमौ च पर्यक्	मैत्रेय	४०५०१२२
भजतां भाववर्धन:	नारद	४०८०६०१	भण्यतां श्रोतुकामानाम्	नारद	७०५०१०२	भयेन तीव्रेण विहस्य वीर:	श्रीशुक	६१००३०४
भजतानीहयाऽऽमानम्	प्रह्लाद	७०७०४८२	भद्र रुद्रावमर्शितम्	मैत्रेय	४०७०४८१	भरतर्षभ धारयन्ति	ऋषि	५१६०१३१
भजते शनकैस्तस्य	श्रीभगवान	४२०००९२	भद्र: शान्तिरिडस्पति:	मैत्रेय	४०१००७१	भरतस्तु महाभागवतो यदा ...	श्रीशुक	५०७००११
भजत्युत्सृजति ह्यन्य:	यम	७०२०४६२	भद्रं द्विजगवां ब्रह्मन्	अदिति	८१६०१११	भरतस्यात्मज: सुमति:...	श्रीशुक	५१५००११
भजनीयपदाम्बुजम्	कपिल	३३२०२२२	भद्रं प्रजानामन्विच्छन्	श्रीशुक	२०९०३९३	भर्तर्याप्तोरुमानानाम्	दिति:	३१४०१११
भजन्त इष्टां गतिमाप्नुवन्ति	गजेन्द्र	८०३०१९२	भद्रं भवत्या न ततो भविष्यति	श्रीभगवान	४०३०२५१	भर्तर्युपरते तस्मिन्	मैत्रेय	४१४०३९२
भजन्तं भजमानस्य	नारद	७०२००७२	भद्रकाली तरस्विनी	श्रीशुक	८१००३१२	भर्तु: पादावनुस्मरन्	श्रीशुक	३०२००३२
भजन्ति ह्यनसूयव:	सूत	१०२०२६२	भद्रकाल्या: पुरत उपवेशयामासु:	श्रीशुक	५०९०१५१	भर्तु: पुरस्तादात्मानम्	मैत्रेय	३२३०३५१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
भर्तु: प्रियं द्रौणिरिति स्म पश्यन्	सूत	१०७०१४१	भवच्छिदमयाचेऽहम्	ध्रुव	४०९०३४३	भवत्पदानुस्मरणादृते सताम्	पृथु	४२००२९३
भर्तु: शुश्रूषणं च न:	श्रीशुक	८२१०१३१	भवत: कच्चिदात्मना	नारद	१०५००२१	भवत्पदाम्भोजनिषेवणोत्सुक:	उद्धव	३०४०१५२
भर्तु: स मे स्याद्यदि वीर भार:	ब्राह्मण	५१०००९२	भवत: कुलनन्दन	श्रीशुक	८२३०२८१	भवत्पदाम्भोजसुधा कणानिल:	पृथु	४२००२५२
भर्तुर्गन्तुर्भवतश्चानुमन्ये	रहूगण	५१००२१२	भवत: पुरुषर्षभ	नारद	४२९०५२१	भवत्यकर्तुरीशस्य	श्रीभगवान	३२६००७२
भर्तुर्गुरोर्देहकृतश्च केतनम्	सती	४०३०१३२	भवतश्चात्मतोषणम्	नारद	१०६०३७२	भवत्या लक्षणैरहम्	श्रीशुक	८१६०१०२
भर्तुर्नाम महाराज पार्षदा:	श्रीशुक	६०१०३०२	भवतस्तु वृणे वरम्	प्रह्लाद	७१०००७२	भवत्वजमुखं शिर:	श्रीमहादेव	४०७००३१
भर्तुर्मिथ: सुयशस: कथनानुराग	ब्रह्मा	३१५०२५३	भवता करुणात्मना	विदुर	४३१०२९१	भवत्सु कुशलप्रश्न	पृथु:	४२२०१४१
भर्तुश्च विप्रियं वीर	श्रीभगवान	१०७०३९२	भवता खल: स उपसंहृत प्रभो	मनव	७०८०४८३	भवत्सु कृष्णं समनुव्रतेषु	ऋषय	११९०२०२
भर्तृदर्शनलालसा:	सूत	१११००३२	भवता गदतो मम	मैत्रेय	४०१०१०२	भवद्भिरमृतं प्राप्तम्	नारद	८११०४४१
भर्तृस्नेहविदूराणाम्	वेन	४१४०२५२	भवता भूरिकर्मणा	बलि:	८२२००७१	भवद्भिर्गौरवं कुलम्	द्रौपदी	१०७०४६१
भर्त्रा गुह्यकरक्षसाम्	मैत्रेय	४०६०३४२	भवता यदुदीरितम्	राजा	६१९००११	भवद्भिर्निर्जिता ह्येते	बलि:	८२१०२३१
भर्त्रा वै शूलपाणय:	नारद	७०५०३९१	भवता यद्विनिश्चितम्	ऋषय	१०१००९१	भवद्भिर्मामनुव्रतै:	श्रीभगवान	३१६००३१
भर्त्सिते यतवाग्भयात्	पुरञ्जन	४२८०१९२	भवता विदुषा चापि	सनत्कुमार	४२२०१८२	भवद्भिर्लोकपालकै:	धरोवाच	४१८००७१
भल्लै: सञ्छिद्यमानानाम्	मैत्रेय	४१००१८१	भवतां च यदप्रियम्	भीष्म	१०९०१४१	भवद्भिर्लोकमङ्गलम्	सूत	१०२००५१
भव आस्ते सहोमया	श्रीशुक	८१२०१७२	भवतां प्रार्थितं सर्वम्	विश्वरूप	६०७०३७२	भवद्भिस्तीर्थका: कृता:	परीक्षित्	११९०३२२
भव: पर: सोऽथ विरिञ्चवीर्य:	ऋषभ	५०५०२२३	भवतानुगृहीतानामाशु	ब्रह्मा	४०६०५२२	भवद्विधा भागवता:	युधिष्ठिर	११३०१०१
भव: प्रमुषितेन्द्रिय:	श्रीशुक	८१२०२७१	भवतानुदितप्रायं यश:	नारद	१०५००८१	भवद्विधानां महताम्	देवा	६१०००५२
भवं देवमनुव्रता	मैत्रेय	४०१०६५१	भवतामपि भूयान्मे	प्रह्लाद	७०७०१७१	भवद्विधेष्वतितरां मयि	श्रीभगवान	३२१०२४२
भवं प्रजापतीन्देवान्	नारद	७१००३२२	भवताराधसा राद्धम्	श्रीरुद्र	४२४०३३२	भवद्विधो भवान्वापि	गुरु:	८१५०२९१
भवं प्रह्लादमेव च	श्रीभगवान्	८०४०२०२	भवतु मे भगवान् गतिर्मुकुन्द:	भीष्म	१०९०३८४	भवद्विपक्षेण विचित्रवैशसम्	बलि:	८२२००८३
भवं भवान्यप्रतिपूरुषं रुषा	मैत्रेय	४०४००२२	भवतैवानुभूयते	अङ्गिरा	६१५०२११	भवन्त आम्नायविधानकोविदा:	बलि:	८२००११२
भवं भाग्यविवर्जित:	ध्रुव	४०९०३४३	भवतो दर्शनं यत्स्यात्	कुन्ती	१०८०२५२	भवन्तं चामरोत्तमम्	धरणी	११६०३११
भवच्छिद: पादमूलं गत्वा	ध्रुव	४०९०३१२	भवतो विदुषश्चापि	चित्रकेतु	६१४०२४२	भवन्ति काले न भवन्ति सर्वश:	यम	७०२०४१२
भवच्छिदं स्वस्त्ययना सुमङ्गलम्	ब्रह्मा	२०६०३५१	भवतोऽदर्शनं यर्हि	कुन्ती	१०८०३८२	भवन्ति क्रमशो मिथ:	जीव	६१६००५२

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद
भवन्ति चैव युगपत्	मैत्रेय	३११०२४३	भवानादातुमर्हति	धरोवाच	४१८००८२	भवान् हि भगवत्पर:	ब्राह्मण	७१३०४५२
भवन्ति न भवन्ति च	अङ्गिरा	६१५००४१	भवानारोढुमर्हति	सुरुचि	४०८०१११	भवापवर्गमाश्रिता:	चारणा	७०८०५११
भवन्ति पुरुषा लोके	नृसिंह	७१००२११	भवानीं भगवान्भव:	श्रीशुक	८१२०४२१	भवापहं त्वा भवभावमीश्वरम्	श्रीभगवान्	५१७०१८४
भवन्ति भूपा न भवन्त्यनुक्रमात्	नारद	४३१०१७२	भवानीं विश्वभावन:	श्रीशुक	८०७०४११	भवाय देव्याभिमतं मुनीनाम्	श्रीशुक	८०७०२०२
भवन्ति स्म प्रजापते:	मैत्रेय	३१२०४७२	भवानीनाथै: स्त्रीगणार्बुद...	श्रीशुक	५१७०१६१	भवाय नस्त्वं भव विश्वभावन	सूत	१११००७१
भवन्ति हृत्कर्णरसायना: कथा:	श्रीभगवान	३२५०२५१	भवानीव भवं प्रभुम्	मैत्रेय	३२३००१२	भवाय नाशाय च कर्म कर्तुम्	श्रीभगवान	५०१०१३१
भवन्तो जानते यथा	राजा	२०८००७३	भवान्कल्पविकल्पेषु	श्रीभगवान	२०९०३६३	भवाय रूपाणि दधद्युगे युगे	पुरस्त्री	११००२५४
भवन्त्यभद्राणि नरेश्वराणाम्	ब्रह्मा	६०७०२४४	भवान्देवमतीतृपत्	सुनन्दनन्द	४१२०२३२	भवाय श्रेयसे भूत्यै	नारद	७०३०१३२
भवन्त्येव हि तत्काले	वृत्र	६१२०१३२	भवान्परित्रातुमिहावतीर्ण:	ब्रह्मा	४१९०३७१	भवायानागसे रूषा	मैत्रेय	४०१०६६१
भवन्त्वध्वर्यवश्चान्ये	श्रीमहादेव	४०७००५२	भवान्प्रजापते: साक्षात्	युधिष्ठिर	७११००३१	भवायैकां भवच्छिदे	मैत्रेय	४०१०४८२
भवप्रदां गेहरतिं छिनत्ति	विदुर	३०५०११२	भवान्मा मां द्रष्टुमिहार्हति	नारद	१०६०२२१	भवितव्यं मङ्गलेन	अजामिल	६०२०३२२
भवप्रवाहोपरमं पदाम्बुजम्	कुन्ती	१०८०३६४	भवान्मानद मानयन्	ब्रह्मा	३२४०१२२	भविता येन संराद्धाम्	श्रीशुक	८१३०२०२
भवव्रतधरा ये च	भृगु	४०२०२८१	भवान्मे खलु भक्तानाम्	नृसिंह	७१००२१२	भविता रुद्रसावर्णी	श्रीशुक	८१३०२७१
भवश्च जग्मतु: स्वं स्वम्	श्रीशुक	८०६०२७२	भवान्या अपि पश्यन्त्या	श्रीशुक	८१२०२५२	भविता विश्रुत: पुत्र:	श्रीभगवान	४३००१२१
भवसिन्धुप्लवो दृष्ट:	नारद	१०६०३५३	भवान्वै कुलपावन:	नृसिंह	७१००१८२	भवितारोऽङ्ग भद्रं ते	देवा	४०१०३१२
भवस्तवाय कृतधी:	मैत्रेय	४०७०१११	भवान्हि वेद तत्सर्वम्	धरणी	११६०२५१	भवितुमर्हन्ति यदृच्छयोपगतानि	राजा	५०६००११
भवस्य देवस्य किलानुपश्यत:	श्रीशुक	८१२०२३४	भवान् नन्वार्यसम्मत:	ब्राह्मण	७१३०२०१	भवितेन्द्रो मदाश्रय:	श्रीभगवान्	८२२०३१२
भवस्य पत्नी तु सती	मैत्रेय	४०१०६५१	भवान् प्रणीतो दृग्गोचरां दशाम्	हिरण्यकशिपु	७०२०३३२	भवितैक: सतां मत:	कश्यप	३१४०४४१
भवांस्तु पुंस: परमस्य मायया	ब्रह्मा	४०६०४९१	भवान् भक्तिमता लभ्य:	श्रीरुद्र	४२४०५४१	भवितैकस्तवात्मज:	अङ्गिरा	६१४०२९१
भवाटवीं याति न शर्म विन्दति	ब्राह्मण	५१३००१४	भवान् भगवत: प्रभो:	विदुर	४१७००६१	भविष्यतश्च भद्रं ते	नारद	४२९०६६२
भवानतार्षीन्मायां वै	इन्द्र	६१२०२०१	भवान् भगवतो नित्यम्	मैत्रेय	३०५०२११	भविष्यतस्तवाभद्रौ	कश्यप	३१४०३८१
भवानमुष्मिन् भ्रमते मनो मे	रहूगण	५१२००४४	भवान् यमनुशोचति	अङ्गिरा	६१५००२१	भविष्यति पृथुश्रवा:	ऋषय:	४१५००४२
भवानहो द्वेष्टि शिवं शिवेतर:	देवी	४०४०१४२	भवान् युगान्तार्णव ऊर्मिमालिनि	भद्रश्रवस	५१८०२८१	भविष्यन्ति स्वयोगत:	श्रीशुक	८१३०१६१
भवानाचरितान्धर्मान्	श्रीभगवान्	८१९०१५१	भवान् संसारबीजेषु	प्रह्लाद	७१०००३२	भविष्यन्त्यृषयस्तत:	श्रीशुक	८१३०१९२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भविष्यन्त्यृषयस्तदा	श्रीशुक	८१३०३१२	भगो म ऐश्वरो भाव:	श्रीभगवान्	१११९०४०१	भजन्त्यभजत: कुत:	श्रीभगवान	१०३२०१९१
भविष्याण्यथ वक्ष्यामि	श्रीशुक	८१३००७२	भगो लाभश्च केशव	उद्धव	१११९०३०१	भजन्त्यभजतो ये वै	श्रीभगवान	१०३२०१८१
भवे मय्यपि चादरात्	कश्यप	३१४०४३२	भग्नं विलोक्य स्वसुतस्य कर्म	श्रीशुक	१००९००७३	भजन्त्यशिवं शिवम्	राजा	१०८८००११
भवे शीलवतां श्रेष्ठे	विदुर	४०२००११	भग्नचापान युध्यत:	दैतेया	१००४०३५२	भजन् निर्गुणो भवेत्	श्रीशुक	१०८८००५२
भवेऽस्मिन्क्लिश्यमानानाम्	कुन्ती	१०८०३५१	भग्नदर्पा: समं यान्ति	श्रीशुक	१०६८००४२	भजमानस्तु तत्सुत:	श्रीशुक	९२४०२६१
भवेऽस्मिन् यद् गृहाश्रम:	नारी	४२५०४०२	भग्नवीर्या: सुदुर्मर्षा	श्रीशुक	१०५८०५३२	भजमानस्य निम्लोचि:	श्रीशुक	९२४००७२
भवेद् यावदिहेश्वर:	नारद	११३०४९२	भग्नार्जुनमथाह्वयत्	श्रीशुक	१०११०१२१	भजमानो भजिर्दिव्यो	श्रीशुक	९२४००६२
भवेद्भक्तिर्भगवति यया	मैत्रेय	४१२०४६२	भग्ने भग्ने पुन: पुन:	श्रीशुक	१०६७०२२१	भजस्व क्षत्रियर्षभम्	श्रीभगवान	१०६००१७१
भवेन परितुष्यता	मैत्रेय	४०७००११	भग्नो मृधे खलु भवन्तमनन्तवीर्यम्	बन्दीनृप	१०७००३०२	भजाम्यमीषामनुवृत्तिवृत्तये	श्रीभगवान	१०३२०२०२
भवो भवान्या निधनं प्रजापते:	मैत्रेय	४०५००११	भज मां भक्तिभावित:	श्रीभगवान्	१११९००५२	भजेन्नित्यमनन्यभाक्	श्रीभगवान्	१११८०४४१
भव्यं भवच्च यत्	ब्रह्मा	२०६०१५१	भज सखे भवत्किङ्करी: स्म न:	गोप्य	१०३१००६३	भज्यन्मध्यैश्चलकुचपटै:	श्रीशुक	१०३३००८२
भस्मदण्डजटाजिनम्	मैत्रेय	४०६०३६१	भजति सरूपतां तदनु मृत्युमपेतभग:	श्रुतय	१०८७०३८२	भज्यमानपुरोद्यान	श्रीशुक	१०६३००५१
भस्मन्येव जुहोति स:	श्रीभगवान	३२९०२२२	भजते तादृशी: क्रीडा या:	श्रीशुक	१०३३०३७२	भटा आवेदयांचक्रू	श्रीशुक	१०६२०२८१
भस्मन् हुतं कुहकराद्धमिवोप्तमूष्याम्	अर्जुन	११५०२१४	भजते निर्गुणो गुणान्	उद्धव	१०४६०४०१	भटाश्वरथकुञ्जरै:	श्रीशुक	१०५०००८१
भस्मसात्क्रियमाणाम्	मैत्रेय	४३००४६१	भजते: प्रकृतिं तस्य	श्रीभगवान्	११२१०१३२	भटै: कतिपयैर्वृत:	श्रीशुक	९२०००९२
भस्मावगुण्ठामलरुक्मदेह:	कश्यप	३१४०२४२	भजतो मासकृन्मुने:	श्रीभगवान्	११२००२९१	भटै: पुरटवर्मभि:	श्रीशुक	९१००३८१
भस्रा किं न श्वसन्त्युत	शौनक	२०३०१८१	भजतोऽनुभजन्त्येक एक एतद्विपर्ययम्	गोप्य	१०३२०१६१	भटैरनीकैरवलोक्य माधव:	श्रीशुक	१०६२०३३२
भगिनीं हन्तुमारब्धम्	श्रीशुक	१००१०३५२	भजतोऽपि न वै केचित्	श्रीभगवान	१०३२०१९१	भटैर्गुप्ताम्बिकालयम्	श्रीशुक	१०५३०३९२
भगिन्य: पञ्च कन्यका:	श्रीशुक	९२४०३११	भजनीयगुणालयम्	श्रीशुक	९०२०३११	भण्यतां प्रायश: पुम्भि:	श्रीभगवान्	१०८८०३०२
भगिन्या चाभिवन्दित:	श्रीशुक	१०७१०४१२	भजन्तं भजतोरपि	सुदामा	१०४१०४७२	भद्र पूजापदानि मे	श्रीभगवान्	१११११०४२२
भगिन्यो भ्रातृपुत्राश्च	कुन्ती	१०४९००८२	भजन्ति चरणाम्भोजम्	श्रीशुक	९१३००९२	भद्रकालीं समानर्चु:	श्रीशुक	१०२२००५२
भगीरथ: कुवलयाश्व:	श्रीशुक	१२०३०१०२	भजन्ति ये यथा देवान्	वसुदेव	११०२००६१	भद्रचारुस्तथापर:	श्रीशुक	१०६१००८२
भगीरथ: स राजर्षि:	भगीरथ	९०९०१०१	भजन्त्यनन्यभावेन	श्रीभगवान्	११११०३३२	भद्रसेनमुदारधी:	श्रीशुक	९२४०५४१
भगीरथस्तस्य सुत:	श्रीशुक	९०९००२२	भजन्त्यनाशिष: शान्ता	श्रीशुक	१०८९०१८२	भद्रां जाम्बवतीं तथा	श्रीशुक	१०७१०४२२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
भद्राश्व इति भारत	श्रीशुक	९०६०२४१	भर्तुर्विज्ञाय मानिनी	श्रीशुक	९१८०३४१	भवता सोमसूर्ययो:	राजा	१००१००११
भयं द्वितीयाभिनिवेशत: स्यात्	कवि	११०२०३७१	भर्तुस्त्यागविशङ्किताम्	श्रीशुक	९२००३७१	भवतां किं विचारित:	श्रीभगवान	१०२४००७१
भयं वा येऽज्ञसम्भवा:	श्रीशुक	१०७७०३११	भर्त्रे प्रादादुपायनम्	श्रीशुक	१०८००१४२	भवतां प्रपितामही	श्रीशुक	१०४९०१४२
भयविह्वललोचना	श्रीशुक	१०५४००४२	भर्त्रेह प्रेषित: पित्रो:	गोप्य	१०४७००४२	भवतां यदि रोचते	उपनन्द	१०११०२९२
भयादेरिव सत्तम	श्रीभगवान्	११२९०२१२	भर्त्सयन् कृष्णपक्षीयान्	श्रीशुक	१०७४०४२२	भवतीनां मदर्चनम्	श्रीभगवान	१०२२०२५१
भयाद्धाहेति चुक्रुशु:	श्रीशुक	१०१२०२९१	भर्म्याश्च: प्राह पुत्रा	श्रीशुक	९२१०३२२	भवतीनां मदापन:	श्रीभगवान्	१०८२०४५२
भयानकावर्तशताकुला नदी	श्रीशुक	१००३०५०३	भर्म्याश्चस्तनयस्तस्य	श्रीशुक	९२१०३१२	भवतीनां वियोगो मे	श्रीभगवान	१०४७०२९१
भर द्वाजं बृहस्पते	श्रीशुक	९२००३८१	भलन्दन: सुतस्तस्य	श्रीशुक	९०२०२३२	भवतीनां सुखावह:	उद्धव	१०४७०२८१
भरत: प्राप्तमाकर्ण्य	श्रीशुक	९१००३५२	भल्लादो बार्हदीषवा:	श्रीशुक	९२१०२६२	भवतीनामधोक्षजे	उद्धव	१०४७०२७१
भरतस्य महत्कर्म	श्रीशुक	९२००२९१	भल्लेन छित्त्वाथ रथाङ्गमद्भुतम्	श्रीशुक	१०७७०३५२	भवतीभिरनुत्तमा	उद्धव	१०४७०२५१
भरतस्य महीपते	श्रीशुक	९११०१२२	भवत उपासतेऽङ्घ्रिमभवं भुवि विश्वसिता:	श्रुतय	१०८७०२०४	भवतो दर्शनं मम	श्रीशुक	९१८०२१३
भरतस्य हि दौष्यन्ते:	श्रीशुक	९२००२६२	भवत: केवलात्मन:	यदु	११०७०३०२	भवतो यद् व्यवसितम्	श्रीभगवान	१०६३०४६२
भरतो विजये दिशाम्	श्रीशुक	९११०१३२	भवत: पुरुषोत्तम	ब्रह्मा	११०६०२५१	भवतो विबुधादय:	श्रीभगवान	१०४५०१४१
भरद्वाजमुपाददु:	श्रीशुक	९२००३५२	भवत: प्रकृतेर्गुणा:	अक्रूर	१०४००१११	भवतोदाहृत: स्वामिन्	उद्धव	१११४००२१
भरद्वाजस्ततस्त्वयम्	श्रीशुक	९२००३८२	भवता करुणात्मना	राजा	१२०६००२१	भवत्पदाम्भोरुहनावमत्र ते	देव	१००२०३१३
भरद्वाजाऽथ गौतम:	श्रीशुक	१०८४००३२	भवता दर्शितं क्षेमम्	राजा	१२०६००७२	भवत्पादनिषेवया	नारद	१०६९०३८२
भरस्व पुत्रं दुष्यन्त	श्रीशुक	९२००२१२	भवता भगवत्यजे	श्रीशुक	१०२९०१६१	भवत्पादहतांहस:	श्रीभगवान्	१०८९०१२२
भरुकस्तत्सुतस्तस्मात्	श्रीशुक	९०८००२१	भवता मधुसूदन	उद्धव	१११७००६१	भवत्या निर्जने वने	श्रीशुक	९२००१११
भर्जिता क्वथिता धाना:	श्रीभगवान	१०२२०२६२	भवता रामकेशवौ	श्रीशुक	१०३६०२११	भवत्या: प्रेमयन्त्रित:	श्रीशुक	९१९०१२१
भर्तु: प्रीतस्य निष्कृतिम्	श्रीशुक	१०४६०४९१	भवता लब्धदक्षिणात्	श्रीभगवान्	१०८००२८१	भवत्यो यदि मे दास्य:	श्रीभगवान	१०२२०१६१
भर्तु: शुश्रूषणं स्त्रीणाम्	श्रीभगवान	१०२९०२४१	भवता लोकनाथेन	सुरभि	१०२७०१९२	भवत्यो यन्त्रिताशया:	श्रीभगवान	१०२९०२३१
भर्तु: सीताहरन्मन:	श्रीशुक	९१००५६२	भवता शत्रुकर्शन	श्रीभगवान्	१०७२००७१	भवत्यो लोकपूजिता:	उद्धव	१०४७०२३१
भर्तुरङ्कात् समुत्थाय	श्रीशुक	९०१०३०२	भवता सत्यकामेन	सुदामा	१०८००४४२	भवत्संदर्शनार्थिन:	नृग	१०६४०२५२
भर्तुरन्तिकमागत्	श्रीशुक	९२००१९२	भवता सात्वतर्षभ	नारद	११०२०१११	भवदाराधनं प्रभो	उद्धव	११२७००११

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भवद्दर्शनकाङ्क्षिण:	दूत	१०७००३११	भवन्तौ किल विश्वस्य	सुदामा	१०४१०४६१	भवान् भागवत तत्त्ववित्	शौनक	१२११००१२
भवद्भिरंशैर्यदुषूपजन्यताम्	ब्रह्मा	१००१०२२२	भवन्तौ वीरसंमतौ	चाणूर	१०४३०३२१	भवान् भोजयशस्कर:	वसुदेव	१००१०३७१
भवद्भिर्यदहं पृष्ट:	सूत	१२१२००२२	भवन्त्यद्यतनाश्च ये	राजा	९०१००५१	भवान् येतेन साधुना	श्रीशिव	१२१०००७१
भवद्भिर्यन्नियुज्यते	सुदामा	१०४१०४८२	भवन्त्युद्वेजिनोऽहय:	भगवान	१०६४०४०२	भवान् सर्वमिदं जगत्	वसुदेव	१०८५०१७२
भवद्भिर्विश्वतोभयात्	वसुदेव	११०२००९१	भवन्त्विह परत्र च	गुरु	१०४५०४८२	भवान् हि कारणं तत्र	श्रीशुक	१०१६०५९१
भवद्भिश्च स्वबन्धुभि:	श्रीभगवान्	११३००४७१	भवन्त्विह परत्र च	सांदीपनि	१०८००४२२	भवान् हि सर्वभूतानाम्	बहुलाश्व	१०८६०३११
भवद्भ्यां गुरुनिष्क्रय:	गुरु	१०४५०४७१	भवपत्नीं भवान्विताम्	श्रीशुक	१०५३०४५२	भवापवर्गाय भजाम देवम्	श्रीरुद्र	१०६३०४४४
भवद्भ्यां न विना किंचित्	अक्रूर	१०४८०१८२	भवभयमपहन्तुं ज्ञानविज्ञानसारम्	श्रीशुक	११२९०४९१	भवापवर्गो भ्रमतो यदा भवेत्	मुचुकुन्द	१०५१०५४१
भवद्भ्यामिह सम्प्राप्तौ	कंस	१०३६०२४१	भवभीता: पृथग्धिय:	बन्दीनृप	१०७००२५२	भवाप्ययावनुध्यायेन्	श्रीभगवान्	११२००२२२
भवद्भ्यामुद्धृतं कृच्छ्रात्	अक्रूर	१०४८०१७२	भवश्च भूतभव्येश:	श्रीशुक	११०६००१२	भवाब्धौ परमायणम्	श्रीभगवान्	११२६०३२१
भवद्भ्यामुपलालित:	वसुदेव	१००५०२७२	भवानीं वन्दयाञ्चक्रु:	श्रीशुक	१०५३०४५२	भवाम्बुधिर्वत्सपदं परं पदम्	श्रीशुक	१०१४०५८३
भवद्विधा महाभागा	श्रीभगवान	१०४८०३०१	भवानेक: शिष्यते शेषसंज्ञ:	देवकी	१००३०२५४	भवाय भव गोविप्र	सुरभि	१०२७०२०२
भवने विष्णुयशस:	श्रीशुक	१२०२०१८२	भवान्पापमकारषीत्	श्रीशुक	९१५०३८१	भवाय युष्मच्चरणानुवर्तिनाम्	इन्द्र	१०२७००९४
भवन्त ऋतभाषिण:	श्रीभगवान्	१०७३०१९१	भवान्पृच्छति यच्च माम्	श्रीभगवान्	१११८०४८१	भवाय विभवाय च	नलकूबर	१०१००३५१
भवन्त एतद् विज्ञाय	श्रीभगवान्	१०७३०२११	भवान्या च समं भव:	श्रीशुक	११३१००११	भवार्णवं भीममदभ्रसौहृदा:	देव	१००२०३१२
भवन्तं बहुवित्तमम्	शौनक	१२११००११	भवान्या: पादपल्लवम्	श्रीशुक	१०५३०४०१	भवार्णवं मृत्युपथं विपश्चित:	श्रीशुक	९०८०१४३
भवन्तं वै सुरादय:	नारद	१०७००४२१	भवान् कामवशं गत:	श्रीशुक	९१००२७१	भविता तद् बृहद्रथ:	श्रीशुक	१२०१०१५१
भवन्तावनुगृह्णीताम्	नृग	१०६४०२०१	भवान् दातापहर्तेति	नृग	१०६४०१८२	भविता पृथिवीपति:	श्रीशुक	१२०१०२३१
भवन्ति काले न भवन्ति हीदृशा:	श्रीरुद्र	९०४०५६३	भवान् ध्यायति प्रेमबद्ध:	महिष्य	१०९००२०२	भविता मरुदेवोऽथ	श्रीशुक	९१२०१२१
भवन्ति किल विश्वात्मंस्तम्	देवकी	१०८५०३१२	भवान् न: परिपालनात्	देवता	१०५१०१६२	भविता राजकस्तत:	श्रीशुक	१२०१००३२
भवन्ति तूर्ष्णीं परमेत्य निर्वृता:	प्रबुद्ध	११०३०३२४	भवान् नारायणसुत:	रति	१०५५०१२१	भविता शरणं शुनाम्	श्रीभगवान	१०६६००९२
भवन्ति न भवन्ति च	श्रीभगवान्	११२२०४२१	भवान् प्रविशतामग्रे	श्रीभगवान	१०४१०१०१	भविता सहदेवस्य	श्रीशुक	९२२०४६१
भवन्ति न भवन्ति च	श्रीशुक	१२०४०२५१	भवान् प्रियचिकीर्षया	गोप्य	१०४७००४२	भवितारश्च बाह्लिका:	श्रीशुक	१२०१०३४१
भवन्ति वै भागवतस्य राजन्	कवि	११०२०४३३	भवान् भक्षितवान् रह:	श्रीशुक	१००८०३४१	भवितारो वदामि ते	श्रीशुक	९२२०४५२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भवित्री नष्टकण्टका	कंस	१०३६०३५१	भस्मीभवतु तत्क्षणात्	देवता	१०५१०२२२	भारतेऽपि वर्षे भगवान्...	श्रीशुक	५१९००९१
भविष्यं ब्रह्मवैवर्तम्	सूत	१२०७०२४१	भस्मीभूता: स्म शेरते	भगीरथ	९०९०१०२	भारतेऽप्यस्मिन् वर्षे सरिच्छैला:...	श्रीशुक	५१९०१६१
भविष्यति कलौ युगे	श्रीभगवान्	११०७००५२	भस्मीभूताङ्गसङ्गेन	भगीरथ	९०९०१३१	भारतैवं वत्सपेषु	श्रीशुक	१०१३०१२१
भविष्यति तदा नृणाम्	श्रीशुक	१२०२०३४२	भागं प्रत्यक्षमुच्चकै:	श्रीशुक	६०९००२१	भारद्वाजं सगौतमम्	श्रीशुक	१०४९००२१
भविष्यति परं श्रेय:	श्रीभगवान	१०४१०३३२	भागं बर्हिषि या वृङ्क्ते	पृथु	४१७०२२२	भारद्वाजांश्च बर्हिण:	श्रीशुक	१०१५०१३१
भविष्यत्यचिरात्साध:	श्रीभगवान्	११०७००४२	भागलक्षणमानत:	राजा	६०१००५१	भारद्वाजो गौतम: पिप्पलाद:	सूत	११९०१०२
भविष्यत्युल्बणा भुवि	अन्तरिक्ष	११०३००९१	भागवत परम हंसानाम्	श्रीशुक	५०९०२०१	भारम् मेने हृतं भुव:	श्रीशुक	१०७९०२२२
भविष्यन्ति कलौ प्रजा:	श्रीशुक	१२०३०४०२	भागवतप्रवरो नृप	श्रीशुक	१०३७०१०१	भारव्यायाय च भुव: कृष्णौ	मैत्रेय	४०१०५९२
भविष्यन्ति च पार्थिवा:	श्रीशुक	१२०२०२५१	भागवतप्रवरो मुनि:	श्रीशुक	१०३७०२५१	भारशाखामरद्रुमै:	श्रीशुक	८१५०१३१
भविष्यन्त्यजरामरा:	श्रीभगवान	१०६३०४९१	भागवतमुख्येन दाशार्हमुख्य:	श्रीशुक	११२३००१२	भाराक्रान्तस्य कामिन:	श्रीशुक	१०३००३२२
भविष्यन्त्यतिलोलुपा:	श्रीशुक	१२०१०२९२	भागवतमुख्यो भगवान्	मैत्रेय	४२९०८०१	भारावतरणं भूमे:	सूत	१२१२०४०२
भविष्यन्त्यधिकानि षट्	श्रीशुक	१२०१०३३२	भागवतान् हि तान्	कवि	११०२०३४२	भारावतारणायान्ये	कुन्ती	१०८०३४१
भविष्यन्त्यपराणि भो:	उर्वशी	९१४०३९२	भाण्डीरकं नाम वटम्	श्रीशुक	१०१८०२२२	भारावताराय भुवो निजेच्छया	अक्रूर	१०३८०१०२
भविष्यो बारहद्रथ:	श्रीशुक	१२०१००२१	भातं वज्रकपाटवत्	मैत्रेय	३२३०१८१	भारेण कनाकाचल:	श्रीशुक	८०६०३५२
भवे भवे यथा भक्ति:	सूत	१२१३०२२१	भानु: सुभानु: स्वर्भानु:	श्रीशुक	१०६१०१०१	भारेण गां सन्नमयन्पदे पदे	श्रीशुक	८१८०२०४
भवेऽत्र वान्यत्र तु वा तिरश्चाम्	ब्रह्मा	१०१४०३०२	भानुमांस्तस्य पुत्रोऽभूत्	श्रीशुक	९१३०२१२	भारोऽपनीतस्तव जन्मनेशितु:	देव	१००२०३८२
भवेद् वार्ता द्वयोरपि	दत्तात्रेय	११०९०१०१	भानुर्लम्बाककुब्जामि:	श्रीशुक	६०६००४१	भार्गभूमिरभून्नृप	श्रीशुक	९१७००९२
भवेन्नियुद्धं माधर्म:	श्रीभगवान	१०४३०३८२	भानोस्तु देवऋषभ	श्रीशुक	६०६००५१	भार्गवस्य विचेष्टितम्	श्रीशुक	९०३००६१
भवो न साक्षान्न भिदाऽऽत्मन: स्यात्	अक्रूर	१०४८०२२२	भार: परं पट्टकिरीटजुष्टम्	शौनक	२०३०२११	भार्म्या: पञ्चालका इमे	श्रीशुक	९२२००३१
भवो निरोध: स्थितिरप्यविद्यया	देव	१००२०३९३	भारं कृतान्तेन तिरश्चकार	उद्धव	३०२०१८२	भार्ययाम्बरचारिण्या	श्रीशुक	१०५५०२५२
भवौषधाच्छ्रोत्रमनोऽभिरामात्	राजा	१००१००४२	भारं भुवो हर यदूत्तम वन्दनं ते	देव	१००२०४०४	भार्या बालात्मजाऽऽत्मजा:	श्रीभगवान्	१११७०५७१
भस्मसादभवत् क्षणात्	श्रीशुक	१०५१०१२२	भारतं चोत्तरान्कुरून्	सूत	११६०१२१	भार्या रुद्रांश्च कोटिश:	श्रीशुक	६०६०१७१
भस्मसादभवन् क्षणात्	श्रीशुक	९०८०१२२	भारतव्यपदेशेन	सूत	१०४०२९१	भार्या संवरणस्य या	श्रीशुक	८१३०१०१
भस्मान्ति ददृशे हयम्	श्रीशुक	९०८०२०२	भारती हारमुत्तमम्	मैत्रेय	४१५०१६१	भार्यां चात्मसमां दीन:	दत्तात्रेय	११०७०६७२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भार्यां न्यस्य सहैव वा	श्रीभगवान्	११९८००११	भावा जन्मादयोऽसकृत्	श्रीभगवान्	१११००१६२	भाव्यां तेनैव नान्यथा	देवा	४०१०३०१
भार्यां शैब्यापतिर्भयात्	श्रीशुक	९२३०३५२	भावा देहस्य नात्मन:	दत्तात्रेय	११०७०४८१	भाषन्ते ब्राह्मणा यथा	श्रीभगवान्	११२२००४१
भार्यापुत्रावनिन्दितौ	श्रीशुक	९२००२०१	भावा ये चास्य हेतव:	श्रीभगवान्	१०८६०५६१	भाष्यत औपधर्म्यम्	ब्रह्मा	२०७०३७४
भार्यामाह प्रजापति:	मैत्रेय	३१४०३६२	भावात्मा कृताञ्जलि:	मैत्रेय	३२१०१२२	भासभल्लूकबर्हिण:	मैत्रेय	३१००२४१
भार्यामुद्दिश्य कस्यचित्	श्रीशुक	९११००८२	भावाद्वैतं क्रियाद्वैतम्	नारद	७१५०६२१	भासयन्तीं दिश: शौरि:	श्रीशुक	१०७७०१३२
भार्याया द्विजसत्तम:	श्रीशुक	१०८९०३६१	भावाद्वैतं तदुच्यते	नारद	७१५०६३२	भासानितम्बधृतया च पराध्यकाञ्चया	श्रीशुक	१०६०००८४
भार्यायां तन्तवेऽर्थित:	श्रीशुक	९०६००२१	भावानां तत्कृता भिदा	श्रीभगवान्	१११३०३११	भासारुणायिततनुद्विजकुन्दपङक्ति	श्रीभगवान	३२८०३३२
भार्याशतेन निर्विण्ण	श्रीशुक	९०६०२६१	भावानां त्रिगुणात्मनाम्	श्रीभगवान्	१११९०१५२	भास्यमलात्मनाम्	श्रुतदेव	१०८६०४६२
भार्यासूत षडात्मजान्	मैत्रेय	४१३०१२१	भावान् भूतेषु येन वै	श्रीभगवान्	१११९०१४१	भास्वरं तमस: परम्	श्रीशुक	१०८८०२५२
भार्यास्ते नन्दगोकुले	भगवान	१००२००७२	भावार्थो भवति स्थित:	श्रीशुक	१०१४०५७१	भास्वरं विशदं शिवम्	श्रीभगवान्	११२५०१३१
भार्येति वा वोढुमिडस्पतिर्माम्	सुनीति	४०८०१८२	भावित्वात्तं कुशाग्रेण	श्रीशुक	१०७८०२८२	भिक्षमाणाय विष्णवे	श्रीशुक	६१०००४२
भार्योढा सदृशी न वा	श्रीभगवान्	१०८००२८२	भावेन साधु परितुष्ट उवाच योगम्	ब्रह्मा	२०७०१९२	भिक्षवश्च कुटुम्बिन:	श्रीशुक	१२०३०३३१
भाव: करोति विकरोति पृथक्स्वभाव:	प्रह्लाद	७०९०२०३	भावेन हित्वा तमहं प्रपद्ये	श्रीशुक	९०९०४७४	भिक्षवे सर्वमोंकुर्वन्	शुक्र	८१९०४१३
भावं विधत्तां नितरां महात्मन्	उद्धव	१०४६०३३३	भावेन हृदयं दधु:	श्रीशुक	१०५९०३५२	भिक्षवो ये च लिप्सव:	अदिति	८१६०१२१
भावक्षुब्धं मनो दधे	श्रीशुक	१०८६००६२	भावेनेशं प्रजापति:	मैत्रेय	४०७०१२२	भिक्षां चतुर्षु वर्णेषु	श्रीभगवान्	१११८०१८१
भावद्रव्यैरपूजयत्	सूत	१२०९००९१	भावेनोषसरति इदं चाभिगृणाति	श्रीशुक	५१९०१०१	भिक्षां भगवती साक्षात्	श्रीशुक	८१८०१७२
भावनं ब्रह्मण: स्थानम्	श्रीभगवान	३२६०४६१	भावैर्भावं पृथग्दृश:	वसुदेव	१००४०२७२	भिक्षार्थं नगरग्रामान्	श्रीभगवान्	११२३०३२२
भावनिर्जितचेतसा	नारद	१०६०१७१	भावो विकुरुतेऽपरम्	श्रीभगवान्	११२४०१८१	भिक्षार्थं प्रविशंश्चरेत्	श्रीभगवान्	१११८०२४१
भावयत्येष सत्त्वेन	सूत	१०२०३४१	भावो हि भवकारणम्	श्रीशुक	१०७४०४६२	भिक्षित्वा वामनो हरि:	श्रीशुक	८२३०१९१
भावयन्ति च यन्मिथ:	अर्जुन	११५०२४२	भाव्यं दीनेषु वत्सलै:	प्रचेतस	४३००२८१	भिक्षुभि: श्लाघिता मुधा	श्रीभगवान	१०६००१६२
भावयन्त्यात्मभावनम्	देवा	३१५००६१	भाव्यं द्विसप्तधा	मैत्रेय	३१०००८२	भिक्षुभिर्विप्रवसिते	व्यास	१०६००२१
भावयन्नात्मनात्मवित्	मैत्रेय	३२३०४७१	भाव्यं पितु: पुत्रेणेति	श्रीशुक	५०९००४१	भिक्षुभिर्विप्रवसिते	नारद	१०६००५१
भावयिष्यन्ति साधव:	कश्यप	३१४०४५१	भाव्यं सदसदात्मकम्	ब्रह्मा	२०६०३२३	भिक्षुर्भिक्षामिताशन:	नारद	७१५०३०२
भावस्वभावविहितस्य	ब्रह्मा	२०७०४९२	भाव्या: साहस्रवत्सरम्	श्रीशुक	९२२०४९२	भिक्षोरिन्द्रियलोलता	नारद	७१५०३८२

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भिक्षोर्धर्म: शमोऽहिंसा	श्रीभगवान्	१११८०४२१	भिन्नस्य लिङ्गस्य गुणप्रवाह:	श्रीभगवान	४२००१२१	भीता विरहकातरा:	श्रीशुक	१०३९०१८१
भिक्षोर्मार्ग: प्रदर्शित:	दक्ष	६०५०३६२	भिन्नहृत्कर्णमस्तका:	श्रीशुक	१००६०१७२	भीता सुदृक् पिधायास्यम्	श्रीशुक	१०३००२३२
भित्त्वा त्रिपाद्ववृध एक उरुप्ररोह:	ब्रह्मा	३०९०१६३	भिन्नहृदयं द्रष्टुमर्हसीति	नारद	४२९०५४१	भीता: प्रजा दुद्रुवुरङ्ग सेश्वरा	श्रीशुक	८०७०१९३
भित्त्वा मृषाश्रुर्दृषदश्मना रह:	श्रीशुक	१००९००६३	भिन्नाञ्जनचयोपमम्	श्रीशुक	१०७९००३१	भीता: शनै: प्रिय दधीमहि कर्कशेषु	गोप्य	१०३१०१९२
भित्त्वा वज्रेण तत्कुक्षिम्	श्रीशुक	६१२०३२१	भिन्नायास्तव मेदसा	पृथु	४१७०२५२	भीता: स्म इति वादिन:	दैतेया	१००४०३४२
भित्त्वा वर्माणि रक्षसाम्	मैत्रेय	४१००१७१	भिन्नाव इवोदधौ	पुरञ्जन	४२८०२१२	भीतामस्मिन् सरिज्जले	श्रीशुक	८२४०१४२
भिदां पश्यति नान्यदा	सनत्कुमार	४२२०२९२	भिन्नेन यातो हृदयेन दूयता	नारद	४१२०४२१	भीतास्ता बभ्रमुर्व्रजे	श्रीशुक	९०२००४२
भिदामण्वपि चक्षते	श्रीशिव	१२१००२२१	भिया ह्रिया च भावज्ञा	श्रीशुक	९१००५६२	भीतास्तेऽपि प्रदुद्रुवु:	बाणासुर	१०६२००९२
भिदाया इति ह भ्रम:	उद्धव	११२०००५२	भिषक्तमं त्वाद्य गतिं गता: स्म	प्रचेतस	४३००३८४	भीतैर्नृभिरमित्रहन्	श्रीशुक	१०१५०२४१
भिदेव स्रजिवत्कृत:	श्रीरुद्र	६१७०३०२	भिषक् चिकित्सेद रुजां निदानवित्	श्रीशुक	६०१००८४	भीतो माहेश्वरो ज्वर:	श्रीशुक	१०६३०२४२
भिद्यते परबुद्धिभि:	नारद	७०५००६२	भिषजाविति यत्पूर्वम्	श्रीशुक	९०३०२६२	भीम: प्रहरतां वर:	श्रीशुक	१०७२०४४१
भिद्यते हृदयग्रन्थि:	सूत	१०२०२११	भीत: केशिध्वजाद्द्रुत:	श्रीशुक	९१३०२११	भीम: स्मयन् प्रेमजवाकुलेन्द्रिय:	श्रीशुक	१०७१०२७२
भिद्यते हृयदग्रन्थि:	श्रीभगवान्	११२००३०१	भीत: पपात शिरसा	ऋषि	११३००३४२	भीमं समबलं विना	उद्धव	१०७१००५२
भिद्यन्ते गतयस्त्रिधा	श्रीशुक	२१००४१३	भीत: प्रपन्नार्तिहरोपसादित:	भूमि	१०५९०३१२	भीमतुल्यबलो मम	जरासन्ध	१०७२०३२२
भिद्यन्ते भ्रातरो दारा:	ब्राह्मण	११२३०२०१	भीत: प्राणपरीप्सया	श्रीशुक	१०५७०१११	भीमसेन तवानुज:	युधिष्ठिर	११४००७१
भिद्यन्ते मतयो नृणाम्	श्रीभगवान्	१११४००८१	भीत: स्वपक्षक्षपणस्य सत्तम:	बलि:	८२२०१०४	भीमसेनाद्धिडिम्बायाम्	श्रीशुक	९२२०३११
भिद्यमानोऽप्यभिन्नात्मा	श्रीशुक	८२२००१२	भीतं प्रपन्नं परिपाति यद्भयात्	श्रीशुक	८०२०३३३	भीमसेनेन केशव:	श्रीशुक	१०७३०३११
भिद्येरन् बत दस्युभि:	मैत्रेय	३२१०५४२	भीतं ब्रह्मतनुं रिपुम्	बलि:	८२००१२२	भीमसेनोऽर्जुन: कृष्ण:	श्रीशुक	१०७२०१६१
भिन्दन्समां गामकरोद्यथेन्द्र:	मैत्रेय	४१६०२२४	भीतं मृत्युग्रहार्णवात्	श्रीभगवान्	११२७०४६२	भीमस्तु विजयस्याथ	श्रीशुक	९१५००३१
भिन्द्याम येनाशु वयं सुदुर्भिदाम्	श्रीशुक	५१९०१५३	भीतवद् व्याघ्रसिंहयो:	श्रीशुक	१०१५०१३२	भीमस्यामोघदर्शन:	श्रीशुक	१०७२०४३१
भिन्नं संयोजयामास	ऋषि:	३०६००३२	भीतस्य किं न रोचेत	प्रचेतस	४३००३७२	भीमस्वनोऽरेर्हृदयानि कम्पयन्	विश्वरूप	६०८०२५४
भिन्नगात्रा नृपात्मजा:	नग्नजित्	१०५८०४३२	भीता किञ्चित्कृतं मया	श्रीशुक	९०३००७१	भीमापवर्जितं पिण्डम्	विदुर	११३०२२२
भिन्नधीर्विस्मृत: शीर्ष्णि	श्रीशुक	१०८८०३५२	भीता दुहितरं तदा	मैत्रेय	४३००४७१	भीमार्जुनजनार्दना:	श्रीशुक	१०७३०३४१
भिन्नभाण्डात्पयो यथा	मैत्रेय	४१४०४१२	भीता निलिल्यिरे देवा:	मैत्रेय	३१७०२२२	भीमो महानसाध्यक्ष:	ऋषि	१०७५००४१

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भीमो वायुरभूद् राजन्	श्रीशुक	१०७९००१२	भुक्त्वाक्षीरोपसेचनम्	श्रीशुक	१०४२०२५१	भुजगेन्द्रप्रयुक्तया	श्रीशुक	९०७००२२
भीमोऽहिवद्दीर्घतमं व्यमुञ्चत्	विदुर	३०१०३७१	भुक्त्वोपविविशु: कामम्	श्रीशुक	१०८२०१२१	भुजदण्डैरुपपन्नमष्टभि:	इन्द्र	४०७०३२२
भीमोर्मिमालिनि जनस्य सुखं विवृण्वन्	ब्रह्मा	३०९०२०४	भुग्नपृष्ठशिरोधर:	श्रीभगवान	३३१००८२	भुजमगुरुसुगन्धं मूर्ध्न्यधास्यत्कदा नु	गोप्य	१०४७०२१४
भीमौ सरभसेक्षणौ	कपिल	३३००१९१	भुङ्क्ते कुटुम्बपोषस्य	कपिल	३३००३२२	भुजमिन्द्रस्य भार्गव:	श्रीशुक	९०३०२५२
भीषयंस्तर्जनादिभि:	नारद	७०५०१८१	भुङक्ते सर्वत्र सर्वदा	चित्रकेतु	६१७०१८२	भुजान् कुठारेण कठोरनेमिना	श्रीशुक	९१५०३४३
भीषयन् वपुषा रिपून्	श्रीशुक	६११००६१	भुङ्क्ते ह्यव्यवधानेन	नारद	४२९०६०२	भुजाहय: पूरुषशीर्षकच्छपा	श्रीशुक	१०५००२६३
भीष्मं कृपं सविदुरम्	श्रीशुक	१०५७००२१	भुङ्क्तेऽक्षभिर्गुणान्	नारद	४२९००५२	भुज्यतां सन्ति नीवारा	शकुन्तला	९२००१४२
भीष्मं द्रोणं च बाह्लिकम्	श्रीशुक	१०६८०१७१	भुङ्क्ते भूतेषु तद्गुणान्	सूत	१०२०३३२	भुज्यतामिति सादरम्	दुर्वासा	९०५०१९२
भीष्मं धर्मभृतां वरम्	श्रीभगवान्	१११९०१११	भुङ्क्त आरब्धकर्म तत्	बृहस्पति	१२०६०२६२	भुज्यमाना मया दृष्टा	धरोवाच	४१८००६२
भीष्मं ब्रह्मणि निष्कले	सूत	१०९०४४१	भुङ्क्ते कर्मफलान्यसौ	श्रीभगवान्	१११००३१२	भुज्यमानां हतव्रताम्	श्रीशुक	१०६२०२७१
भीष्मकन्या वरारोहा	श्रीशुक	१०५३०२२१	भुङ्क्ते जनो यत्परदु:खदस्तत्	सुनीति	४०८०१७२	भुञ्जते कुरुभिर्दत्तम्	श्रीबलराम	१०६८०३८१
भीष्मको नग्नजिन्महान्	श्रीशुक	१०८२०२५१	भुङ्क्ते तत्फलमीदृशम्	कपिल	३३००३०२	भुञ्जते क्षत्रियादय:	राजा	४२२०४६२
भीष्मद्रोणार्जुनादिभि:	कौरव	१०६८०२८१	भुङ्क्ते तदपि तच्चान्य:	दत्तात्रेय	११०८०१५२	भुञ्जन्ति भुवमोजसा	श्रीशुक	१२०२०४४१
भीष्मो द्रोण:पृथा यमौ	श्रीशुक	१०८४०५७१	भुङ्क्ते नरो वा नारी वा	कपिल	३३००२८२	भुञ्जन्त्यस्मदुपेक्षया	कौरव	१०६८०२६२
भीष्मो द्रोणोऽम्बिकापुत्र:	श्रीशुक	१०८२०२४१	भुङ्क्ते समस्तकरणैर्हृदि तत्सदृक्षान्	श्रीभगवान्	१११३०३२२	भुञ्जान एव कर्माणि	कपिल	३३१०४३२
भीष्मो हि देव: सहस: सहीयान्	द्विज	११२३०४८३	भुङ्क्ते सर्वत्र दातॄणाम्	दत्तात्रेय	११०७०४६२	भुञ्जान एवात्मकृतं विपाकम्	ब्रह्मा	१०१४००८२
भुक्तं हन्ति त्रिपूरुषम्	भगवान	१०६४०३५१	भुङ्क्ते स्वयं यदवशिष्टरसं हृदिन्य:	गोप्य	१०२१००९३	भुञ्जान: पर्यटन् महीम्	श्रीशुक	१००२०२४१
भुक्तभोगा परित्यक्ता	श्रीभगवान	३२७०२४१	भुङ्क्ते हृषीकैर्मधु सारघं य:	श्रीरुद्र	४२४०६४४	भुञ्जान: पाति लोकान्	ऋषि:	८१४००७२
भुक्तमग्रेर्मनागपि	भगवान	१०६४०३२१	भुङ्क्ते स्थितो धामनि पारमेष्ठ्ये	हिरण्यकशिपु	७०३०३३३	भुञ्जान: प्रपिबन् खादन्	श्रीशुक	६०१०२६१
भुक्तवत्सु च सर्वेषु	कश्यप	८१६०५६१	भुङ्क्ष्व भोगान् पितृप्रत्तान्	नारद	६१६००३२	भुञ्जानं यज्ञभुक् पातु	गोप्य:	१००६०२६२
भुक्त्वा चातिथयो गृहम्	गोप्य	१०४७००८१	भुङ्क्ष्व स्तनं पिब शुचो हर न: स्वकानाम्	कृतद्युति	६१४०५७४	भुञ्जानमवशेषितम्	श्रीशुक	१०६९०२४२
भुक्त्वा चेहाशिष: सत्या	श्रीभगवान	४०९०२४२	भुङ्क्ष्वेह भोगान् पुरुषातिदिष्टान्	श्रीभगवान	५०१०१९३	भुञ्जानस्य सरित्तटे	श्रीभगवान्	११२३०३५२
भुक्त्वा पीत्वा सुखं मेने	श्रीशुक	१०८१०१२२	भुङ्क्ते गुणान्षोडश षोडशात्मक:	श्रीशुक	२०४०२३३	भुञ्जानेष्वच्युतात्मसु	श्रीशुक	१०१३०१२१
भुक्त्वा विभज्य पुत्रेभ्य	श्रीशुक	४३१०२७२	भुजं च तस्योरगराजभोगम्	श्रीशुक	६१२००३४	भुञ्जीत तदनुज्ञया	श्रीशुक	६१९०२३२

पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भुञ्जीत तैरनुज्ञात:	कश्यप	८१६०४४१	भुवि भारं समाहितम्	श्रीशुक	१०५०००७१	भूतं भव्यं भवच्च सत्	श्रीशुक	२०१०२४३
भुञ्जीत देववत्तत्र	श्रीभगवान्	१११००२३२	भुवि भौमानि भूतानि	कंस	१००४०१९१	भूतं लोकविमोहनम्	श्रीशुक	८११०३३२
भुञ्जीत यद्यनुज्ञात:	नारद	७१२००५२	भुवि लोलायुषो ये वै	देव्य	४२३०२७२	भूतकेतुर्दीप्तकेतु:	श्रीशुक	८१३०१८२
भुञ्जीत सह बन्धुभि:	कश्यप	८१६०५६२	भुवि विश्वेश्वरे हरौ	श्रीशुक	१००८०४९१	भूतग्रहांश्चूर्णय चूर्णयारीन्	विश्वरूप	६०८०२४४
भुञ्जीताशेषमाहृतम्	श्रीभगवान्	१११८०१९२	भुवो दुर्गाणि जामेय:	श्रीशुक	६०६००६२	भूतग्रामावमानिन:	श्रीभगवान	३२९०२४२
भुञ्जीतोदक्यया दृष्टम्	कश्यप	६१८०४९२	भुवो धर्मस्य कारणात्	ब्राह्मणा	११२०२६२	भूतग्रामेषु किञ्चन	नृसिंह	७१००२०१
भुञ्जे भुक्त्वाथ कस्मिंश्चित्	ब्राह्मण	७१३०३८२	भुवो नाव इवोदधौ	कुन्ती	१०८०३४१	भूतग्रामो विभाव्यते	ऋषि:	३०६००८२
भुञ्जेऽन्नं स्वाद्वस्वादु वा	ब्राह्मण	७१३०३७१	भुवो भारजिहीर्षया	अर्जुन	१०७०२५१	भूतज्योतिस्ततो वसु:	श्रीशुक	९०२०१७२
भुव आक्रम्यमाणाया	श्रीशुक	९२४०५९२	भुवो भारावताराय	श्रीशुक	९०३०३४२	भूतद्रुह:क्षपयत: स्तुतये न तत् ते	प्रजापति	८०७०३२२
भुव आदाय भूपति:	मैत्रेय	४१८०१२१	भुवो रसं शाद्वलितं च गृह्णते	श्रीशुक	१०१८००६४	भूतद्रुहमसत्तमम्	राजा	११७०११२
भुव उद्धरणेऽम्भोधे:	सूत	१२१२०१०२	भुवोऽवतारयद्धारम्	श्रीशुक	११०१००१२	भूतद्रुहो भूतगणान्	श्रीशुक	८०१०२६२
भुव: पङ्कमपां मलम्	श्रीशुक	१०२००३४१	भुवोऽहन्बहुशो नृपान्	श्रीशुक	९१६०२७२	भूतद्रोहेण यद्धृतम्	कपिल	३३००३१२
भुवं लिखन्त्य:	श्रीशुक	१०२९०२९२	भुव्यन्नमम्बूद्यमने च वृत्तिम्	ब्रह्मा	८०६०१२२	भूतध्रुक् को लभेत शम्	कंसयोषित	१०४४०४७२
भुवं लिखन्त्यश्रुभिरञ्जनासितै:	श्रीशुक	१०६००२३२	भुशुण्डिभिश्चक्रगदर्ष्टिपट्टिशै:	श्रीशुक	८१००३६१	भूतध्रुक् तत्कृते स्वार्थम्	श्रीशुक	६१८०२५२
भुवनत्रयविश्रुताम्	गुरु:	८१५०३५१	भू: कालभर्जितभगापि यदङ्घ्रिपद्म	नरपति	१०८२०३०३	भूतध्रुक् तत्कृते स्वार्थम्	नारद	१०१००१०२
भुवनानि गोपी	ब्रह्मा	२०७०३०३	भू: क्षेत्रं जीवसंज्ञम्	श्रीशुक	६०५०१११	भूतध्रुक् तत्कृते स्वार्थम्	श्रीशुक	१२०२०४१२
भुवर्लोकोऽस्य नाभित:	ब्रह्मा	२०५०४२१	भू: खं दिशो द्यौर्विवरा: पयोधय:	श्रीशुक	८२००२१३	भूतनन्दोऽथ बङ्गिरि:	श्रीशुक	१२०१०३२२
भुवर्लोकोऽस्य नाभित:	ब्रह्मा	२०५०३८१	भू: पादुके योगमय्यौ	मैत्रेय	४१५०१८२	भूतप्रकृतिरव्यया	ब्राह्मण	४२८०५८१
भुवि खे दिक्षु सर्वत:	सूत	१२०६०१४१	भू: पादौ द्यौ: शिरो नभ:	सूत	१२११००६१	भूतप्रमथगुह्यकान्	श्रीशुक	१०६३०१०१
भुवि गृणन्ति ते भूरिदा जना:	गोप्य	१०३१००९४	भूखण्डं वृष्णय: किल	श्रीबलराम	१०६८०३८१	भूतप्रमथनायका:	बलि	१०८५०४१२
भुवि चेरुरलक्षिता:	नारद	७०२०१६२	भूगोलं सगिरिसरित्समुद्रसत्त्वम्	श्रीशुक	५२५०१२२	भूतप्रियहितेहा च	श्रीभगवान्	१११७०२१२
भुवि पतिता मृतवत्सका यथा गौ:	श्रीशुक	१००७०२४४	भूत सूक्ष्मेन्द्रियात्मभि:	सूत	१०२०३३१	भूतप्रेतपिशाचानाम्	मैत्रेय	४०५०२५२
भुवि पुरुपुण्यतीर्थसदनान्यृषयो विमदास्त	श्रुतय	१०८७०३५१	भूतं नभोलिङ्गमलिङ्गमीश्वरम्	नारद	१०६०२६२	भूतप्रेतपिशाचाश्च	गोप्य:	१००६०२७२
भुवि प्राणिषु वर्तते	श्रीशुक	१२०२०३९२	भूतं प्रसिद्धं च परेण यद् यत्	श्रीभगवान्	११२८०२१३	भूतप्रेतपिशाचाश्च	मैत्रेय	३१००२८१

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद
भूतभव्यभवच्छब्द	राजा	२०८०१२३	भूतात्मा यदनुग्रहात्	राजा	२०८००९१	भूतानां भूतभावन	उद्धव	१११६००४१
भूतभव्यभवत्प्रभु:	नारद	२०५००३१	भूतात्मानं कृतालयम्	श्रीभगवान	३२९०२७१	भूतानां भूतभावन	धरोवाच	४१८०१०१
भूतभावन पूर्वज	नारद	२०५००११	भूतात्मावस्थित: सदा	श्रीभगवान	३२९०२११	भूतानां भूतिहेतव:	श्रीभगवान्	६०४०४५२
भूतभावन पूर्वज	ब्रह्मा	७१००२६१	भूतादिनामून्युत्कृष्य	मैत्रेय	४२३०१७२	भूतानां भूतिहेतव:	सत्यव्रत	८२४०२९१
भूतभावन भूतेश	ब्रह्मा	८२२०२११	भूतादिप्रभवा गुणा:	श्रीशुक	२१००३२१	भूतानां मयि रञ्जयन्	श्रीभगवान्	१११५०१२१
भूतभावनभावन:	श्रीशुक	९०९०४५२	भूतादिभि: परिवृतं प्रतिसञ्जिहीर्षु:	कपिल	३३२००९२	भूतानां महतामपि	श्रीभगवान	३२६०२४२
भूतमात्रेन्द्रियप्राण	नागपत्न्य	१०१६०४२१	भूतादिरिव भूत सूक्ष्माणि	श्रीशुक	५०७००२१	भूतानां महदादीनाम्	श्रीभगवान	३२९०३७२
भूतमात्रेन्द्रियाणि च	श्रीभगवान्	११२२०२२१	भूतादिर्महति प्रभु:	श्रीभगवान्	११२४०२५२	भूतानां यन्मिथ: कलि:	कुन्ती	१०८०२८२
भूतराजाय मीढुषे	कंस	१०३६०२६२	भूतादौ तं महात्मनि	श्रीशुक	९०७०२६१	भूतानां शेवधिं देहम्	ब्रह्मा	३२४०१६२
भूतले निरवस्तारे	रामा	४२६०१७२	भूताद्या द्वादशाभवन्	श्रीशुक	९२४०४७२	भूतानां श्रेयसि द्विजा:	सूत	१०४०२६१
भूतले यावती: पुर:	नारद	४२५०१२१	भूतानां करुण: शश्वत्	मैत्रेय	४१६००७२	भूतानां स विशुद्धये	श्रीशुक	६०९००६२
भूतलेऽनुपतन्त्यस्मिन्	राजा	११७००८२	भूतानां च पृथक् पृथक्	श्रीभगवान्	१११५०११२	भूतानां सम्बभूव ह	श्रीशुक	१००२०१७२
भूतविनायकान्	श्रीशुक	२१००३८३	भूतानां छिद्रदातृत्वम्	श्रीभगवान	३२६०३४१	भूतानां सुहृदीश्वर:	श्रीभगवान्	१११६००९१
भूतसन्तापनं वृकम्	नारद	७०२०१८१	भूतानां तत्र पश्यताम्	श्रीशुक	१०७७०१६१	भूतानां स्थितिरुत्पत्ति:	श्रीभगवान्	१११६०३५२
भूतसर्गस्तृतीयस्तु तन्मात्र:	मैत्रेय	३१००१५२	भूतानां देवचरितम्	वसुदेव	११०२००५१	भूतानां स्वस्वकालजम्	श्रीशुक	६०६००९२
भूतसूक्ष्मात्मनि मयि	श्रीभगवान्	१११५०१०१	भूतानां नभआदीनाम्	मैत्रेय	३०५०३६१	भूतानामनुकम्पार्थम्	पौण्ड्रक	१०६६००५२
भूतसूक्ष्मेन्द्रियमन:	श्रीभगवान	३२७०१४१	भूतानां निधनस्य च	ब्रह्मा	२०६०१०१	भूतानामप्यनागसाम्	ब्रह्मा	३१८०२२२
भूतसूक्ष्मेन्द्रियात्मने	श्रीरुद्र	४२४०३४१	भूतानां पञ्च धातव:	श्रीभगवान्	११२१००५१	भूतानामसि भाववित्	देवा	३१५००४२
भूतसूक्ष्मेन्द्रियार्थानाम्	सूत	१२०७०११२	भूतानां पतयस्तथा	श्रीभगवान्	१११४००७१	भूतानामसि भूतादि:	वसुदेव	१०८५०१११
भूतहत्यां तथैवैकाम्	सूत	१०८०५२२	भूतानां पतये नम:	कश्यप	८१६०३२२	भूतानामात्मनश्च ह	नारी	४२५०४०१
भूताङ्गिर:कृशाश्वेभ्य:	श्रीशुक	६०६००२२	भूतानां प्रभवाप्ययम्	नारद	७१३००६२	भूतानामिति निश्चय:	राजा	११७०२३२
भूतात्मन् भूतभावन	प्रजापति	८०७०२११	भूतानां प्रभवाप्ययौ	दत्तात्रेय	११०७०४९१	भूतानामिह संवास:	हिरण्यकशिपु	७०२०२११
भूतात्मभूता: सुहृद: स मे गति:	गजेन्द्र	८०३००७४	भूतानां भगवान् स्वयम्	राजा	७०१००११	भूतानामुडुपोऽहरत्	श्रीशुक	१०२००४२१
भूतात्मा भूतभावन:	श्रीभगवान	६१६०५११	भूतानां भवभावनम्	नारद	४२९०७७२	भूतानामृषभोऽवधीत्	दिति:	३१४०३३१

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श्.पाद
भूतानि चात्मन्यपृथग्दिदृक्षताम्	ब्रह्मा	४०६०४६२	भूतेन्द्रियमनोमय:	मैत्रेय	३०५०२९२	भूतेषु घोषरूपेण	श्रीभगवान्	११२१०३७२
भूतानि तैस्तैर्निजयोनिकर्मभि:	यम	७०२०४११	भूतेन्द्रियमनोमयम्	श्रीभगवान	३२६०२५२	भूतेषु च तथा पुमान्	सूत	१०२०३२२
भूतानि न प्रसीदन्ति	चाणूर	१०४३०३५२	भूतेन्द्रियमनोमयै:	श्रीभगवान	३२७०१३१	भूतेषु च दयां पराम्	श्रीशुक	१०४१०५१२
भूतानि भगवत्यात्म्	हरि	११०२०४५२	भूतेन्द्रियाणि पञ्चैव	श्रीभगवान्	११२२०२३२	भूतेषु चान्तर्हित आत्मतन्त्र:	सूत	१०३०३६३
भूतानि भव्यानि जनार्दनस्य	विदुर	३०५००३२	भूतेन्द्रियात्मकमदस्त उपाश्रितोऽस्मि	ब्रह्मा	३०९००३४	भूतेषु निरनुक्रोश:	पृथु	४१७०२६२
भूतानि भूतैरनुमेयतत्त्व:	श्रीरुद्र	४२४०६५३	भूतेन्द्रियान्त:करणात्मकं विभो	धरोवाच	४१७०३४१	भूतेषु परमो भव:	ऋषि	११३०००९२
भूतानि भूमौ स्थिरजङ्गमानि	नारद	४३१०१५३	भूतेन्द्रियान्त:करणात्	श्रीभगवान	३२८०४११	भूतेषु बद्धवैरस्य	श्रीभगवान	३२९०२३२
भूतानि यानि स्थिरजङ्गमानि	श्रीशुक	१००७०३६४	भूतेन्द्रियान्त:करणोपलक्षितम्	श्रीरुद्र	४२४०६२३	भूतेषु बहुधेयते	श्रीभगवान्	१०८५०२४२
भूतानि विष्णो: सुरपूजितानि	यम	६०३०१८१	भूतेन्द्रियार्थात्ममयं वपुस्ते	देवहूति:	३३३००२१	भूतेषु भूमंश्चरत: स्वशक्तिभि:	नारद	१०७००३७३
भूतानुग्रहकातरा:	दक्ष	६०५०३९१	भूतेन्द्रियार्थाशयजीवयुक्तम्	श्रीशुक	८२००२२४	भूतेषु मद्भवानया	श्रीभगवान	३२९०१६२
भूतान्यलब्धशरणानि च भेदबुद्ध्या	श्रीभगवान	३१६०१०२	भूतेन्द्रियाशयमयीमवलम्ब्य मायाम्	जन्तु:	३३१०१३२	भूतेषु यदनुग्रह:	राजा	१२०६००३२
भूतान्यादौ प्रजापति:	श्रीशुक	६१८०३०१	भूतेन्द्रियाशयमये विततं ददर्श	प्रह्लाद	७०९०३५४	भूतेषु वीरुद्भ्य उदुत्तमा ये	ऋषभ	५०५०२११
भूतान्येकात्मकानि च	श्रीभगवान्	१११८०३२२	भूतेभ्यश्च यथार्हत:	नारद	७११०१०१	भूतेषु सन्तं पुरुषं वनस्पतीन्	श्रीशुक	१०३०००४४
भूतावासं हरिं भवान्	मनु	४११०१११	भूतेभ्यस्त्वद्विसृष्टेभ्य:	हिरण्यकशिपु	७०३०३४४	भूतेषु सर्वेष्वभिपश्यतां तव	ब्रह्मा	४०६०४६१
भूतावासममंसत	उद्धव	३०२००९२	भूतेमात्रेन्द्रियधियाम्	श्रीशुक	२१०००३१	भूतेषूच्चावचेष्वनु	श्रीभगवान	२०९०३४१
भूतावासाय भूताय	नागपत्न्य	१०१६०३९२	भूतेम्योऽथामृतंघना:	श्रीशुक	१०२००२४१	भूतेष्वथ महत्सु च	प्रह्लाद	७०६०२०२
भूतेन्द्रियगुणात्मक:	ब्रह्मा	२०६०२११	भूतेरंशभूतानपायिनी	मैत्रेय	४०१००४२	भूतेष्वद्धा यथोचितम्	प्रबुद्ध	११०३०२३२
भूतेन्द्रियगुणात्मना	श्रीभगवान	१०४७०३०२	भूतेशवत्सा दुदुहु:	मैत्रेय	४१८०२१२	भूतेष्वनुक्रोशसुसत्त्वशीलिनाम्	श्रीरुद्र	४२४०५८३
भूतेन्द्रियगुणात्मभि:	श्रीभगवान	३०९०३६२	भूतेशानुचराणि ह	कश्यप	३१४०२२२	भूतेष्वात्मन्यवस्थित:	श्रीभगवान्	१११८०३२१
भूतेन्द्रियगुणाशयै:	श्रीभगवान	३०९०३३१	भूतेशो भूतभावन:	मनु	४११०२६१	भूतेष्वात्माऽऽत्मना तत:	श्रीभगवान्	१०८२०४७१
भूतेन्द्रियगुणाश्रय:	श्रीभगवान	१०४७०२९३	भूतेषु कालस्य गतिम्	सूत	१०८००४२	भूतेष्विव तदात्मताम्	श्रीभगवान	३२८०४२२
भूतेन्द्रियमनो लिङ्गान्	यम	७०२०४६१	भूतेषु कृतमैत्राय	कपिल	३३२०४१२	भूतेहितं च जगतो भवबन्धमोक्षौ	श्रीमहादेव	८१२०११२
भूतेन्द्रियमनोगुणा:	ब्रह्मा	२०५०३२१	भूतेषु गुणवृत्तिभि:	सूत	१२०६०२९२	भूतै: सृजति भूतानि	वृत्र	६१२०१२२
भूतेन्द्रियमनोमय:	कपिल	३३१०४४१	भूतेषु गुणवैचित्र्यात्	यमदूत	६०१०४६२	भूतै: पञ्चभिरारब्धे	कपिल	३३१०३०१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
भूतैः पञ्चभिरारब्धैः	मनु	४११०१५१	भूभारक्षत्रक्षपणः	वसुदेव	१०८५०१८२	भूमेर्भारमपाकुरु	श्रीभगवान	१०५००१५१
भूतैः स्वधामभिः पश्येत्	नारद	७१२०१५२	भूभारराजपृतना यदुभिर्निरस्य	श्रीशुक	११०१००३१	भूमेर्भारापनुत्तये	सुरभि	१०२७०२१२
भूतैरत्त्यखिलाश्रयः	श्रीभगवान	३२९०३८१	भूभारहरणाय मे	श्रीशुक	१०५०००९१	भूमेर्भारायमाणानाम्	देवकी	१०८५०३०२
भूतैराक्रम्यमाणोऽपि	दत्तात्रेय	११०७०३७१	भूभारान् सञ्जहार ह	अर्जुन	११५०२६२	भूमेर्भारायमाणानाम्	श्रीभगवान	१०५१०४०३
भूतैरेवात्ममायया	नारद	२०५००४३	भूभारासुरराजन्य	नारद	११०५०५०१	भूमेर्भारायमाणानाम्	श्रीशुक	१००१०६४२
भूतैर्भूतानि भूतेशः	अङ्गिरा	६१५००६१	भूमंस्तवेहितमथो अनु ये भवन्तम्	रुक्मिणी	१०६००३६४	भूमेर्भारावताराय	धृतराष्ट्र	१०४९०२८२
भूतैर्महद्भिः स्वकृतैः	प्रह्लाद	७०७०४९२	भूमण्डलं जलधिमेखलमाकलय्य	मैत्रेय	४१२०१६३	भूमेर्भारावताराय	ब्रह्मा	११०६०२११
भूतैर्महद्भिर्य इमाः पुरो विभुः	श्रीशुक	२०४०२३१	भूमण्डलं बिभर्षि सहस्रमूर्धन्	कौरव	१०६८०४६२	भूमेर्भारोऽवतारितः	श्रीभगवान्	११०६०२८२
भूतैर्यदा पञ्चभिरात्मसृष्टैः	द्रुमिल	११०४००३१	भूमण्डलं मूर्धसहस्रधामसु	श्रीभगवान्	५१७०२१४	भूमेर्मह्यं त्वयासुर	श्रीशुक	८२१०२९१
भूतोपसर्गाशुरयः	नारद	४२९०२३२	भूमण्डलं सर्षपायति यस्य मूर्ध्नि	चित्रकेतु	६१६०४८३	भूमेर्मित्रात्मजासते	विदुर	३०७०२६२
भूत्या स्वया कुटिलकुन्तलवृन्दजुष्टम्	श्रीभगवान	३२८०३०२	भूमण्डलमिदं वैन्यः	मैत्रेय	४१८०२९२	भूमौ च ते भुवनमङ्गल दिग्वितानम्	नारद	१०७००४४२
भूत्वा द्विजवरस्त्वं वै	श्रीभगवान	१०५१०६४२	भूमण्डलस्य सर्वस्य	श्रीशुक	९१९०२३१	भूमौ निधाय तं गोपी	श्रीशुक	१००७०१९१
भूत्वा निषेवे तव पादपल्लवम्	ब्रह्मा	१०१४०३०४	भूमण्डलेनाथ दता धृतेन ते	ऋषय	३१३०४११	भूमौ राजन्न वर्षति	श्रीशुक	१२०४००७१
भूत्वा भूत्वानुपूर्वशः	नारद	७१५०५५१	भूमन्भ्रमामि वद मे तव दास्ययोगम्	प्रह्लाद	७०९०१७४	भूमौ वियति तोये वा	श्रीशुक	१०४१००३२
भूत्वा भूत्वेह जायते	नारद	७१५०५१२	भूमावेवोपलक्ष्यते	श्रीभगवान	३२६०४९२	भूमौ वियति वा जले	अक्रूर	१०४१००४१
भूत्वाऽऽत्मोपशमोपेतम्	सूत	१०३००९२	भूमिं वर्षशताधिकम्	श्रीशुक	१२०१०१८२	भूमौ वियति वा जले	अक्रूर	१०४१००५१
भूत्वाथ वामन इमामहरद् बलेः क्ष्माम्	द्रुमिल	११०४०२०३	भूमिर्गन्धे प्रलीयते	श्रीभगवान्	११२४०२२२	भूमौः ममत्वं कृत्वान्ते	श्रीशुक	१२०२०४०२
भूत्वेश्वरः कृपणवत्	राजा	८१५००१२	भूमिर्दृप्तनृपव्याज	श्रीशुक	१००१०१७१	भूम्न ऋषिकुल्यायाम्...	श्रीशुक	५१५००६१
भूद्वीपवर्षसरिदद्रिनभः समुद्र	ऋषि	५२६०४०१	भूमिस्तुरीयं जग्राह	श्रीशुक	६०९००७१	भूम्नः स्वच्छन्दवर्तिनः	राजा	१०१६००३१
भूधराणामहं स्थैर्यम्	श्रीभगवान्	१११६०३३२	भूमेः पर्यटनं पुण्यम्	श्रीशुक	९०७०१८१	भूम्यप्तेजोमयाः सप्त प्राणः	श्रीशुक	२१००३१३
भूपांसवः खे मिहिका द्युभासः	ब्रह्मा	१०१४००७४	भूमेः सुरेतरवरूथविमर्दितायाः	ब्रह्मा	२०७०२६१	भूम्यम्बुद्रुमयोषिद्भ्यः	श्रीशुक	६०९००६३
भूपातालककुब्व्योम्	राजा	२०८०१५१	भूमेरोकोऽसृजत् प्रभुः	श्रीभगवान्	११२४०१३१	भूम्यम्ब्वग्न्यनिलाकाशा	श्रीभगवान्	११२१००५१
भूपृष्ठे पोथयामास	श्रीशुक	१०४४०२३१	भूमेर्गुणविशेषोऽर्थः	श्रीभगवान	३२६०४८३	भूम्यां निपतितौ तत्र	श्रीशुक	१०११००२१
भूभारः क्षपितो येन	सूत	११५०३५२	भूमेर्भरावणतरणाय यदुष्वजन्मा	द्रुमिल	११०४०२२१	भूम्याश्चोदमयं वसु	श्रीशुक	१०२०००५१

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श.पाद
भूय आहासुर: सुतम्	नारद	७०५०२९१	भूयाद्येन सुतो हि मे	श्रीशुक	६१८०२६२	भूरुहा नृपनन्दना:	श्रीभगवान	४३००१३२
भूय एव विवित्सामि	राजा	२०४००६१	भूयाननुग्रह अहो भवता कृतो मे	दक्ष	४०७०१३१	भूर्जैरोषधिभि: पूगै:	मैत्रेय	४०६०१७२
भूय एवाभिवर्धते	श्रीशुक	९१९०१४२	भूयान्नन्दसुत: पति:	श्रीशुक	१०२२००५२	भूर्न मज्जति यद्भयात्	श्रीभगवान	३२९०४२२
भूय: कर्ता बलोद्यमम्	श्रीशुक	१०५०००८२	भूयान्मे त्वत्पदास्पदम्	नृग	१०६४०२८२	भूर्नादृश्यत नतोन्नतम्	श्रीशुक	१०२५०१०२
भूय: पप्रच्छ कौरव्य:	श्रीशुक	३१३००१२	भूयिष्ठा ॐ क्ष्रौम्	भद्रश्रवस	५१८००८१	भूर्भुव: स्वरिति त्रिधा	श्रीभगवान्	११२४०११२
भूय: पप्रच्छ तं ब्रह्मन्	सूत	१०६००१२	भूयो दश गुरुण्डाश्च	श्रीशुक	१२०१०३०२	भूर्यपत्या गतह्रिय:	श्रीशुक	१२०३०३४१
भूय: पाण्डुरिवौजसा	सूत	११२०१२२	भूयो नम: सद्वृजिनच्छिदेऽसताम्	श्रीशुक	२०४०१३१	भूर्यप्यभक्तोपहृतम्	श्रीभगवान्	१०८१००३३
भूय: पार्श्वमुपातिष्ठत्	श्रीशुक	१०६६०४२२	भूयो भूयसि तत् फलम्	श्रीभगवान्	११२७०५५२	भूर्यप्यभक्तोपाहृतम्	श्रीभगवान्	११२७०१८१
भूय: प्राप्स्यथ भद्रं व:	श्रीभगवान्	६०९०५५२	भूयो ममान्तिकमितां तदनुग्रहो मे	श्रीभगवान	३१६०१२३	भूर्यम्बुतृणवीरुधम्	वसुदेव	१००५०२६१
भूय: सकाशमुपयास्यत आशु यो व:	श्रीभगवान	३१६०२६३	भूयो यथा व्यसनमेतदनेकरन्ध्रम्	जन्तु:	३३१०२१३	भूर्यर्थायोपकल्पते	उद्धव	१०७१०१०१
भूय: समाहरत् कृष्ण:	श्रीशुक	१०४१००१२	भूयो याचितुमर्हति	बलि:	८१९०२०१	भूर्लोक: कल्पित: पद्भ्याम्	ब्रह्मा	२०५०४२१
भूयश्चाव्रज्य केशवम्	मैत्रेय	३१९०२४१	भूयो वनौका इव यान्ति बन्धनम्	श्रीशुक	५१९०२५४	भूर्लोक: कल्पित: पद्भ्याम्	ब्रह्मा	२०५०३८१
भूयस्तत्रापि सोऽद्राक्षीत्	श्रीशुक	१०३९०४४१	भूयोऽहं श्रोतुमिच्छामि	राजा	१०६७००११	भूर्लोक: खं दिशस्तनो:	श्रीशुक	८२१०३११
भूयस्तद्देवयजनम्	मैत्रेय	४०७००७२	भूरात्मा सर्वभूतानि	श्रीभगवान्	११११०४२२	भूर्लोकस्य च वर्णय	विदुर	३०७०२७१
भूयस्त्वं तप आतिष्ठ	श्रीभगवान	३०९०३०१	भूरापोऽग्निर्मरन्नभ:	श्रीभगवान	३२६०१२१	भूर्लोका: कर्मार्जिताश्च ये	ब्रह्मा	८२२०२२१
भूयांसं श्रद्दधुर्विष्णुं यत:	श्रीशुक	१०८९०१५२	भूरि तृप्यन्ति मेऽसव:	शौनक	३२५००२२	भूर्वायुर्ज्योरिङ्गना:	श्रीभगवान्	१०८२०४६२
भूयात्पत्न्यर्पिताशया	श्रीभगवान	४३००१६२	भूरि द्रष्टुं न शक्नुम:	मुचुकुन्द	१०५१०३५१	भूवायुवियदात्मसु	सूत	१२०९००८२
भूयात्सदाङ्घ्रिरशुभाशयधूमकेतु:	देवा	११०६०१२४	भूरिणा रुधिरेण वै	नारद	७०२००८१	भूषणानि परार्ध्यानि	मैत्रेय	३२३०२९१
भूयात् पतिरयं मह्यम्	श्रीशुक	१०५९०३५१	भूरिपुण्यवदर्पितै:	श्रीशुक	१०१३०४९२	भूषणानि महार्हाणि	श्रीशुक	१०६५०२९२
भूयात् पतिर्मे भगवान्	रुक्मिणी	१०५३०४६२	भूरिर्भूरिश्रवास्तत:	श्रीशुक	९२२०१८२	भूषणानि विचित्राणि	श्रीशुक	८०८०१६१
भूयात् स ईश: परमो गुरोर्गुरु:	राजा	८२४०४८४	भूरिशो भावयिष्यसि	श्रीभगवान्	६०४०५२२	भूषणायुधलिङ्गाख्या	विश्वरूप	६०८०३२२
भूयादघोनि भगवद्भिरकारि दण्ड:	पार्षद	३१५०३६१	भूरिषेण इति त्रय:	श्रीशुक	९०३०२७१	भूषणै: स्रग्विलेपनै:	श्रीशुक	१०७३०२५२
भूयादनन्त महताममलाशयानाम्	ध्रुव	४०९०११२	भूरीणि भूरिकर्माणि	ऋषय	१०१०१११	भूषणैश्च महाधनै:	श्रीशुक	१०७४०२८१
भूयादयं मे पतिराशिषोऽमला:	श्रीशुक	१०५८०३६३	भूरीणि भूरियशस:	द्रुमिल	११०४०२३२	भूषावास: परिच्छदान्	मैत्रेय	३२२०२३२

श्रीमद्भागवतमहापुराणम्
पादानुक्रमणिका

श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद	श्लोक	उवाच	स्.अ.०.श्.पाद
भूषिता अप्यभूषयन्	श्रीशुक	१०१२००४२	भृग्वाद्या मुनयो नृप	श्रीशुक	८२३०२६१	भृशं निर्वेदमुपगच्छति	स होवाच	५१४०१५१
भूषितां भूषणोत्तमैः	श्रीशुक	१०५३०११२	भृङ्गाधिपे हरिकथामिव गायमाने	ब्रह्मा	३१५०१८४	भृशं मुमुदिरे नृप	श्रीशुक	८२३०२३२
भूसंस्थानं कृतं येन	श्रीशुक	५०१०४०१	भृत्यं विपन्नं पतयः	श्रीशुक	१२०३०३६२	भृशं शूद्रपदाहताम्	सूत	११७००३१
भूस्तत्कृतेषु यथाशयम्	श्रीभगवान्	१०८५०२५१	भृत्यप्रसादाभिमुखं दृगासवम्	श्रीशुक	२०९०१५१	भृशमनुतप्तधियोऽश्रुपूर्णमुख्यः	श्रीशुक	१००७०२५२
भूस्तोयमग्निः पवनः खमादिः	अक्रूर	१०४०००२१	भृत्यमुद्धवं प्राह केशवः	श्रीशुक	१०७००४५२	भृशमनुतप्यमान आह	श्रीशुक	५०८०२८१
भृगवः शिष्यवत्सलाः	गुरुः	८१५०३४१	भृत्यलक्षणजिज्ञासुः	प्रह्लाद	७१०००३१	भृशमासीत्सुदुर्मनाः	मैत्रेय	४१३०४२२
भृगुः ख्यात्यां महाभागः	मैत्रेय	४०१०४३१	भृत्या अप्यखिलोत्तमम्	श्रीशुक	१२०३०३६१	भृशमुद्विग्नमध्यायाः	सूत	१२०८०२६२
भृगुः प्रत्यसृजच्छापम्	मैत्रेय	४०२०२७२	भृत्या येष्वीश्वराः शुभे	पुरञ्जन	४२६०२११	भृशमुद्विविजे नृप	श्रीशुक	१०४३०१८२
भृगुं बबन्ध मणिमान्	मैत्रेय	४०५०१७१	भृत्याः श्रेण्योऽथ मन्त्रिणः	अङ्गिरा	६१४०१९१	भृषममर्षरोषावेशरभसविलसित...	श्रीशुक	५०९०१८१
भृगुं ब्रह्मसुतं नृप	श्रीशुक	१०८९००२१	भृत्याः स्वभृत्यार्थकृतश्चरन्ति	विदुर	३०४०२५२	भेजिरे मुनयोऽथाग्रे	सूत	१०२०२५१
भृगुदत्तं महारथः	श्रीशुक	८१५००८१	भृत्यानुकम्पितधियेह गृहीमूर्ते:	श्रीभगवान	३२८०२९१	भेजुर्मुकुन्दपदवीं श्रुतिभिर्विमृग्याम्	उद्धव	१०४७०६१४
भृगुभिर्ब्रह्मवादिभिः	गुरुः	८१५०२८२	भृत्यानुग्रहकातरम्	श्रीभगवान	३२८०१७२	भेजुर्मुदाविरतमेधितयानुराग	श्रीशुक	१०६१००५३
भृगुर्वसिष्ठ इत्येते	नारद	४२९०४३२	भृत्यानुरक्तो भगवान्	मैत्रेय	४०९०१८२	भेजुर्मुदाविरतमेधितयानुराग	श्रीशुक	१०५९०४४३
भृगुर्वसिष्ठो दक्षश्च	मैत्रेय	३१२०२२२	भृत्यान् दारुकजैत्रादीन्	श्रीशुक	१०७१०१२२	भेजे खगेन्द्रध्वजपादमूलम्	ऋषय	११८०१६४
भृगुस्तन्मन्द्रया गिरा	श्रीशुक	१०८९०१३१	भृत्याप्ता ममतास्पदाः	प्रह्लाद	७०७०४४२	भेजे भीतिविडम्बनम्	श्रीशुक	१०३००२३२
भृगुस्त्वचि करात्क्रतुः	मैत्रेय	३१२०२३२	भृत्यामात्यपुरोधसः	मैत्रेय	४१७००२१	भेजे भूयः कलोदयम्	श्रीभगवान्	११०६०३६२
भृगोः श्मश्रूणि रोहन्तु	ब्रह्मा	४०६०५१२	भृत्यामात्याः सुहृज्जनाः	अङ्गिरा	६१५०२२२	भेजे स मह्यं परमः प्रसीदतु	प्रजापति	६०४०३३४
भृगोः स भगवान् भवः	मैत्रेय	४०२०३३१	भृत्याय विज्ञानमयः प्रदीपः	उद्धव	११२९०३८२	भेजे सर्पवपुर्हित्वा	श्रीशुक	१०३४००९२
भृगोर्लुलुञ्चे सदसि	मैत्रेय	४०५०१९२	भृत्यार्तिहं प्रणतपाल भवाब्धिपोतम्	करभाजन	११०५०३३३	भेदग्रहैः पुरुषो यावदीक्षेत्	ब्रह्मा	४०७०३११
भृगोर्वंशं निबोध मे	मैत्रेय	४०१०४२२	भृत्येषु प्रभुणार्पितः	पुरञ्जन	४२६०२२१	भेददृष्ट्याभिमानेन	कपिल	३३२०१३१
भृग्वादयस्ते मुनयः	मैत्रेय	४१४००११	भृत्यैर्दशभिरायान्तीम्	नारद	४२५०२०२	भेदेनाज्ञाऽनुपश्यति	श्रीभगवान	४०७०५२२
भृग्वादयाऽस्पृष्टरजस्तमस्काः	यम	६०३०१५२	भृत्यैश्चैव पदानुगैः	श्रीशुक	९१००३८२	भेदो वैरमविश्वासः	ब्राह्मण	११२३०१८२
भृग्वादयोऽर्दिताः	मैत्रेय	३११०२९२	भृत्यो राज्ञः सुदुर्मदः	श्रीशुक	१०४१०३४२	भेरीघोषेण सर्वशः	मैत्रेय	४१४००६२
भृग्वादीनामात्मजानाम्	श्रीरुद्र	४२४०७२२	भृशं नदद्भिर्व्यनदत्सुभैरवम्	मैत्रेय	४०५००६१	भेरीडमरिणां महान्	श्रीशुक	८१०००७१

श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद
भेरीतूर्याण्यनेकश:	श्रीशुक	१०५००३८१	भोक्ष्यति मेदिनीम्	श्रीशुक	१२०१०३७३	भोजयित्वा वरान्नेन	श्रीशुक	१०७३०२६१
भेरीशब्दैर्मनोजव:	श्रीशुक	८२१००८१	भोक्ष्यते यद्वंशधरैर्मही	नारद	४२८०३१२	भोजयित्वोशिजो विप्रान्	श्रीभगवान्	११०६०३७२
भेर्यानकादय:	श्रीशुक	१०८४०४६१	भोक्ष्यन्ति कुरुनन्दन	श्रीशुक	१२०१०२८२	भोजयेत् तान् गुणवता	कश्यप	८१६०५४१
भैक्ष्यं तस्मै निवेदयेत्	श्रीभगवान्	१११७०२८१	भोक्ष्यन्ति पृथिवीं नृपा:	श्रीशुक	१२०१००४२	भोजयेत् सुसमृद्धोऽपि	नारद	७१५००३२
भैक्ष्यमाहृत्य वाग्यत:	सूत	१२०८०१०१	भोक्ष्यन्ति शूद्रा व्रात्याद्या	श्रीशुक	१२०१०३९२	भोजराजसमाहुता:	श्रीशुक	१०४२०३८१
भैष्टेति सुरान्विभु:	नारद	७१००५७१	भोक्ष्यन्त्यब्दशतान्यङ्ग	श्रीशुक	१२०१०३२१	भोजराजहतान् पुत्रान्	देवकी	१०८५०३३२
भैष्म्या: समुचित: पति:	श्रीशुक	१०५३०३७२	भोक्ष्यमाणो व्रजाधिप:	श्रीशुक	१०११०१७१	भोजवृष्ण्यन्धकमधु	श्रीशुक	९२४०६३१
भो भो दानपते मह्यम्	कंस	१०३६०२८१	भोक्ष्ये महीं नृपान्	कंस	१०३६०३६२	भोजवृष्ण्यन्धकेश्वर:	ब्राह्मणी	१०८००१११
भो भो दानवदैतेया	नारद	७०२००४१	भोगस्य च सुखस्य च	श्रीभगवान्	१११९०२३१	भोजवृष्ण्यन्धकेश्वर:	श्रीबलराम	१०६८०३४१
भो भो निशम्यतामेतत्	कंस	१०३६०२२२	भोगान्दिव्यान्निजार्जितान्	श्रीभगवान्	१११००२३२	भोजा आसंस्तदन्वये	श्रीशुक	९२४०११२
भो भो ब्रह्मर्षिवर्योऽसि	श्रीभगवान	१२०९००२१	भोगान्सा पतिदेवता	नारद	४२८०४३२	भोजानां कुलपांसन:	श्रीशुक	१००१०३५१
भो भो राजन् सुभद्रं ते	सुनन्दनन्द	४१२०२३१	भोगान्स्वप्स्यामि संविशन्	ब्राह्मण	७१३०२६२	भोजितं परमान्नेन	श्रीशुक	१०४६०१५१
भो भो वैचित्रवीर्य त्वम्	अक्रूर	१०४९०१७१	भोगान् पुण्यजिहासया	मैत्रेय	४२१०११२	भोजेन्द्रगेहेऽग्निशिखेव रुद्धा	श्रीशुक	१००२०१९३
भो भो: क्षत्रियदायाद	धनद	४१२००२१	भोगिनां खलु देहोऽयम्	नारद	७१३०१६३	भोज्यां कन्यामहारषीत्	श्रीशुक	९२३०३६१
भो भो: पुरुषशार्दूल	जरासन्ध	१०५४०१११	भोगेन पुण्यं कुशलेन पापम्	नृसिंह	७१००१३१	भौतिकानां च भावानाम्	सूत	१०४०१७१
भो भो: प्रजापते राजन्	नारद	४२५००७१	भोगै: पुण्यक्षयं कुर्वन्	मैत्रेय	४१२०१३२	भौतिकानां यथा खं वात्	श्रीभगवान्	१०८२०४६२
भो भो: सदा निष्टनसे उदन्वन्	महिष्य	१०९००१७१	भोगैरात्मानमात्मनि	श्रीभगवान्	११११०४५१	भौतिकानां विकारेण	श्रीभगवान	३२६०४२२
भो: पौण्ड्रक यद् भवान्	श्रीभगवान	१०६६०१९१	भोगैश्च विविधैर्युक्तान्	श्रीशुक	१०७३०२६२	भौतिकाश्च कथं क्लेशा	मैत्रेय	३२२०३७२
भो: सूत हे मागध सौम्य वन्दिन्	पृथु	४१५०२२१	भोगो वित्तवतामिह	नारद	७१३०१६२	भौतिकेषु विकारेषु	प्रह्लाद	७०६०२०२
भोक्तव्यमात्मनो दिष्टम्	श्रीभगवान्	११२३०४१२	भोजनश्रवणादिषु	श्रीभगवान्	११११०११२	भौमं दिव्यं मानुषं च	श्रीशुक	५०१०४११
भोक्तुकामस्य चागमत्	श्रीशुक	९२१००५२	भोजयन्तं द्विजान् क्वाप	श्रीशुक	१०६९०२४२	भौमं सुखं दिव्यमथापवर्ग्यम्	सुनीति	४०८०२१२
भोक्तुश्च दु:खसुखयो:	श्रीभगवान्	१११००१७२	भोजयन् पाययन्मूढ:	श्रीशुक	६०१०२६२	भौमं हत्वा तन्निरोधात्	श्रीशुक	१०५८०५८२
भोक्तृत्वे सुखदु:खानाम्	श्रीभगवान	३२६००८२	भोजयित्वा द्विजानग्रे	श्रीशुक	९०४०३४२	भौमप्रयुक्ता निरगन् धृतायुधा:	श्रीशुक	१०५९०१२४
भोक्तॄणां सुखदु:खयो:	श्रीभगवान्	१११००१४१	भोजयित्वा यथान्यायम्	श्रीशुक	१०५३०१०२	भौमभोगरतो गत:	ब्राह्मण	४२८०५३२

श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स्क.अ.०.श.पाद
भौमस्वर्गभोगान्बुभुजे	श्रीशुक	५०२०१८१	भ्रष्टतेजा विभासि मे	युधिष्ठिर	११४०३९१	भ्रातरं मे महाभुज	रुक्मिणी	१०५४०३३२
भौमान्रेणून्स विममे य:	श्रीशुक	८०५००६२	भ्रष्टश्रियो निरानन्दा:	युधिष्ठिर	११४०२०५	भ्रातरं वल्कलाम्बरम्	श्रीशुक	९१००३४२
भौमान् भोक्ष्यथ भोगान्वै	श्रीभगवान	४३००१७२	भ्रष्टा गौर्मम गोधने	नृग	१०६४०१६१	भ्रातरम् नन्दमागतम्	श्रीशुक	१००५०२०१
भौमाहृतानां विक्रम्य	श्रीशुक	१०५९०३३२	भ्रष्टानामिव चेतांसि	श्रीशुक	१०२००३३२	भ्रातरावन्वधावताम्	श्रीशुक	१०३४०२७२
भौमैर्हि भूमिर्बहुनामरूपिणी	मुनय	१०८४०१७३	भ्राजत्कपोलवदनो विलसत्किरीट:	मैत्रेय	४३०००६२	भ्रातरीशकृत: पाश:	वसुदेव	१०८४०६११
भ्योंऽहोभ्य एव वा	विश्वरूप	६०८०२७२	भ्राजत्कपोलसुभगं सविलासहासम्	श्रीशुक	९२४०६५२	भ्रातरो मरुतस्तव	मरुद्गण	६१८०६३२
भ्रंशितो ज्ञानविज्ञानात्	सनत्कुमार	४२२०३३२	भ्राजत्स्फटिकभित्तिभि:	श्रीशुक	९११०३२२	भ्रातरोऽच्युतचोदिता:	सूत	११२०३३१
भ्रकुटीकुटिलानन:	श्रीशुक	९०४०४३१	भ्राजद्द्वरमणिग्रीवम्	श्रीशुक	१०७३००५१	भ्रातरोऽभाङक्त किम्	श्रीशुक	९०४००२१
भ्रम: स गुणदोषभाक्	श्रीभगवान्	११०७००८१	भ्राजन्ते रूपवन्नार्यो	श्रीशुक	८१५०१७२	भ्रातर्मम सुत: कच्चित्	वसुदेव	१००५०२७१
भ्रमञ्जनोऽद्यापि न वेद कश्चन	ब्राह्मण	५१३०१९४	भ्राजन्मणिस्तम्भसहस्रशोभितम्	श्रीशुक	१०८९०५३४	भ्रातर्युपरते पाण्डौ	अक्रूर	१०४९०१७२
भ्रमतीह सुखेतरम्	अन्तरिक्ष	११०३००६२	भ्राजमानं वितिमिरम्	मैत्रेय	४०२००५२	भ्रातर्येवं विनिहते	नारद	७०२००११
भ्रमत् समन्ताद् भगवत्प्रयुक्तम्	विश्वरूप	६०८०२३२	भ्राजमानो यथा रवि:	श्रीशुक	१०५६००४१	भ्रातर्वो नाचराम हि	वसुदेव	१०८४०६३१
भ्रमन्त: कर्मवर्त्मसु	उद्धव	११०६०४८१	भ्राजमानो यथा रवि:	श्रीशुक	१००२०१७१	भ्राता ते ब्रह्मवित्तम्	श्रीशुक	९१५०१०२
भ्रमन्ति कामलोभेर्ष्या	अंशुमान्	९०८०२६२	भ्राजिष्णु प्रभया स्वया	ऋषि	११३००२८१	भ्राता ममेति तच्छ्रुत्वा	श्रीशुक	१०५६०१६२
भ्रमन्तो यत्सतारका:	श्रीभगवान	४०९०२१३	भ्राजिष्णुना विमानेन	मैत्रेय	३२३०४११	भ्राता मरुत्पतेर्मूर्ति:	देवा	६०७०२९२
भ्रमन्मानसोत्तरगिरौ परिभ्रमति	श्रीशुक	५२१०१३१	भ्राजिष्णुभिर्य: परितो विराजते	श्रीशुक	२०९०१२१	भ्राता मे दयित: सुहृत्	नारद	७०२००६१
भ्रममाणोऽम्भसि धृत:	श्रीशुक	८०५०१०२	भ्रातन् दिग्विजयेऽयुङ्क्त	श्रीशुक	१०७२०१२२	भ्राता मे प्रेषितस्त्वया	कुन्ती	१०५८००९२
भ्रमयति भारती त उरुवृत्तिभिरुक्थजडान्	श्रुतय	१०८७०३६४	भ्रातर: कृतनिश्चया:	सूत	११५०४५१	भ्राता मैन्दस्य वीर्यवान्	श्रीशुक	१०६७००२२
भ्रमाम इह कर्मभि:	प्रचेतस	४३००३३१	भ्रातर: कृतपौरुषा:	श्रीशुक	८०९००७१	भ्रातापि भ्रातरं हन्याद्	श्रीबलराम	१०५४०४०२
भ्रमाम: कर्मवर्त्मसु	ब्राह्मण	१०२३०५०२	भ्रातर: पतयश्च व:	श्रीभगवान	१०२९०२०१	भ्रातु: क्षेत्रे भुजिष्यायाम्	मैत्रेय	३०५०२०२
भ्रमामि स्वप्नकल्पेषु	अक्रूर	१०४००२४२	भ्रातर: पितरावपि	कुन्ती	१०८२०२०१	भ्रातु: पुरो मर्मसु ताडितोऽपि	श्रीशुक	३०१०१६२
भ्रश्यत्प्रसूनकबरा मुमुहुर्विनीव्य:	गोप्य	१०२१०१२४	भ्रातर: सुहृदोऽपरे	नारद	७१४००६१	भ्रातु: प्रियचिकीर्षया	नारद	४२८०११२
भ्रश्यत्यनुस्मृतिश्चित्तम्	सनत्कुमार	४२२०३११	भ्रातरं चावधीत् कंसम्	राजा	१००१०१०२	भ्रातु: समनुतप्तस्य	श्रीशुक	१००४०२५१
भ्रश्यन्ति मार्गात्त्वयि बद्धसौहृदा:	देव	१००२०३३२	भ्रातरं मे गतव्यथ:	नारद	७०२००८२	भ्रातुर्ज्येष्ठस्य श्रेयस्कृत्	सूत	११३०१४२

श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद	श्लोक	उवाच	स.अ.०.श.पाद
भ्रातुर्निर्वेशकारिण:	श्रीशुक	१०४४०४०२	भ्रातृशोकपरिप्लुत:	श्रीशुक	१०७८०१११	भ्राम्यतां नष्टदृष्टीनाम्	मैत्रेय	४२१०५१२
भ्रातुर्भार्या हृतेक्षताम्	शाल्व	१०७७०१७१	भ्रातृस्नेहपरिप्लुत:	श्रीशुक	१०५३०२११	भ्राम्यतीव महीयते	उद्धव	१०४६०४११
भ्रातुर्यविष्ठस्य सुतान्विबन्धून्	श्रीशुक	३०१००६२	भ्रातृहा मे गतो नूनम्	श्रीभगवान्	८१९०१२२	भ्राम्यते कर्मवर्त्मसु	अक्रूर	१०४००२३२
भ्रातुर्वधमनुस्मरन्	नारद	७०४००४२	भ्रातृहेति मृषादृष्टि:	प्रह्लाद	७१००१६२	भ्राम्यते धीर्न तद्वाक्यै:	उद्धव	३०२०१०२
भ्रातुर्वधाभितप्तेन	मनु	४११००९२	भ्रातृंस्त्रिभुवनेश्वर:	श्रीशुक	९११०२५१	भ्राम्यतो वृजिनाध्वनि	श्रीभगवान्	११२१०२५१
भ्रातुर्विरूपकरणं युधि निर्जितस्य	श्रीभगवान	१०६००५६१	भ्रातृणां भ्रातृवत्सला:	नारद	६०५०३०२	भ्राम्यदाश्वनवस्थितम्	श्रीभगवान्	११२००१९१
भ्रातुर्वैरूप्यचिन्तया	श्रीबलराम	१०५४०३८१	भ्रातृणामेव मारिष	श्रीशुक	६०५०३२२	भ्राम्यन्संसारवर्त्मसु	राजा	४२५००६२
भ्रातृघ्नानित्यमर्षित:	मनु	४११०३३२	भ्रातृन् भ्राता यवीयस:	श्रीशुक	९१८००४१	भ्राम्यन् सुखं च दु:खं च	चित्रकेतु	६१७०१८२
भ्रातृणां चापि विग्रह:	श्रीशुक	१२०३००७१	भ्रातृन् मात्रा सहावधीत्	श्रीशुक	९१६००६१	भ्रियमाण: स्वयम्भृतै:	कपिल	३३००१४१
भ्रातृणां प्रायणं भ्राता	श्रीशुक	६०५०३११	भ्रातृन् स्वसॄर्वा पितरौ च दीनौ	प्रह्लाद	७०६०१२२	भ्रुवोर्निषेधं च विधिं च पक्ष्मसु	श्रीशुक	८२००२७२
भ्रातृपत्नीर्मुकुन्दं च	श्रीशुक	१०८२०१८२	भ्रात्न्वा स्वयमात्मन:	राजा	९११०२४१	भ्रुवोर्मध्यात्प्रजापते:	मैत्रेय	३१२००७१
भ्रातृपुत्रानसान्त्वयत्	नारद	७०२०१७२	भ्रात्रा राज्ञा विकल्पित:	सूत	११५००११	भ्रुवोर्यम: पक्ष्मभवस्तु काल:	ब्रह्मा	८०५०४२३
भ्रातृपुत्रेषु दीनधी:	श्रीभगवान	१०४८०३४१	भ्रात्रा वने कृपणवत् प्रियया वियुक्त:	श्रीशुक	९१००११३	भ्रूक्षेपै: सम्मुखादिभि:	श्रीशुक	१०६७०१३१
भ्रातृभिर्दिक्ष्ववस्थितै:	श्रीशुक	९०३०३५३	भ्रात्रे परेताय विदुद्रुहे य:	विदुर	३०१०४११	भ्रूणस्य ब्रह्मवादिन:	श्रीशुक	९०९०३११
भ्रातृभिर्नन्दित: सोऽपि	श्रीशुक	९१००४६१	भ्रात्रेयो भगवान् कृष्ण:	कुन्ती	१०४९००९१	भ्रूभङ्गमात्रेण हि सन्दिधक्षो:	ब्रह्मा	९०४०५३३
भ्रातृभिर्बन्धुभि: सुतै:	श्रीशुक	१०२३०२०१	भ्रान्त्या शब्दादिधर्मिणा	कपिल	३३२०२८२	भ्रूभङ्गसंसूचितभूर्यनुग्रहम्	श्रीशुक	२०२०१२१
भ्रातृभिर्भार्यया बभौ	श्रीशुक	९१००५०२	भ्रामणत्यक्तजीवितम्	श्रीशुक	१०१५०३२२	भ्रूमण्डलं मुनिकृते मकरध्वजस्य	श्रीभगवान	३२८०३२४
भ्रातृभिर्लोकपालाभै:	सूत	११३०१६	भ्रामणैर्लङ्घनै: क्षेपै:	श्रीशुक	१०१८०१२१	भ्रूमण्डलप्रहितसौरतमन्त्रशौण्डै:	देवा	११०६०१८२
भ्रातृभिश्च युधिष्ठिर:	श्रीशुक	१०७२००१२	भ्रामयन्तं गदां मुहु:	सूत	११२००९५	भ्रूमण्डलप्रहितसौरतमन्त्रशौण्डै:	श्रीशुक	१०६१००४२
भ्रातृभ्यां हनुमद्युत:	श्रीशुक	९१००३२१	भ्रामयन्तमभीक्ष्णश:	मैत्रेय	३१८०१६१	भ्रूविजृम्भेण केवलम्	कपिल	३३१०३८२
भ्रातृभ्यो भ्रातृवत्सल:	मैत्रेय	४२४००१२	भ्रामयित्वा कपित्थाग्रे	श्रीशुक	१०११०४३१	भ्रूविलासावलोकनै:	श्रीशुक	८०८०४६१
भ्रातृभ्रातृव्यहृद्द्रुजा	ध्रुव	४०९०३३२	भ्रामयित्वैकपाणिना	श्रीशुक	१०१५०३२१			
भ्रातृवत्सदृशे स्निग्ध:	नारद	७०४०३२२	भ्रामित: कर्शितो भृशम्	सूत	१२१००२७१	**म**		
भ्रातृव्यमेनं तददभ्रवीर्यम्	ब्राह्मण	५११०१७१	भ्रामितो याति कर्मभि:	श्रीभगवान्	११२२०५१२	मङ्गलं मरुतां जन्म	श्रीशुक	६१८०७८२